श्री शर्माহাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 29 | गुवाहाटी | बुधवार, 23 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा ने मठघरिया में राजेन गोहाई के खिलाफ किया विरोध-प्रदर्शन — पेज 3

चित्तौड़ यात्रा पर आये उपराष्ट्रपति अपने शिक्षक के घर पहुंचे, लिया आशीर्वाद — पेज 4

अब कबीरचौरा जूनियर हाईस्कूल भी बनेगा स्मार्ट, विधायक... — पेज 5

ऐसा काम करें, जिससे देश का नाम ऊंचा रहे : उपराष्ट्रपति धनखड़ — पेज 8

भारत के हृदय-मस्तिक में चांद ही

थोड़ी-बहुत रफ लैंडिंग झेल लेगा चंद्रयान-3, प्लान बी भी तैयार : इसरो

बेंगलुरु (एजे/हि.स.)। इसरो का मिशन चंद्रयान-3 चांद पर सफल लैंडिंग करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और भारत इतिहास रचने से बस एक दिन दूर है। चंद्रयान-3 के सफल लैंडिंग के साथ ही भारत पूरी दुनिया में ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा और चांद पर अपना विजय पताका फहराया। इसरो ने बताया कि तीसरा चंद्रमा मिशन चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल (एलएम) बुधवार शाम को चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत ऐसा पहला देश है, जो चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान-3 को लैंड कराएगा। इसरो के मुताबिक, लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) वाला एलएम बुधवार शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास उतरेगा। इसरो ने मंगलवार दोपहर को बताया कि मिशन तय समय पर है। सिस्टम की नियमित जांच हो रही है। सुचारू रूप से उड़ान जारी है। इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक नीलेश देसाई ने कहा कि अगर 23 अगस्त को स्थिति असामान्य पाई जाती है, तो हम लैंडिंग में चार दिन की देरी कर 27 अगस्त कर देंगे। चंद्रयान-3 इसरो का चार साल के भीतर दूसरा मिशन है। अगर इसरो इस प्रयास में चंद्रमा पर टचडाउन करने और रोवर को उतारने में सफल हो जाता है, तो भारत अमेरिका, चीन और सोवियत संघ (अब रूस) के बाद ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। चंद्रयान-3 का उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट-लैंडिंग करना

है। इसके साथ ही चंद्रमा पर घूमना और इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन करना है। इससे पहले इसरो ने चंद्रयान-2 लॉन्च किया था, लेकिन उसका लैंडर *विक्रम* सात सितंबर, 2019 को टच डाउन करते वक्त क्रैश कर गया था। चंद्रयान का पहला मिशन 2008 में लॉन्च किया गया था। मिशन चंद्रयान-3 पर 600 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। इसके चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने के लिए 41 दिन का समय निर्धारित किया गया था, जो अपने तय समयानुसार 23 अगस्त को चांद की सतह पर लैंड करेगा और सफल लैंडिंग करते ही नया इतिहास रच जाएगा। उधर चंद्रयान-3 की लैंडिंग को लेकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व सलाहकार डॉ. सुरेंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

लाइव लॉन्चिंग का प्रसारण स्कूलों में हो : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी बुधवार की शाम 5.30 बजे से 6.30 बजे तक राज्य के सभी स्कूलों, कॉलेजों तथा सरकारी संस्थानों में चंद्रयान-3 के लाइव -शेष पृष्ठ दो पर

सफल लैंडिंग के लिए नमाज भी

लखनऊ। लखनऊ ईदगाह के इमाम विद्वान खालिद रशीद फिरंगी महली ने मंगलवार को कहा कि भारत के चंद्र मिशन चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए, जो 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए निर्धारित है, बच्चों ने इस्लामिक सेंटर मस्जिद में नमाज अदा की और प्रार्थना की। समाचार एजेंसी -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा के साथ बातचीत आशाजनक : सीएम

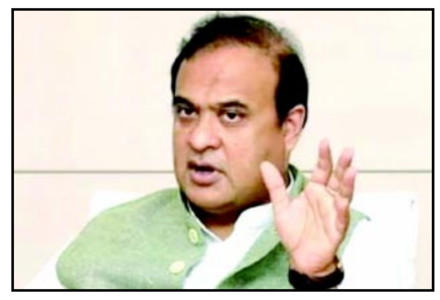

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता समर्थक गुट के साथ चल रही चर्चा के बारे में आशावाद व्यक्त किया, जिससे संकेत मिलता है कि बातचीत आशाजनक दिशा में आगे बढ़ रही है। डॉ. शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि इन वार्ताओं ने रचनात्मक रुख अपनाया है, जिससे क्षेत्र में अंतिम समाधान और शांति की उम्मीदें जगी हैं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि अल्फा के वार्ता समर्थक गुट के साथ चल रही बातचीत सही दिशा में चल रही है तथा स्वदेशी लोगों की पहचान और -शेष पृष्ठ दो पर

सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता मील का पत्थर : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य के किसी भी युवा को पैसे के बदले सरकारी नौकरी नहीं मिली। असम के मुख्यमंत्री की टिप्पणी भाजपा किसान मोर्चा सचिव इंद्राणी तहसीलदार की मौत मामले पर एक प्रश्न का उत्तर देते समय आई। सीएम शर्मा ने कहा कि पूरा मामला सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे ऐंठने और बाद में नौकरी न दे पाने पर पैसे वापस न कर पाने के इर्द-गिर्द घूमता है। हालांकि इंद्राणी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

खाटू श्याम पदयात्रा पर हमला फाड़ें बाबा के पोस्टर

अलवर। हरियाणा के नूंह मेवात में ब्रज धाम की जलाभिषेक यात्रा के दौरान हिंसा भड़की थी। अभी वह मामला शांत नहीं हुआ कि उपद्रवियों द्वारा अब राजस्थान के अलवर जिले में भी एक धार्मिक पदयात्रा पर हमला करने का मामला सामने आया है। खबर है कि पदयात्रा सोमवार सुबह रामगढ़ से खाटू श्याम के लिए रवाना हुई थी, तभी यात्रा की बस पर एक गुट के लोगों ने हमला कर दिया। बस ड्राइवर के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं बस पर लगे पोस्टर और बैनर तक फाड़ दिए गए। इसके बाद से पूरे इलाके में माहौल तनावपूर्ण हो गया। यात्रा निकाल रहे लोगों ने इस घटना के बाद रामगढ़ थाने पर विरोध प्रदर्शन किया और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तार की मांग की गई। बिगढ़ते माहौल को देखकर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया -शेष पृष्ठ दो पर

ऐतिहासिक रहा पारंपरिक चिकित्सा का पहला वैश्विक शिखर सम्मेलन : सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि गुजरात के गांधीनगर में 17-18 अगस्त को आयोजित पारंपरिक चिकित्सा पर दुनिया का पहला वैश्विक शिखर सम्मेलन कई मायनों में खास और ऐतिहासिक रहा। यह सम्मेलन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर आयोजित किया था। इस सम्मेलन की उपलब्धि *गुजरात घोषणा पत्र* है, जो जल्द ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी किया जाएगा। सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक सर्वे के प्रारंभिक नतीजों को भी सामने रखा गया और इन नतीजों से स्पष्ट है कि पारंपरिक चिकित्सा को लेकर दुनिया में स्वीकार्यता बढ़ रही है। नवंबर में सर्वेक्षण से जुड़ा अंतिम निष्कर्ष प्रकाशित किया जाएगा। सर्वेक्षण के मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन के 157 देशों में से 97 देशों में पारंपरिक चिकित्सा को लेकर राष्ट्रीय नीतियां लागू हैं। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के मुताबिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में दुनिया के 78 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन में देश-विदेश से आए वैज्ञानिकों, चिकित्सों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पारंपरिक चिकित्सा के हर पहलुओं पर चर्चा की और इसकी -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक नहीं : सरकार

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। बालाकोट सेक्टर में घुसपैठ की खबरों के बीच ही अफवाह उड़ रही है कि सेना ने एख बार फिर से सर्जिकल सट्राइक की है। सर्जिकल स्ट्राइक की खबरों पर रक्षा मंत्रालय की तरफ से बयान आया है कि भारतीय सेना पाकिस्तानी सीमा में नहीं घुसी है और न ही कोई सर्जिकल स्ट्राइक की गई है। मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

भारत और चीन नई पोस्ट न बनाने पर हुए सहमत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और चीन के बीच हुई 19वें दौर की सैन्य वार्ता में कई बड़े मुद्दों पर सहमति बनी है। गतिरोध के बावजूद दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब कोई नई पोस्ट न बनाने और हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने से परहेज करने पर सहमत हुए हैं। यह पहली बार है कि सीमा विवाद पर उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता दो दिनों तक चली और दो दिनों में कुल मिलाकर करीब 17 घंटे तक चर्चा हुई। बैठक में भारत ने डेप्सांग और डेमचोक समेत अन्य टकराव वाले पॉइंट से सैनिकों की जल्द वापसी को लेकर चीन पर दबाव डाला। भारत-चीन के बीच मेजर जनरल स्तरीय यह बैठक 13-14 अगस्त को भारतीय सीमा पर चुशुल-मोल्डो में हुई थी। साढ़े तीन साल से चल रहे गतिरोध के बीच यह -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स शिखरवार्ता : पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका में

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय विदेश प्रवास के दौरान आज (मंगलवार को) दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहांसबर्ग पहुंचे, जहां उनका स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि थोड़ी देर पहले जोहांसबर्ग में उतरा। अगले कुछ दिनों में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं के साथ विचार-विमर्श और विभिन्न बैठकों की प्रतीक्षा कर रहा हूं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

राज्यतंत्र को ही नीतिशास्त्र कहते हैं।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

चीन की खदान में विस्फोट से ग्यारह मरे

बीजिंग। चीन में कोयला खदान में विस्फोट होने से 11 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना सोमवार को शानशी प्रांत के यानान शहर के बाहरी इलाके में हुई। प्रांतीय आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने सोशल मीडिया पर बताया कि विस्फोट के समय खदान में कुल 90 खनिक थे। यह फरवरी के बाद से इस तरह की सबसे घातक घटना है। फरवरी में आंतरिक मंगोलिया क्षेत्र में एक खदान ढहने से 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

चीन की अर्थ-व्यवस्था चरमराई

बीजिंग। पिछले चार दशक में पहली बार विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन की इकॉनमी संकट में है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के राज में चीन की इस बदहाली से विशेषज्ञ हैरान-परेशान हैं और यह जानने को बेताब हैं कि आखिर ऐसे हुआ कैसे? कोविड प्रतिबंध हटने के बाद देश की यह स्थिति सबसे गंभीर मसला है। चीन का 40 साल का ग्रोथ मॉडल चरमरा गया है। अमेरिका के एक प्रमुख दैनिक वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि अर्थशास्त्री अब मानते हैं कि चीन बहुत धीमी वृद्धि के युग में प्रवेश कर रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ बढ़ती दूरियों से स्थिति और खराब हो गई है, जो विदेशी निवेश व व्यापार को भी खतरे में डाल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यह केवल आर्थिक कमजोरी का दौर नहीं है बल्कि इसका असर लंबे समय तक दिख सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के आंकड़ों के हवाले से कहा गया कि सरकार व राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों के विभिन्न स्तरों के कर्ज सहित कुल ऋण 2022 तक चीन के सकल घरेलू उत्पाद का करीब 300 प्रतिशत हो गया था, जो कि अमेरिकी स्तर को भी पार कर गया है। यह 2012 में 200 प्रतिशत से भी कम था। दूसरी ओर, चीन के -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में राष्ट्रपति व सरकार में घमासान

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में सेना को ताकतवर बनाने वाले दो विधेयकों के कानून बनने को लेकर सरकार व राष्ट्रपति के बीच शुरू घमासान गहराता जा रहा है। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इन विधेयकों पर हस्ताक्षर न करने के बावजूद कानून बन जाने पर आपत्ति जताते हुए अपने सचिव को बर्खास्त कर दिया है। दो प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से उनके इस्तीफे की मांग की गयी है। दरअसल, पिछले दिनों पाकिस्तान की सीनेट ने आधिकारिक गोपनीयता (संशोधन) विधेयक, 2023 और पाकिस्तान सेना (संशोधन) विधेयक, 2023 हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के पास भेजे थे। बीते दिनों इन्हें कानून के रूप में अधिसूचित किए जाने पर अल्वी ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उन्होंने दोनों विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, क्योंकि वह दोनों ही बिलों से असहमत थे। अल्वी ने अपने कर्मचारियों पर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जैसा कि खुदा मेरा गवाह है, मैंने दोनों विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं किए, क्योंकि मैं इन कानूनों से असहमत था। मैंने अपने कर्मचारियों से विधेयकों को अप्रभावी बनाने के लिए निर्धारित समय के भीतर बिना हस्ताक्षर किए वापस करने को कहा। मैंने उनसे कई बार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के बजाय जागरूकता फैलाएं सरकार : अजमल

गुवाहाटी। एआईयूडीएफ प्रमुख और लोकसभा सांसद बदरुद्दीन अजमल ने मंगलवार को कहा कि असम सरकार को बहुविवाह पर कानूनी प्रतिबंध लगाने के बजाय एक से अधिक शादी करने के खिलाफ जागरूकता फैलानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस्लाम में बहुविवाह *अनिवार्य* नहीं है। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार ने मुस्लिम महिलाओं के कल्याण के लिए क्या किया है। मालूम हो कि असम सरकार ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और सोमवार को एक अधिसूचना जारी कर प्रस्तावित कानून पर जनता की राय मांगी थी। इससे पहले इस तरह का कानून बनाने के लिए विधानसभा की विधायी क्षमता का अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था और विशेषज्ञ समिति ने सरकार को रिपोर्ट भी सौंपी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि राज्य विधायिका वैवाहिक प्रथा पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने में सक्षम है। अजमल ने कहा कि इस्लाम में बहुविवाह अनिवार्य नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार जहां एक व्यक्ति को एक पत्नी को खिलाने के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं दे रही हैं, तो वह चार पत्नियों की देखभाल कैसे कर सकता है? अजमल ने *शांति और न्याय* पर विभिन्न धर्मों के प्रमुखों की बैठक से इतर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि वह बहुविवाह के खिलाफ हैं। अजमल ने आशंका व्यक्त की कि बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय राजनीतिक आधार पर होगा। उधर जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने का जिक्र करते हुए अजमल ने कहा कि क्या कश्मीर में शांति आई? आए दिन सैनिक मारे जा रहे हैं। इन सैनिकों के परिवारों को जो मिलता है वह इतना दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसके बारे में बात न करना ही बेहतर है। उन्होंने आगे कहा कि आपने (सरकार ने) *तीन तलाक* बंद कर दिया, लेकिन आपने महिलाओं के कल्याण के लिए क्या किया? क्या आपने स्कूल और कॉलेज बनाए या ऐसे उद्योग विकसित किए जहां महिलाओं को नौकरियां मिलेंगी? ऐसा कुछ नहीं किया गया सिवाय इसके कि कुछ दिनों तक दुनिया के सामने मुस्लिम महिलाओं का मजाक उड़ाया गया। धुबड़ी सांसद ने दावा किया कि ये महिलाएं अब भूख से मर रही हैं, आत्महत्या कर रही हैं। लेकिन सरकार उन्हें नहीं देखती, किसी को उनकी परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि बहुविवाह पर प्रस्तावित प्रतिबंध *मजाक उड़ाने* का एक और प्रयास है और यदि कोई *अनपढ़ व्यक्ति* एक से अधिक बार शादी करने की कोशिश करता है, तो उसे ऐसा न करने के लिए समझाया जाना चाहिए। *शांति और न्याय* कार्यक्रम पर अजमल ने कहा कि लोगों तक *मोहब्बत का पैगाम* (शांति का संदेश) पहुंचाने के लिए इसे पूरे देश में आयोजित किया जाएगा।

वनकर्मियों की तत्परता से बची राजधानी एक्सप्रेस

होजाई (हिंस)। होजाई के हवाईपुर में वन विभाग की तत्परता से राजधानी एक्सप्रेस जंगली हाथियों के झुंड से टकराने से बाल-बाल बच गई। हाथियों के ट्रैक पार करने के बाद ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 5 बजे करीब 50-60 जंगली हाथियों का झुंड होजाई में पश्चिमी कार्बी आंग्लोंग जंगल की ओर से आकर रेल लाइन पार कर रहा था। उसी बीच रेल लाइन पर राजधानी एक्सप्रेस पूरे रफ्तार के साथ आ गई। वन कर्मियों ने रेल ट्रैक पर हाथियों का झुंड देखकर तत्परता से राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को रुकवा दिया। हाथियों के झुंड के रेलवे ट्रैक पार करने के बाद ट्रेन को रवाना किया। इस प्रकार वन विभाग की सतर्कता से न सिर्फ हाथियों की जान बची, बल्कि राजधानी एक्सप्रेस भी दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। उल्लेखनीय है कि जंगलों के बीच से असम में गुजरने वाली रेल की पटरियों पर अक्सर जंगली जानवरों के झुंड आ जाते हैं। अक्सर ट्रेन की चपेट में आने से जानवरों की मौत भी हो जाती है।

कामाख्या रेलवे स्टेशन पर हाथी दांत जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। तलाशी के दौरान जीआरपी ने ट्रेन से हाथी का दांत जब्त किया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार जब्त दांत अरुणाचल प्रदेश से कामाख्या ट्रेन से लाया गया था। कामाख्या स्टेशन पर जीआरपी द्वारा लचित एक्सप्रेस में की गई तलाशी के दौरान दांत बरामद किया गया। हाथी दांत के साथ राजस्थान के संदीप जोशी को गिरफ्तार किया गया है। हाथी के दांत का वजन दो किलो 300 ग्राम बताया गया है। इस सिलसिले में जीआरपी थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

धुबड़ी से महिला का अपहरण

धुबड़ी (हिंस)। राज्य में महिलाओं की तस्करी जारी है। जानकारी के अनुसार धुबड़ी के बिलासीपाड़ा में एक महिला तस्करों के चंगुल में फंस गई। म्यांमार के तस्करों ने महिला का अपहरण कर लिया। महिला के पति ने घटना के संबंध में बिलासीपाड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पति की शिकायत के मुताबिक, मोहम्मद जाहिद नाम के शख्स ने महिला तस्करों के जरिए उसकी पत्नी (दो बच्चों की मां) का अपहरण कर लिया है। महिला तस्करी रैकेट का मुख्य नायक जाहिद का घर म्यांमार में बताया जाता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मंत्री पीयूष ने किया काजीरंगा में तट-कटाव का निरीक्षण

शोणितपुर (हि.स.)। राज्य के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज ब्रह्मपुत्र नद से तेजपुर में कलियाभोमोरा पुल के निचले हिस्से के लगभग 150 मीटर और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व वन में भोमोरागुड़ी वन अधिकारी के कार्यालय के सामने हो रहे तट कटाव का निरीक्षण किया। मंत्री ने आज उन स्थानों का भी दौरा किया जहां पर्यटन की बहुत गुंजाइश है। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को यहां कटाव को रोकने के लिए परियोजनाएं शुरू करने का निर्देश दिया।

ग्राहक इंटरफेस बेहतर बनाने के लिए पूसीरे ने की कई पहल

गुवाहाटी (हिंस)। माल परिवहन में सुधार और बेहतर ग्राहक इंटरफेस प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) द्वारा कई पहल शुरू की जा रही है। इन पहलों में ग्राहकों द्वारा विभिन्न सामग्रियों के आसान परिवहन की सुविधा के लिए जुलाई के दौरान आवक और जावक दोनों माल परिवहन का संचालन कुछ और स्टेशनों में शुरू किया गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि ग्राहक इंटरफेस में सुधार और माल ढुलाई राजस्व में वृद्धि के लिए तिनसुकिया मंडल के अधीन धमल गांव स्टेशन को पीओएल, पशुधन, विस्फोटक, आवक कोयला और क्रेन खेप को छोड़कर 12 जुलाई से जावक कोयला और क्रेन खेप के साथ-साथ बालू और बलास्ट परिवहन सहित सभी प्रकार के आवक और जावक दोनों माल परिवहन के संचालन के लिए खोला गया है। तिनसुकिया मंडल के अंतर्गत लकुवा स्टेशन को 03 महीने की अवधि के लिए 14 जुलाई से आवक लोहा और पाइप के खेप संचालन के लिए खोला गया है। इससे पहले, 03 जनवरी से पीओएल, पशुधन, विस्फोटक, आवक कोयला और क्रेन खेप को छोड़कर जावक कोयला सहित सभी प्रकार के आवक और जावक दोनों माल परिवहन के संचालन के लिए खोला गया था।

हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। करीमगंज पुलिस द्वारा ट्वीट के जरिए आज दी गई जानकारी के अनुसार आज फिर विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर राताबारी और नीलामबाजार पुलिस थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग स्थानों पर मादक पदार्थ रोधी अभियान चलाए गए। इन अभियानों के दौरान 28 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

भारत के हृदय-मस्तिक...

पाल ने कहा कि विक्रम लैंडर थोड़ी बहुत रफ लैंडिंग को झेल सकता है। इसरो ने इस बार चंद्रमा पर विक्रम लैंडर की लैंडिंग की पूरी तैयारी की है। इसरो के वैज्ञानिक इस बार अनुभव के आधार पर आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। अगर 23 अगस्त को सब कुछ योजना के मुताबिक न भी रहा तो भी इसरो ने लैंडिंग की तारीख 27 अगस्त तक टालने का प्लान बी भी तैयार कर रखा है। डॉ. सुरेंद्र पाल ने बताया कि चंद्रमा पर लैंडिंग के लिए 2 से 5 किलोमीटर का एरिया देखा जा रहा है। चूंकि चांद के दक्षिणी ध्रुव में काफी बड़े बड़े क्रेटर है, इसलिए लैंडिंग के लिए कुछ समतल सतह की तलाश की जा रही है। विक्रम लैंडर के पैर इतने मजबूत हैं कि वो कुछ रफ लैंडिंग भी झेल सकता है। विक्रम लैंडर 25 किलोमीटर की ऊंचाई से चांद पर उतरने की यात्रा शुरू करेगा। अगले स्टेज तक पहुंचने में उसे करीब 11.5 मिनट लगेंगे। यानी 7.4 किलोमीटर की ऊंचाई तक। 7.4 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचने तक इसकी गति 358 मीटर प्रति सेकेंड रहेगी। अगला पड़ाव 6.8 किलोमीटर होगा। 6.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर गति कम करके 336 मीटर प्रति सेकेंड हो जाएगी। अगला लेवल 800 मीटर होगा। 800 मीटर की ऊंचाई पर लैंडर के सेंसर्स चांद की सतह पर लेजर किरणें डालकर लैंडिंग के लिए सही जगह खोजेंगे। 150 मीटर की ऊंचाई पर लैंडर की गति 60 मीटर प्रति सेकेंड रहेगी। यानी 800 से 150 मीटर की ऊंचाई के बीच। 60 मीटर की ऊंचाई पर लैंडर की स्पीड 40 मीटर प्रति सेकेंड रहेगी। यानी 150 से 60 मीटर की ऊंचाई के बीच। 10 मीटर की ऊंचाई पर लैंडर की स्पीड 10 मीटर प्रति सेकेंड रहेगी। चंद्रमा की सतह पर उतरते समय यानी सॉफ्ट लैंडिंग के लिए लैंडर की स्पीड 1.68 मीटर प्रति सेकेंड रहेगी।

लाइव लॉन्चिंग का ...

लॉन्चिंग से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज मीडिया को बताया कि कल शाम चंद्रयान-3 की लाइव लॉन्चिंग को वैज्ञानिक दृष्टि से छात्रों को दिखाने की व्यवस्था करने को कहा गया है। इस बाबत एक सरकारी आदेश जारी कर राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितंबर को एक करोड़ वृक्ष लगाने संबंधी अभियान की दिशा में काफी सफलता मिल रही है। सरकार द्वारा इसके लिए जारी किए गए ऐप के जरिए अब तक 46 लाख लोगों ने अपना नाम दर्ज कर दिया है। और भी लोगों को इस मुहिम से जोड़ने की कोशिशें की जा रही है।

सफल लैंडिंग के ...

से बात करते हुए महली ने कहा कि बच्चों ने इस्लामिक सेंटर मदरसे में नमाज अदा की और चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि दारुल उलूम फरंगी महल ईदगाह, लखनऊ में एक विशेष *दुआ* हुई जिसमें मदरसा के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम और हिंदू संस्कृतियों में चंद्रमा का महत्व है। चूंकि चंद्रमा मुस्लिम और हिंदू संस्कृति में भी बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए हमें इस मिशन से विशेष लगाव है। चंद्रयान-3 के बुधवार शाम 6.04 बजे ऐतिहासिक लैंडिंग करने की संभावना है, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को घोषणा की और कहा कि वे लैंडिंग प्रक्रिया का सीधा प्रसारण आयोजित करेंगे, जो शाम 5.20 बजे शुरू होगी। महली ने आगे कहा कि छात्र विज्ञान पढ़ते हैं और इसलिए चंद्रयान-3 मिशन को लेकर उनमें काफी जिज्ञासा है। मिशन के लिए इसरो को बधाई देते हुए महली ने कहा कि मैं इसरो के सभी वैज्ञानिकों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई देता हूं। यदि कल चंद्रमा के अज्ञात दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग सफल होती है, तो भारत ऐसा करने वाला पहला देश होगा।

अल्फा के साथ ...

सुरक्षा के लिए संगठन की एक मांग पूरी हो गई है। परेश बरुआ के नेतृत्व वाले अल्फा (स्वा.) को बातचीत की मेज पर लाने की संभावना पर मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि देर-सबेर वह दिन आएगा जब वे सरकार द्वारा विस्तारित जैतून शाखा को उठाएंगे। शर्मा ने आगे कहा कि राज्य सरकार के 1 करोड़ अमृत बृक्ष आंदोलन (वृक्षारोपण आंदोलन) को लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और सरकार ने अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने का निर्णय लिया है ताकि यह एक ही दिन में निर्धारित लक्ष्य को पार कर सके। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने मंगलवार शाम यहां असम हाउस के कांफ्रेंस हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लोग बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान में शामिल हों। बयान में आगे कहा गया है कि इस उद्देश्य के लिए बनाए गए ऐप में 46 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी इच्छा है कि लोग राज्य में हरित आवरण बढ़ाने के लिए दो से अधिक पौधे लगाएं। इसके अलावा शर्मा ने उपायुक्तों को कल चंद्रयान 3 के चंद्रमा पर उतरने पर स्कूलों और संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने उनसे ऐतिहासिक क्षण को प्रदर्शित करने के लिए विशाल स्क्रीन और टीवी सेट की व्यवस्था करने और मिशन सफल होने के बाद एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित करने को भी कहा। बयान में कहा गया कि शर्मा ने उपायुक्तों को भारत के चुनाव आयोग द्वारा परिसीमन के बाद उप-जिले बनाने का निर्देश दिया। बाद में मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शुक्रवार को गुवाहाटी में 100वीं कैबिनेट बैठक होगी और उसके बाद सरकार लिए गए सभी निर्णयों और उनके कार्यान्वयन के संबंध में सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों के बारे में एक रिपोर्ट कार्ड लेकर आएगी।

सरकारी नौकरियों में ...

तहसीलदार की मौत दुखद है, लेकिन इस घटना ने एक सकारात्मक पहलू सामने ला दिया है। यह घटना नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से पैसे लेने और बाद में नौकरी देने में विफल रहने के बाद, निकाले गए पैसे वापस नहीं कर पाने के इर्द-गिर्द घूमती है। इससे यह साबित हो गया कि इस बार पैसे देकर किसी भी बेरोजगार युवा को सरकारी नौकरी नहीं मिली। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि असम सरकार ने इस बार बेदाग मामले में नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस उन कारणों की जांच कर रही है जिनके कारण तहसीलदार की मौत हुई। नौकरी पाने के लिए पैसे देने वाले सभी लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने पैसे दिए, लेकिन बदले में उन्हें नौकरी नहीं मिली।

खाटू श्याम पदयात्रा ...

गया है। पुलिस ने अन्य आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। बताया जा रहा है कि इलाके अब माहौल शांतिपूर्ण है। रामगढ़ से सोमवार सुबह खाटू धाम के लिए रवाना हुई पदयात्रा की बस पर 4 किलोमीटर दूर पिपरौली और नाड़का गांव के बीच हमला कर दिया गया। कुछ लोगों ने पदयात्रा की बस ड्राइवर के साथ मारपीट भी की और गाड़ी पर लगे पोस्टर फाड़ दिए। पदयात्री बस से करीब 500 मीटर दूर चल रहे थे, अगर मौके पर पदयात्री होते तो सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता था। पदयात्रियों की दूरी के हमले के बाद हिंसा नहीं भड़की। जानकारी के अनुसार बस पर हमले के दौरान ड्राइवर और एक रिटायर्ड फौजी ही उसमें मौजूद थे। हमलावरों ने पद यात्रा की बस पर हमला किया और उस पर लगे पोस्टर और बैनर फाड़ दिए। जब बस चालक ने विरोध किया तो हमलवारों ने उसकी पिटाई कर दी। बस में मौजूद एक रिटायर्ड फौजी ने हमलावरों में से एक को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले किया गया। रामगढ़ पुलिस के सीओ हेमेंद्र शर्मा ने बताया कि खाटू श्याम की ध्वज यात्रा के अवसर पर बस को रोक कर उसपर हमला किया गया है। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। नामजक आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

ऐतिहासिक रहा पारंपरिक ...

संभावनाओं और समस्याओं पर विचार विमर्श किया। केंद्रीय आयुष मंत्री ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा के पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन में पारंपरिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर प्रतिभागी देशों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों, नीति निर्धारकों सहित अन्य हितधारकों ने गहन विमर्श किया। इस विमर्श से उभर कर सामने आये परिणामों के आधार पर न सिर्फ साक्ष्य आधारित पारंपरिक चिकित्सा के लिये भविष्य का रोड मैप तैयार किया गया है, बल्कि शिखर सम्मेलन से प्राप्त नतीजों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों की सहमति से गुजरात घोषणापत्र तैयार किया गया है। इस आधार पर यह सम्मेलन एतिहासिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा यह घोषणापत्र बहुत जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। गुजरात घोषणापत्र विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों की पारंपरिक चिकित्सा को लेकर प्रतिबद्धता को भी जाहिर करता है। शिखर सम्मेलन में अलग-अलग विषयों पर हुए दस से भी अधिक सत्रों से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा पर डबल्यूएचओ की 2025-34 की रणनीति में शामिल होने वाले मुद्दों को तय करने की गाइडलाइन मिली। वैश्विक शिखर सममेलन की एक अन्य उपलब्धि यह भी है कि सम्मेलन से प्राप्त निष्कर्षों का उपयोग विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से पारंपरिक चिकित्सा पर 2025-2034 रणनीति को तैयार करने में किया जाएगा। केंद्रीय आयुष मंत्री के मुताबिक गुजरात के जामनगर में ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसन (जीसीटीएम) की स्थापना के करीब एक साल बाद ही गांधीनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन यह दर्शाता है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की भूमिका अब अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वर्ष 2022 में जीसीटीएम की आधारशिला स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी। पीएम मोदी की दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि पारंपरिक चिकित्सा को नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए दुनिया के देश अब भारत की ओर देख रहे हैं। साक्ष्यपरक और वैज्ञानिक पारंपरिक चिकित्सा के विकास में अनुसंधान और अन्य देशों के साथ सहयोग एवं समन्वय से कार्य करने आदि को लेकर ही जीसीटीएम स्थापित किया गया है और इससे भारत को दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई पहचान मिली है। इन सबसे मिलकर ऐसा माहौल बना जिसने पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की धाक जमाने का काम किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कोविड के समय में भारत के आयुष मंत्रालय की पहलों का देश और दुनिया ने लाभ लिया था और इन पद्धतियों का लोहा माना था। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने जानकारी दी कि पारपंरिक चिकित्सा को लेकर भारत का नेपाल, मलेशिया, कतर, वेनेजुएला और क्यूबा से अलग-अलग महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ताएं हुई हैं ताकि इन देशों के साथ मिलकर पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और सूचनाओं के आदान-प्रदान का रास्ता खुले। गांधीनगर में आयोजित पारंपरिक चिकित्सा के पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में विश्व स्वास्थ्य संगठन महानिदेशक डॉ ट्रेडोस एडनोम घेब्येयस ने पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत के प्रयासों की जमकर तारीफ की थी। डॉ ट्रेडोस ने भारत के घर-घर में पूजी जाने वाली तुलसी का जिक्र करते हुए कहा था कि ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे तुलसी पौधा लगाने का मौका मिला। शिखर सम्मेलन में इस बात पर खास तौर पर चर्चा की गई कि किस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे नवीनतम ज्ञान-विज्ञान का इस्तेमाल पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (ट्रैडिशनल, कॉम्प्लीमेंट्री, इंटीग्रेटिव मेडिसिन) प्रणाली में किया जा सकता है। सम्मेलन के दौरान डिजिटल टेक्नोलॉजी से जुड़ी एक फिल्म के जरिए दिखाया गया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) दुनिया की मौजूदा स्वास्थ्य सेवा की तस्वीर और तकदीर बदल रहा है। पारंपरिक चिकित्सा के पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान योग और ध्यान का विशेष सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें विदेशी मेहमानों ने काफी उत्साह से भाग लिया। सम्मेलन स्थल पर पारंपरिक चिकित्सा से जुड़ी एक प्रदर्शनी भी लगाई थी जिसमें देश-दुनिया में प्रचलित तमाम चिकित्सा पद्धतियों को दिखाया गया था। इस प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा पौराणिक कल्पवृक्ष जिसके बारे में मान्यता है कि यह इंसान की हर मनोकामना को पूरा करता है।

बालाकोट में सर्जिकल...

की तरफ से कहा गया कि बालाकोट सेक्टर में आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे जिसे हमारी सेना ने नाकाम किया है। जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि कई खुफिया एजेंसियों और पुलिस से प्राप्त खुफिया सूचना के आधार पर बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करने की प्रतीक्षा कर रहे आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला है। इसके बाद अपने निगरानी ग्रिड को सतर्क कर दिया गया। मंगलवार सुबह सतर्क जवानों ने दो आतंकवादियों को बालाकोट सेक्टर के हमीरपुर क्षेत्र में खराब मौसम, गहरे कोहरे और घने पत्तों और ऊबड़-खाबड़ जमीन का उपयोग करके नियंत्रण रेखा पार करने का प्रयास करते हुए देखा। इसी दौरान उन्हें चुनौती दी गई और फिर उन पर प्रभावी ढंग से गोलीबारी की गई। सैनिकों की कार्रवाई में आतंकवादी मौके से भागने पर मजबूर हो गए लेकिन गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त सैनिकों को क्षेत्र में भेजा गया और मौसम की स्थिति और दृश्यता में सुधार के बाद दोपहर में तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी में एक एके-47 राइफल, दो मैगजीन, 30 राउंड, दो ग्रेनेड और पाक मूल की दवाएं बरामद की गई।

भारत और चीन ...

बैठक सबसे ज्यादा 70 घंटे तक चली, जिसमें हुई चर्चा और बनी सहमति की जानकारी अब निकलकर सामने आई है। दोनों पक्षों में इस बात पर पारस्परिक सहमति बनी है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब कोई नई पोस्ट नहीं बनाई जाएगी। इसके अलावा दोनों देश ड्रोन के जरिये हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने से परहेज करने और एलएसी पर सैनिकों की संख्या न बढ़ाने पर भी सहमत हुए हैं। पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को हल करने के लिए हुई इस वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व मेजर जनरल पीके मिश्रा और मेजर जनरल हरिहरन ने किया था। बातचीत के दौरान पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले इलाके में सैनिकों को पीछे हटाने और तनाव कम करने पर चर्चा हुई। भारत की ओर से डेप्सांग और डेमचोक इलाके पर चर्चा की गई। दोनों देश गश्त की *सीमाओं* को परिभाषित करने, एक-दूसरे की गश्त के बारे में पूर्व सूचना का आदान-प्रदान करने, सीमा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने और बफर जोन से दोनों पक्षों के सैनिकों को कम करने पर सहमत हुए हैं। मई, 2020 में सीमा गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों देशों की सेनाओं के बीच डेप्सांग मैदान और डेमचोक क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी, पैन्गोंग झील, गोगरा (पीपी-17ए) और हॉट स्प्रिंग्स (पीपी-15) से सैनिकों की वापसी के बावजूद अभी भी लद्दाख क्षेत्र में भारतीय और चीनी सेनाओं के हजारों सैनिक और उन्नत हथियार तैनात हैं। भारतीय पक्ष डेप्सांग पॉइंट और सीएनएन जंक्शन पर सीमा मुद्दों को हल करने के लिए समाधान तलाश रहा है। चीन के साथ दौलत बेग ओल्डी (डीओबी) सेक्टर में डेप्सांग और डेमचोक सेक्टर में चार्डिंग नाला जंक्शन (सीएनजे) की समस्याएं अभी भी बातचीत की मेज पर हैं।

ब्रिक्स शिखरवार्ता : पीएम ...

बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका के वॉटरक्लूफ वायु सेना अड्डे पर उतरे। यहां दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल मैशाटाइल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद आगमन पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भागीदारी और ब्रिक्स के नेताओं और बहुपक्षीय व द्विपक्षीय व्यवस्था में आमंत्रित देशों के साथ बातचीत में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय (22-24 अगस्त) यात्रा पर हैं। 2019 के बाद पहला मौका होगा, जब ब्रिक्स नेता व्यक्तिगत तौर पर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद 25 अगस्त को प्रधानमंत्री ग्रीस का आधिकारिक दौरा करेंगे। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स में भारत के अलावा चीन, दक्षिण अफ्रीका, रूस और ब्राजील है। चीन के राष्ट्रपति शी जिंगपिंग बैठक में शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति सम्मेलन में वर्चुअली शामिल होंगे और उनके स्थान पर विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शिरकत करेंगे। इसके अलावा कई अन्य देशों को भी शिखरवार्ता के लिए आमंत्रित किया गया है।

चीन की अर्थ-व्यवस्था...

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने जून में कहा था कि चीन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2023 की पहली छमाही (एच1) में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़ा। पहली छमाही में चीन की जीडीपी 59,300 अरब युआन रहा। पिछले दिनों चीनी मुद्रा युआन में एतिहासिक गिरावट हुई। तरक्की रुकी हुई है और उपभोक्ता दरों में गिरावट हो रही है, रीयल एस्टेट भी गहरे संकट में है और निर्यात भी गिर गया है। यह संकट बढ़ रहा था कि अचानक युवाओं में बेरोजगारी में इजाफा हो गया। बेरोजगारी संकट इस कदर गहरा गया है कि चीन की सरकार ने आंकड़ें जारी करना भी बंद कर दिया है। इस साल अप्रैल से ही चीन की अर्थव्यवस्था मुश्किल में है। देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट फर्म कंट्री गार्डन और झोंग्रोंग ट्रस्ट जो टॉप ट्रस्ट था, पूरी तरह से डिफॉल्ट हो गया। एक रिपोर्ट में कहा गया कि कंट्री गार्डन ने दो अमेरिकी डॉलर बांड पर ब्याज अदा नहीं किया। इससे निवेशकों में डर पैदा हो गया और एवरग्रांडे की यादें ताजा हो गईं। इस फर्म ने भी साल 2021 में कर्ज नहीं चुकाया था और तब से रियल एस्टेट संकट में आ गया था। एवरग्रांडे अभी भी ऋण पुनर्गठन के दौर से गुजर रहा है और कंट्री गार्डन की परेशानियों ने चीनी अर्थव्यवस्था को कमजोर कर दिया। बीजिंग ने रियल एस्टेट बाजार को पुनर्जीवित करने के लिए कई सहायक उपाय शुरू किए हैं। लेकिन अब मजबूत खिलाड़ी भी कंगाली की कगार पर हैं। प्रॉपर्टी डेवलपर्स के कर्ज अदा न करने की वजह से देश के 2.9 ट्रिलियन डॉलर के निवेश ट्रस्ट उद्योग भी इस संकट में आ गया। एक और बड़ी चिंता स्थानीय सरकार का कर्ज है। यह वह कर्ज है जो प्रॉपर्टी खरीद में गिरावट की वजह से काफी हद तक बढ़ गया है। प्रॉपर्टी की बिक्री न होने की वजह से भूमि पर मिलने वाला राजस्व कम होता गया। राजस्व में तेज गिरावट और महामारी के लॉकडाउन की लागत के प्रभाव के कारण बढ़ गया है।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति ...

पूछा कि क्या उन्हें वापस कर दिया गया है और मुझे आश्वस्त किया गया था कि उन्हें वापस कर दिया गया है। हालांकि, मुझे अब पता चला कि मेरे कर्मचारियों ने मेरी इच्छा और आज्ञा को नहीं माना। मैं उन लोगों से माफी मांगता हूं जो प्रभावित होंगे। इसके साथ ही उन्होंने अपने सचिव वकार अहमद को बर्खास्त किया था कि उन्होंने अपने कर्मचारियों को बिना हस्ताक्षर किए वापस करने का निर्देश दिया था। इस बीच, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग की है। पीपीपी के प्रवक्ता फैसल करीम कुंडी ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और अल्वी को राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य व्यक्ति बताया और दावा किया कि उन्हें नहीं पता कि उनके आसपास क्या हो रहा है। पीपीपी उपाध्यक्ष शेरी रहमान ने कहा कि यह घटनाक्रम अल्वी के राष्ट्रपति बने रहने की क्षमता पर सवाल उठाता है। क्या वह यह कहना चाह रहे हैं कि किसी और ने उनकी नाक के नीचे से विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। रहमान ने कहा कि अगर ऐसा है, तो राष्ट्रपति को इस्तीफा दे देना चाहिए। पीएमएल-एन नेता और पूर्व वित्त मंत्री इशाक डार ने अल्वी के बयान को अविश्वसनीय बताया और उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि नैतिकता के अनुसार अल्वी को इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि वह अपने कार्यालय को प्रभावी ढंग से, कुशलतापूर्वक और नियमों के अनुसार चलाने में विफल रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(5)

सब आश्रय अस्कम्भ है, गति अधार अस्कम्भ।
निःअक्षर निःतत्व है, जगदान्तर रह अम्भ॥ 11॥

शब्दार्थ : (आश्रय) अवलंब।

भाष्य : सबका आश्रय, गति-आधार स्कंभ है। वह स्कंभ जगदांतर व्यापक निःतत्व, निःअक्षर, परम पुरुष है।

(6)

अविलाषा अस्कम्भ की, पहुँचन की गति आय।
दीन रात एक सम चलें, अन्त समय मिल आय॥ 12॥

शब्दार्थ : (अविलाषा) इच्छा।

भाष्य : दिन-रात एक समान स्कंभ तक पहुंचने की इच्छा से चल रहे हैं और अंत में सब उसी स्कंभ में आ कर मिल जाते हैं।

गौरव गोगोई को प्रद्युत के लिए सीट छोड़नी चाहिए : पीयूष

बिश्वनाथ (हिंस)। राज्य के सूचना प्रसारण, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को जवाब देते हुए कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में गौरव गोगोई को नगांव लोकसभा सीट प्रद्युत बरदलै के लिए छोड़ देना चाहिए। क्योंकि, प्रद्युत बरदलै गौरव गोगोई से बड़े हैं। उल्लेखनीय है कि गौरव गोगोई ने भाजपा नेता राजेन गोहाईं प्रकरण को लेकर सोमवार को कहा था कि भाजपा में बड़ों का सम्मान नहीं किया जाता है। इसी के जवाब में आज मंत्री पीयूष ने गौरव गोगोई को ये बातें कही। मंत्री ने कहा कि गौरव गोगोई बीते चुनाव में बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ की मदद से जीते थे। इस बार भी अंदर ही अंदर एआईयूडीएफ के नेताओं के साथ उनकी बातचीत चल रही है। मंत्री हजारिका ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के बारे में कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को जेहादी कहने वाला कभी भी अर्जुन नहीं बन सकता है। ये बातें मंत्री ने यहां तटबंध के निरीक्षण करने के क्रम में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहीं।

भाजपा ने मठघरिया में राजेन गोहाईं के खिलाफ किया विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने आज गुवाहाटी के मठघरिया में राजेन गोहाईं, सिद्धार्थ भट्टाचार्य के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने गोहाईं से सवाल किया कि उन्हें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर उंगली उठाकर सवाल करने का अधिकार कहां से मिला। भगवा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोहाईं और भट्टाचार्य के खिलाफ कई नारे भी लगाए और उनसे सवाल किया कि चार बार सांसद रहने के बावजूद उन्होंने असम के लोगों के लिए क्या किया है? राजेन गोहाईं को मुख्यमंत्री पर उंगली उठाकर सवाल करने का अधिकार कहां से मिल गया? वह चार बार सांसद रहे और रेल मंत्री भी रहे, लेकिन उन्होंने अपने कार्यकाल में असम के लिए क्या किया। भाजपा के एक नेता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह एक *निकमा* (बेकार) मंत्री थे, जिसके कारण उन्हें हटा दिया गया। नेता ने आगे कहा कि गोहाईं ने अपने हित साधने के लिए हमारे मुख्यमंत्री की ओर इशारा करते हुए कुछ सवाल पूछे। हम उसे जवाब दे रहे हैं। ऐसे बेईमान कार्यकर्ता भाजपा में रहकर भाजपा पार्टी को कमजोर करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। कुछ वरिष्ठ पार्टी को कमजोर करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। और हम ऐसे गतिशील मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलने को हल्के में नहीं लेते हैं। हम एक छोटे से क्षेत्र में रहते हैं। हम दस साल पहले अपने नेता विजया चक्रवर्ती के नेतृत्व में भाजपा में शामिल हुए थे। नेता ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने एक बार कहा था कि वह असम को भारत के पांच सर्वश्रेष्ठ राज्यों में रखेंगे। और आज देखा जा सकता है कि शर्मा के नेतृत्व में सड़कों और पुलों की हर योजना को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। भ्रष्टाचार रुका है। इसलिए ऐसे मुख्यमंत्री पर उंगली उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है। दूसरा, नए और पुराने होने का क्या मतलब? उन्होंने कहा कि पंद्रह साल पहले हमसे पहले भाजपा में 10 लोग थे। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी के साथ-साथ असम की जनता भी मुख्यमंत्री के कामकाज से संतुष्ट है। बेहतर होगा कि राजेन गोहाईं जैसे लोग भाजपा छोड़ दें। अगर ऐसे लोग भाजपा में होंगे तो पार्टी अपनी ताकत खो देगी। हम मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ हैं। प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम तब तक रहेंगे जब तक हिमंत विश्व शर्मा वहां हैं। वहीं विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य की आलोचना करते हुए प्रदर्शनकारी ने कहा कि वह अपने बयान के जरिए परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री को बदनाम कर रहे हैं, जहां उन्होंने दावा किया था कि पीएम मोदी मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर कई लोगों को बैठाकर लाए थे।

बांध को चौड़ा और मजबूत बनाया जाएगा : पीयूष

बिश्वनाथ (हिंस)। मंत्री पीयूष हजारिका ने आज सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी है कि पिछले कुछ दिनों से ब्रह्मपुत्र तटबंध के कुमलिया में बिश्वनाथ घाट से पानपुर तक गंभीर कटाव पैदा करके क्षेत्र को खतरे में डाल दिया है। यह समाचार मिलने पर मैंने (मंत्री) तत्काल जल संसाधन विभाग को इसकी रोकथाम के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विभाग वर्तमान में दिन-रात पूरी गति से इस कटाव को रोकने के लिए सभी कार्य कर रहा है। इसने पहले ही मजबूत प्रतिरोध के लिए 10 हजार जियो बैग प्रदान किए गए हैं। बुधवार से विभाग के मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, काम की निगरानी कर रहे हैं। आज मैंने (मंत्री) विधायक पद्म हजारिका के साथ क्षेत्र का दौरा किया। समग्र स्थिति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि तटबंध के जिन क्षेत्रों में कटाव का सबसे अधिक प्रभाव हुआ है, उन्हें जल्द चौड़ा और मजबूत करने की व्यवस्था की जाएगी। इस निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ बिश्वनाथ प्रशासन के अधिकारी, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता और अन्य विभागीय अधिकारी और इंजीनियर मौजूद रहे।

ग्वालपाड़ा : एसटीएफ के अभियान में जाली नोट के साथ तीन गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। एसटीएफ-असम के प्रमुख पार्थ सारथी महंत द्वारा आज ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई में एक स्थान पर नकली भारतीय मुद्रा (एफआईसीएन) के गुप्त सौदे के संबंध में मिले विश्वसनीय स्रोत पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की एक टीम ने सौदे को विफल करने और अपराधियों को पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया। एसटीएफ का ऑपरेशन दल आज सुबह गुवाहाटी से रवाना हुआ। दोपहर 1 बजे टीम ने एक मारुति ऑल्टो वाहन को रोका जिसका पंजीकरण नंबर एएस 18 एफ 6863 था। गाड़ी में सवार तीन एफआईसीएन डीलरों मोहम्मद अनोवर हुसैन (52), मोहम्मद रफीक अहमद (47) और क्रोवेल मराक (35) को गिरफ्तार किया। तलाशी अभियान के दौरान उक्त वाहन के अंदर 500 मूल्यवर्ग के जाली भारतीय करेंसी के 29 बंडल बरामद किए गए। उनके कब्जे से जाली भारतीय करेंसी, वाहन और चार मोबाइल हैंडसेट बरामद किए गए हैं। सभी पकड़े गए व्यक्तियों और जब्त वस्तुओं को आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए कृष्णाई थाने के ओसी को सौंप दिया गया। आगे की जांच करने के लिए कृष्णाई थाने में एक मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा का वोटर चेतना प्रशिक्षण अभियान आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज भाजपा का वोटर चेतना अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में राज्यभर से पहुंचे 500 से अधिक भाजपा के कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों, सांसदों आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं इससे नाम हटाने आदि को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, सांसद दिलीप सैकिया, क्वीन ओझा, पल्लव लोचन दास, कामाख्या प्रसाद तासा, पार्टी के सांगठनिक महासचिव जीआर रविंद्र राजू, मंत्री रंजीत दास समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा कि राज्य के मतदाताओं के बीच जाकर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा किए गए लोक कल्याणकारी कार्यों के बारे में चर्चा करें। उन्होंने कहा कि हमें हर एक मतदाता तक पहुंचना चाहिए।

पुरानी पेंशन प्रणाली को फिर से शुरू करने की मांग को ले दक्षिण बरपेटा और रंगिया में दो दिवसीय हड़ताल

नगरबेड़ा/रंगिया (विभास)। असम की सरकारी एनपीएस कर्मचारी सोसायटी अपनी सेवानिवृत्ति सुरक्षा के हित में, लुइट परिया कॉलेज, डॉ. जाकिर हुसैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा आज से दो दिवसीय वर्क ब्रेक कार्यक्रम मनाया जा रहा है। अखिल असम कर्मचारी संघ के आह्वान पर 22 और 23 अगस्त को दो दिवसीय हड़ताल कार्यक्रम आयोजित करने का आदेश दक्षिण बरपेटा के चर क्षेत्रों के एनपीएस कर्मचारियों द्वारा किया गया था। असम के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों में कर्मचारियों की मांगों में से एक यह है कि कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति सुरक्षा के हित में इस वर्क ब्रेक को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के स्थान पर पुरानी पेंशन प्रणाली (ओपीएस) शुरू की जाए। इसलिए कर्मचारियों की मांग की कि असम सरकार एनपीएस में कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार करे। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार एनपीएस रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में भी की हड़ताल रही, सुबह करीब 11.30 बजे अस्पताल के सभी डॉक्टर, नर्स और विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी एकजुट होकर हड़ताल का पालन किया। इसके जरिए उन्होंने शीघ्र ही नई पेंशन नीति को रद्द कर पुरानी पेंशन नीति को बहाल कर कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने की सरकार से मांग की।

चुराई गई मोटरसाइकल के साथ दो चोर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना के अंतर्गत चौकापाड़ा से एएस 16 जी-6834 संख्या की चोरी हुई मोटर साइकिल पुलिस ने 24 घंटे में बरामद कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार फकीराग्राम पुलिस ने अभियान चलाकर धुबड़ी जिले के सापटग्राम से चुराई गई इस मोटर साइकिल को बरामद किया। इसके अलावा इस चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी पहचान फकीराग्राम थाना अंतर्गत चौकापाड़ा के निवासी हस्मत अली (20) और बिप्लव देबनाथ (25) के रूप में की गई है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आपूर्ति विभाग की छत्रछाया में लूटराज का लगा आरोप

नगरबेड़ा (विभास)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज के खिलाफ अपनाई गई जीरो टॉलरेंस और समझौता न करने की नीति आज तक बरपेटा जिले के दक्षिणी हिस्से में बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत बाघमार चर की ग्राम पंचायत सहकारी समिति को छू नहीं पाई है। जिसके फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री गरीब योजना के साथ-साथ मध्यान्ह भोजन चावल के मामले में भी संबंधित सहकारी समिति अंतिम तमाशा बन गई है। उल्लेखनीय है कि बाघमरा चर की सहकारी समिति के प्रभारी वर्तमान सचिव अबुल कलाम आजाद सरकार के द्वारा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के तहत सरकार गरीब उपभोक्ताओं के नाम पर आवंटित चावल का नियमित वितरण नहीं करती है। करीब चार हजार क्विंटल चावल की तस्करी कर लाखों रुपए के गबन के गंभीर आरोप लगे हैं। बाघमारा चर सहकारी समिति में इतने भयानक घोटाले की जानकारी होने के बावजूद जिला सहकारी समितियों के आला अधिकारियों और कर्मचारियों की रहस्यमय चुप्पी से लोग सकते में हैं। हाल की शिकायतों के अनुसार, लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा के रूप में चावल से वंचित कर दिया गया है, इस वर्ष जुलाई और अगस्त के महीनों के लिए चावल आज तक सुलभ मूल्य दुकानदारों के बीच वितरित नहीं किया गया है। इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को मिड-डे मील का चावल। चावल उपलब्ध कराने के नाम पर बड़ी संख्या में चावल संपादकों ने सहकारिता में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं करते हुए बड़ी संख्या में चावल का गबन किया है। कालाबाजारी में गरीब लोगों से सैकड़ों क्विंटल चावल की तस्करी कर भारी मात्रा में गबन किए जाने के बावजूद जिला पूर्ति विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, जिससे जनता में कड़ी प्रतिक्रिया हुई। हाल ही में, लोगों के एक वर्ग ने सहकारी समिति के सचिव अबुल कलाम आजाद के खिलाफ बारपेटा जिला आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई और इसकी एक प्रति राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ-साथ स्थानीय विधायक शेरमान अली अहमद को भी भेजी। लोगों ने सरकार के साथ-साथ प्रमंडलीय उच्चाधिकारियों और जिला प्रशासन से मांग की है कि बाघमारा चर सहकारी समिति में लंबे समय से चल रही ऐसी भयानक भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

क्रांपटन के एक्सक्लूसिव स्टोर का शुभारंभ

गुवाहाटी में बिल्ट-इन किचन उपकरण लांच

गुवाहाटी (विभास)। भारत की अग्रणी कंपनी क्रांपटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने गुवाहाटी में नई क्रांपटन बिल्ट-इन किचन अप्लायंसेज रेंज का अपना एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ जीएस रोड स्थित राजीव भवन के सामने डीएसबी एस्टेट के पहले तल्ले पर किया। उद्घाटन के असवर पर रवि जैन, देव जैन, कंपनी के वरिष्ठ व्यापार प्रबंधक अभिषेक मिश्रा, हेड ब्रांड स्टोर्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट-न्यू बिजनेस मोना रायपुरकर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस शोरूम में क्रांपटन ने चिमनी, गैस हॉब्स, बिल्ट-इन ओवन, बिल्ट-इन माइक्रोवेव और डिशवॉशर की एक विस्तृत श्रृंखला का अनावरण किया। इन उत्पादों को व्यापक उपभोक्ता अनुसंधान के आधार पर विकसित किया गया है। जो रसोई में उपभोक्ताओं के जीवन को सुखद और आरामदायक बनाने में पूरी तरह सक्षम है। क्रांपटन की इनोवेशन एंड डेवलपमेंट टीमों ने उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल्स, वायु प्रबंधन और उपयोगकर्ता अनुभव और उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाया है। ये उत्पाद नवीन हैं और बाजार में मौजूदा उत्पादों से अलग हैं, जो इन्हें उपभोक्ताओं के लिए बहुत आकर्षक बनाते हैं।

आमार प्रयास गोष्ठी की पहल पर डेकासांग में योगासन और नेत्र जांच शिविर आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। राष्ट्रीय स्तर के गैर सरकारी संगठन आमार प्रयास गोष्ठी ने योग आसनों और ईआरसीआई केयर के सहयोग से आज तड़के डेकासांग रीजनल हाई स्कूल में एक दिवसीय नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। एंजीओ के ब्लॉक समन्वयक अनवर हुसैन के सूचना के अनुसार 117 लोगों को आंखों की जांच प्रदान की गई और सस्ती कीमतों पर दवाएं और सुविधाएं प्रदान की गईं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ऐसे समय में जब आंखों की बीमारी पूरे क्षेत्र में लोगों में फैल रही है इसी समय आमार प्रयास गोष्ठी के क्षेत्र समन्वयक, हलीमा खानम, रफीकुल इस्लाम, एनुद्दीन, अजीजुल हक के प्रयत्न में ईआरसीआई केयर के समीर एम संगमा और रूपम दास के सहयोग से भीतरी इलाकों में आने और सेवा करने के प्रयासों की लोगों ने सराहना की है। साथ ऐसे ही कार्यों को आने वाले समय में आयोजन करने की योजना बनाई जा रही है।

चेंगा के कासुमारा-महचरा में ब्रह्मपुत्र का कटाव आज भी जारी

विधायक अशरफुल हुसैन ने जल संसाधन विभाग की ओर से किए कार्य का उद्घाटन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले कासुमारा-महचरा में ब्रह्मपुत्र नदी पर सूती नदी का गंभीर क्षरण आज भी जारी है। कासुमारा महचरा क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में कटाव के कारण सैकड़ों बीघा कृषि भूमि, सरकारी गैर-सरकारी संगठनों के साथ-साथ गुवाहाटी से जोड़ने वाले क्षेत्र की एकमात्र पक्की सड़क नदी के कटाव से जोगायोग टुट गया है। इस वजह से इलाके का संपर्क टूट गया है। इस बार भी क्षेत्र के कई शिक्षण संस्थानों ने कटाव मचाया है, कासुमारा स्टेट हॉस्पिटल, कासुमारा पुलिस स्टेशन और चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के वाणिज्यिक केंद्र कासुमारा अंदाभंगा क्षेत्रीय बाजार के लिए एक गंभीर खतरा पैदा किया हैं। क्षेत्र के लोगों ने सरकार और जल संसाधन विभाग को बार-बार सूचित करने के बावजूद कटाव रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। एक तरह से इस क्षेत्र को कटाव से बचाने के लिए, कासुमारा अंदाभांगा क्षेत्रीय बाजार विकास समिति और स्थानीय प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता हबीबर रहमान लगभग 40 लाख रुपए की लागत से कटाव को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह पर्याप्त नहीं होने के कारण इस क्षेत्र में पहले की तरह क्षरण जारी है। हाल ही में, असम सरकार के जल संसाधन विभाग ने क्षेत्र में कटाव को रोकने के लिए तत्काल प्रयोजनों के लिए 900 पार्कुपाइन प्रदान किए। बरपेटा जल संसाधन विभाग द्वारा शुरू किए गए पार्कुपाइन के काम का औपचारिक उद्घाटन कल चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक आशराफुल हुसैन ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में विधायक आशराफुल हुसैन ने राज्य सरकार पर क्षेत्र में कटाव को रोकने के लिए आवश्यक धन आवंटित नहीं करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, वह हाल ही में जल संसाधन विभाग ने तत्काल उठाए गए कदमों का स्वागत किया है। इस अवसर पर बरपेटा जिला जल संसाधन विभाग के अनुमंडल पदाधिकारी इफ्तिकार अहमद, कनिष्ठ अभियंता दीपेन मेधी एवं धीरज नाथ, एसए अमीनुर आलम सहित स्थानीय सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शमसुल हक, मोइनुल हक, नासिर उद्दीन, नबीर हुसैन मुल्ला उपस्थित थे।

चित्तौड़ यात्रा पर आये उपराष्ट्रपति अपने शिक्षक के घर पहुंचे, लिया आर्शीवाद

– सैनिक स्कूल पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया

चित्तौड़गढ़, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को चित्तौड़गढ़ पहुंचे। यहां सैनिक स्कूल पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। धनखड़ अपने शिक्षक के शास्त्रीनगर स्थित आवास पर पहुंचे और आशीर्वाद लिया। काफी देर वे यहां रुके और और आत्मीयता के साथ सभी से बात की। बाद में वे सैनिक स्कूल के लिए रवाना हो गए, जहां विद्यार्थियों को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार सुबह हेलीकॉप्टर से सुबह करीब दस बजे सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के हैलीपेड पर उतरे। यहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। इसके बाद वे कार से चित्तौड़गढ़ शास्त्रीनगर, चित्तौड़गढ़ में अपने सैनिक स्कूल शिक्षक हरपाल सिंह राठी के आवास पर पहुंचे। इस दौरान पूरे शास्त्रीनगर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त थे। राठी उन्हें सैनिक स्कूल में केमिस्ट्री पढ़ाते थे। अपने शिक्षक से लंबे समय बाद मिलने पर उपराष्ट्रपति ने उनके चरण छू कर आशीर्वाद लिया। यहां वे करीब 25 मिनट तक रुके रहे। अपने शिक्षक राठी और उनके परिवार जन से उपराष्ट्रपति ने काफी आत्मीयता से बात की। इस दौरान शिक्षक राठी के पड़ोसी भी छतों पर आ गए और वीडियो भी बनाए। यहां मुलाकात के बाद वे सैनिक स्कूल

के लिए रवाना हो गए। मार्ग में मीरानगर स्कूल के बाहर स्कूली विद्यार्थी भारत माता के जयकारे लगा रहे थे। इन्हें देख कर उपराष्ट्रपति ने भी हाथ खड़ा कर अभिवादन किया। उपराष्ट्रपति के स्कूल के दिनों के बारे में बात करते हुए उनके शिक्षक राठी ने बताया कि वो स्कूल के हॉकी और फुटबॉल के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक थे। उन्होंने कहा कि मुझे स्पष्ट याद है, जगदीप की परफॉर्मेंस की बदौलत ही सांगा हाउस ने 1967 में ओवरऑल चैंपियनशिप जीती थी। उपराष्ट्रपति बनने के बाद जगदीप धनखड़ पहली बार सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ पहुंचे हैं। उन्होंने सन 1962 से 1967 तक अपनी शिक्षा यहीं से प्राप्त की थी। दोपहर करीब साढे बारह बजे धनखड़ हेलीकॉप्टर से उदयपुर के लिए रवाना हो गए। उपराष्ट्रपति उदयपुर में चल रही दो दिवसीय 9वें सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे।

कमलनाथ ने भाजपा के रिपोर्ट कार्ड पर साधा निशाना, कहा- वो बीते 20 साल की बात कर रहे हैं, हम अगले 20 साल की

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल पूरी तरह से मैदान में डट गए है। पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में भाजपा का 20 साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया था, जिसमें उन्होंने गरीब कल्याण की बात कही थी। अब मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार के रिपोर्ट कार्ड पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अगर सरकार ने पिछले 20 सालों में प्रदेश का विकास किया है, तो वह खुद ही दिख जाएगा। उसके लिए आपको मंच सजाकर आडंबर करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा कि वो बीते 20 साल की बात कर रहे हैं, हम अगले 20 साल की। 20 साल बाद भी अगर वो गरीब कल्याण की बात कर रहे हैं, तो इसका सीधा मतलब निकलता है कि या तो भाजपा राज के 20 सालों में लोग गरीबी से बाहर नहीं निकल पाये या फिर नये गरीब बनते चले गये।

इन दोनों ही परिस्थितियों में ये भाजपा सरकार की नाकामी का रिजल्ट है। फिर तो रिपोर्ट कार्ड में ये फेल हो गये। कमलनाथ ने कहा कि वो कागज पर झूठा विकास दिखा रहे हैं और हम सच्ची गारंटी लेकर आ रहे हैं। हम हर गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला, छोटे-बड़े कारीगर से लेकर कारोबारी तक की तरक़्क़ी को लक्ष्य बना रहे हैं, क्योंकि हमारा मानना है कि सड़क, पुल, थोथी योजनाओं के दिखावटी प्रदर्शन से तब तक कुछ नहीं होनेवाला, जब तक व्यक्ति का विकास नहीं होगा, परिवार में सबकी खुशहाली नहीं होगी। इसीलिए हर इंसान की तरक़्क़ी के लिए, काम-कारोबार को सक्रिय करने के लिए, सकारात्मक वातावरण बनाना होगा, बाकी विकास अपने-आप होने लगेगा। विकास लोगों को खुद दिखता है, उसके लिए मंच सजाकर आडंबर करने की जरूरत नहीं होती।

स्वाति मालीवाल दुष्कर्म पीड़ित से मिलने की मांग पर अड़िग, अस्पताल के बाहर धरने पर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल सोमवार दोपहर 12 बजे से धरने पर हैं। उन्होंने सारी रात सेंट स्टीफेंस अस्पताल के बाहर जमीन में चादर बिछाकर बिताई। सुबह उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर यह सूचना साझा की। उन्होंने कहा है कल दोपहर 12 बजे से मैं पीड़ित बच्ची या उसके परिवार से मिलने के लिए अस्पताल के बाहर बैठी हूं। रात को अस्पताल के बाहर ही सोई। एनसीपीसीआर को लड़की की मां से मिलवा सकते हैं, तो मुझे क्यों रोकने के लिए बोला गया है?

क्या छुपाने की कोशिश है। स्वाति ने सवाल किया है कि दिल्ली पुलिस इस स्तर की गुंडागर्दी पर क्यों उतर आई है, ये समझ से परे हैं। उल्लेखनीय है कि स्वाति ने रात में ही साफ कर दिया था कि जब तक उन्हें पीड़िता या उसकी मां से मिलने नहीं दिया जाएगा, तब तक वह धरने पर बैठेंगी।

गडकरी ने लॉन्च किया देश का पहला दुर्घटना परीक्षण कार्यक्रम 'भारत एनसीएपी'

– 1 अक्टूबर से लागू होने पर वाहनों की सुरक्षा सुविधाओं में सुधार होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश का पहला दुर्घटना परीक्षण कार्यक्रम भारत एनसीएपी (न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) लॉन्च कर दिया गया है। इसका मकसद कारों का क्रैश टेस्ट कर उन्हें सेफ्टी रेटिंग देना और 3.5 टन तक के मोटर वाहनों के सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार करना है। भारत एनसीएपी एक अक्टूबर, 2023 से लागू होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम में भारत एनसीएपी को लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह ऑटोमोबाइल उद्योग और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है, जिससे वाहनों की सुरक्षा सुविधाओं में सुधार होगा। गडकरी ने कहा कि न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम तंत्र को सभी

हितधारकों के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित तरीके से तैयार किया गया है।

गडकरी ने अपने संबोधन में कहा कि देश सड़क दुर्घटना और वायु प्रदूषण की दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। भारत में हर साल करीब 5 लाख दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण करीब 1.5 लाख लोगों की जान जाती है। गौरतलब है कि भारत एनसीएपी कार्यक्रम के तहत, कार निमार्ता स्वेच्छा से ऑटोमोटिव उद्योग मानक (एआईएस) 197 के मुताबिक परीक्षण किए गए अपने वाहनों की पेशकश कर सकते हैं।

देश के प्रगति की कुंजी हैं पीएम जनधन खाते : तोमर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) से लोग बड़ी संख्या में लाभान्वित हो रहे हैं। यह योजना देश के प्रगति की कुंजी है। तोमर ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि गरीबों को बैंकिंग सेवा से जोड़ने के लिए लिए पीएम जनधन योजना को मोदी सरकार ने शुरू की। आज "प्रधानमंत्री जनधन योजना" के तहत 50 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। इसमें 56 फीसदी खाते महिलाओं के हैं। इस योजना के तहत 67 फीसदी खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में खोले गए हैं। उल्लेखनीय है कि पीएमजेडीवाई की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15

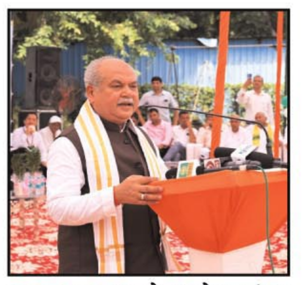

अगस्त, 2014 को अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में किया और 28 अगस्त को योजना का शुभारंभ हुआ था। प्रधानमंत्री जन-धन योजना वित्तीय समावेशन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन है। इसका उद्देश्य बैंकिंग/बचत, जमा खाता, प्रेषण, ऋण, बीमा, पेंशन इत्यादि वित्तीय सेवाओं को प्रभावी ढंग से सभी तक पहुंचाना है।

भारतीय जहाज सुनयना दक्षिण अफ्रीका के डरबन बंदरगाह पहुंचा, होगी पेशेवर बातचीत

– दोनों देशों के बीच 30 साल की राजनयिक साझेदारी का मनेगा जश्न

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुनयना दक्षिण अफ्रीका के डरबन बंदरगाह में पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीकी नौसेना के जहाज एसएएस किंग सेखुखुने क ने डरबन में भारतीय जहाज का स्वागत किया। समुद्र में खुशियों के आदान-प्रदान के बाद जहाज को डरबन बंदरगाह में प्रवेश कराया गया। जहाज का स्वागत नेवल बेस डरबन के कार्यवाहक फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग कमांडर केनेथ सिंह और एचसीआई प्रिटोरिया के अधिकारियों ने किया। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 साल की राजनयिक साझेदारी का जश्न मनाने के अलावा इस यात्रा का उद्देश्य

भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी नौसेनाओं के बीच अंतर संचालनीय, संयुक्तता और आपसी सहयोग को बढ़ाना है। पोर्ट कॉल के दौरान दोनों नौसेनाएं पेशेवर बातचीत, विषय वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान और क्रॉस डेक यात्राओं के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करेंगी। इसके अलावा वरिष्ठ सैन्य और नागरिक गण्यमान्य व्यक्तियों के साथ सामाजिक बातचीत की भी योजना बनाई गई है।

किसानों से 2,410 रुपये प्रति क्विंटल की दर से दो लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदेगी सरकार

– महाराष्ट्र के नासिक और अहमदनगर जिलों में विशेष खरीद केंद्र स्थापित किए जाएंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने 2,410 रुपये प्रति क्विंटल की दर से दो लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदने का फैसला किया है। इससे प्याज उत्पादकों को थोड़ी राहत मिलेगी। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को एक्स पोस्ट पर ट्विट कर बताया कि प्याज के मुद्दे पर मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से बात की। केंद्र सरकार 2,410 रुपये प्रति क्विंटल की दर से दो लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदेगी। फडणवीस ने कहा कि इसके लिए राज्य के नासिक और अहमदनगर जिलों में विशेष खरीद केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे राज्य में प्याज

उत्पादकों को कुछ राहत मिलेगी। वित्त मंत्रालय के 40 फीसदी शुल्क लगाने के फैसले के विरोध में महाराष्ट्र के नासिक जिले में सभी कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) में अनिश्चित काल के लिए प्याज की थोक बिक्री रोक दी गई है, जिसमें लासलगांव भी शामिल है। कई किसानों और व्यापारियों ने निर्यात शुल्क वापस लेने की मांग को लेकर नासिक जिले में एक दिन पहले विरोध प्रदर्शन भी किया।

क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन, मतदाताओं को करेंगे जागरूक

नई दिल्ली, (हि.स.)। महान क्रिकेट खिलाड़ी भारत रत्न सचिन तेंदुलकर मतदाता जागरुकता और शिक्षा के लिए चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन बनाए गए हैं। बुधवार को आयोग और उनके बीच तीन साल के लिए दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में करार होने जा रहा है। आयोग के अनुसार दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त अनूप चन्द्र पांडेय और अरुण गोयल उपस्थित रहेंगे। चुनाव आयोग का

उन्हें आइकन बनाने का उद्देश्य आने वाले और विशेषकर 2024 के आम चुनाव में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पंकज त्रिपाठी, अमीर खान, मैरी कॉम और एमएस धोनी ईसीआई के राष्ट्रीय आइकन रह चुके हैं।

सिसोदिया को विधायक निधि से विकास कार्यों के लिए पैसा जारी करने की मिली इजाजत

अजय कुमार

– आबकारी घोटाला से जुड़े सीबीआई के मामले में 20 सितंबर को अगली सुनवाई होगी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में मंगलवार को दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने सिसोदिया को विधायक निधि से विकास कार्यों के लिए पैसा जारी की इजाजत दे दी। आबकारी घोटाला से जुड़े सीबीआई के मामले में 20 सितंबर को अगली सुनवाई होगी। सीबीआई ने 25 अप्रैल को इस मामले में दिल्ली में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई ने इस मामले में सिसोदिया को भी आरोपित बनाया था। पूरक चार्जशीट में सिसोदिया के अलावा बुची बाबू, अर्जुन पांडेय और अमनदीप ढल को आरोपित बनाया

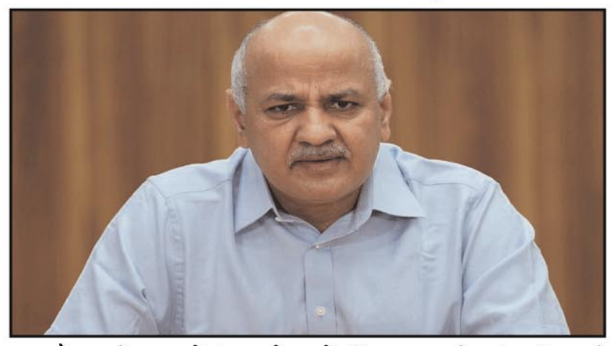

गया है। बुची बाबू तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसी राव की बेटी के कविता के सीए रह चुके हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। 25 नवंबर, 2022 को सीबीआई ने पहली चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 15 दिसंबर, 2022 को पहले चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7, 7ए और 8 के तहत आरोप तय किए थे। पहली चार्जशीट में कोर्ट ने कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लै, मुत्थू गौतम और समीर महेंद्रू के खिलाफ संज्ञान लिया है।

केंद्र सरकार एक सितंबर से जारी करेगी 'मेरा बिल मेरा अधिकार' योजना

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार एक सितंबर से छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मेरा बिल मेरा अधिकार प्रोत्साहन योजना जारी करेगी। इसके तहत मोबाइल ऐप पर बिल अपलोड करके लोग 10 हजार रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक का नकद इनाम जीत सकते हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) पर यह जानकारी दी। सीबीआईसी के मुताबिक इस योजना को लाने का मकसद लोगों को हर बार खरीदारी करते समय बिल मांगने के लिए प्रेरित करना है। इस योजना को असम, गुजरात, हरियाणा, पुडुचेरी, दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली में शुरू किया जाएगा। जीएसटी वाला बिल अपलोड करने से लोगों को नकद इनाम मिल सकता

है। सीबीआईसी के मुताबिक मेरा बिल मेरा अधिकार ऐप आईओएस और एंड्रॉयड दोनों मंच पर उपलब्ध होगा। इस ऐप पर अपलोड किए गए इनवॉइस में विक्रेता का जीएसटीआईएन, इनवॉइस नंबर, भुगतान की गई राशि और कर राशि की पूरी जानकारी होनी चाहिए। एक व्यक्ति एक महीने में अधिकतम 25 बिल अपलोड कर सकता है, जिसका न्यूनतम मूल्य 200 रुपये होना चाहिए।

राघव बहल और उनकी पत्नी रितु कपूर को बिजनेस मीटिंग के लिए विदेश जाने की अनुमति

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने द क्विंट के संस्थापक राघव बहल और उनकी पत्नी रितु कपूर को बिजनेस मीटिंग के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी है। जस्टिस अमित बंसल ने ये आदेश दिया। राघव बहल और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लांड्रिंग निरोधक कानून के तहत केस दर्ज है। इस मामले में ईडी ने दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया हुआ है। राघव बहल ने 2 सितंबर से 16 सितंबर के बीच बिजनेस मीटिंग के लिए लंदन और

न्यूयॉर्क जाने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने राघव बहल और उनकी पत्नी को अपनी यात्रा का पूरा विवरण देने का निर्देश दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने दोनों को इस बात का हलफनामा दाखिल करने को कहा कि वे 17 सितंबर या उससे पहले भारत लौट आएंगे। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश वकील जोहेब हुसैन ने दोनों की विदेश यात्रा की अनुमति देने का विरोध करते हुए कहा था कि दोनों के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। चूंकि दोनों की संपत्तियां विदेश में भी हैं, इसलिए ऐसी संभावना है कि वे वापस नहीं लौटें। तब कोर्ट ने कहा कि दोनों को पहले भी विदेश जाने की अनुमति मिली हुई है लेकिन वे वापस भारत लौट आए हैं। कोर्ट ने राघव बहल और उनकी पत्नी के खिलाफ ईडी की ओर से जारी लुकआउट नोटिस को 2 सितंबर से 16 सितंबर तक के लिए निलंबित करते हुए विदेश जाने की अनुमति दे दी।

केंद्र से दो सौ करोड़ का आपदा फंड मिलने से राज्य सरकार का इनकार

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से नुकसान और राहत फंड को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने भाजपा के राज्य को आपदा से राहत के लिए दो सौ करोड़ के फंड देने के दावे को नकार दिया है। दरअसल, भाजपा ने दावा किया है कि आपदा के वक्त हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार की तरफ से लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। दो दिन पहले हिमाचल के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केंद्र से हिमाचल सरकार को आपदा से निपटने में 200 करोड़ रुपये जारी करने की बात कही थी। दूसरी तरफ राज्य की सुक्खू सरकार के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने जेपी नड्डा के इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जगत सिंह नेगी ने

मंगलवार को शिमला में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेता सिर्फ बयान दे रहे हैं, लेकिन आपदा की इस घड़ी में जितनी मदद प्रदेश की होनी चाहिए थी, वह नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा ने 200 करोड़ जारी होने की बात कही है, लेकिन अभी तक ये रकम नहीं मिली है। उन्होंने तंज कसा कि शायद ये पैसा अभी हरियाणा के कालका पहुंचा होगा। राजस्व मंत्री ने कहा कि केंद्र से भेजे गए हेलिकॉप्टर का खर्चा भी हिमाचल सरकार उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बरसात से 346 लोगों की मौत, 331 घायल और 38 अभी भी लापता हैं। राज्य में बारिश से 10 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि बरसात के कारण सड़कें बंद होने की वजह से सेब की फसल प्रभावित हुई है। सरकार सड़कों को युद्धस्तर पर बहाल करने में जुटी है।

फल मंडियों में अभी तक 43 लाख पेटियां सेब की पहुंच चुकी है। उल्लेखनीय है कि हिमाचल की सुक्खू सरकार ने मानसून सीजन के दौरान आपदा से 10 हजार करोड़ के नुकसान का अनुमान लगाया है। इसमें 10 अगस्त तक हुए 6700 करोड़ के नुकसान की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई है। सुक्खू सरकार ने केंद्र से हिमाचल में हुई तबाही को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने व प्रदेश के लिए विशेष पैकेज देने की मांग की है।

जेयू कांड में शिकायत दर्ज कराने वाले नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु को पुलिस ने भेजा नोटिस

कोलकाता, (हि.स.)। जादवपुर विश्वविद्यालय में बांग्ला विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र स्वप्नदीप कुंडू की रैगिंग की वजह से हुई मौत को लेकर नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के सिलसिले में पुलिस ने उन्हीं को नोटिस जारी किया है। कोलकाता पुलिस सूत्रों ने बताया है कि उन्होंने जो शिकायत दी है उसी संबंध में और अधिक जानकारी लेने के लिए उन्हें बुलाया गया है। छात्र की मौत के बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से विश्वविद्यालय के गेट पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। गत गुरुवार को उसमें शुभेंदु अधिकारी शामिल हुए थे। संबोधन के बाद जब वह लौट रहे थे तो वामपंथी छात्र संगठन रिवॉल्यूशनरी स्टूडेंट फेडरेशन (आरएसएफ) के कार्यकताओं ने उन पर हमला कर दिया था। इसी को लेकर उन्होंने जादवपुर थाने में लिखित शिकायत दी थी और दावा किया था कि हमलावरों के पास बंदूकें थीं और उनका संबंध माओवादी गतिविधियों से हो सकता है। इस संबंध में मंगलवार को पुलिस ने बताया कि उसने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। इसी सिलसिले में जादवपुर पुलिस द्वारा भाजपा नेता को एक नोटिस भेजा गया था, जिसमें उन्हें जल्द से जल्द जांच अधिकारी के साथ अपनी शिकायत के संबंध में अधिक जानकारी साझा करने के लिए कहा गया था।

जरूरतमंदों तक पहुंचाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

– मुख्यमंत्री ने कहा, जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें अधिकारी
– जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और ध्यान से सुनें। त्वरित निस्तारण कराएं और आमजन को परेशान न होने दें। जरूरतमंदों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता समय से मिले, इसके लिए इस्टीमेट को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को सुनने के दौरान कहा कि यदि कहीं कोई जमीन पर कब्जा या दबंगई कर रहा है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण सुनिश्चित करें। गोरखनाथ मंदिर परिसर के हिंदू सेवाश्रम में आयोजित जनता दर्शन में उन्होंने लगभग 200 लोगों की समस्याओं को सुना। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने किसी के साथ अन्याय नहीं होने देने का भरोसा दिया। प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने पहले उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। न होने की दशा में उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उन्होंने हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिये। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिए।

अब कबीरचौरा जूनियर हाईस्कूल भी बनेगा स्मार्ट, विधायक नीलकंठ तिवारी ने रखी आधारशिला

वाराणसी, (हि.स.)। शहर दक्षिणी विधानसभा में कबीरचौरा जूनियर हाईस्कूल में भी अब बच्चों को स्मार्ट स्कूल पद्धति से शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसके लिए स्कूल परिसर में नवीन भवन का निर्माण भी किया जाएगा। मंगलवार को प्रदेश के पूर्व मंत्री और शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने नवीन भवन का शिलान्यास किया। इसी के साथ विद्यालय के जीर्णोद्धार कार्य भी शुरू किया। इस दौरान खास बात यह रही कि विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने नवीन भवन के लिए भूमि पूजन नौ मातृशक्तियों के हाथों करवाया। पूजन-अर्चन के बाद विधायक ने विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों से बातचीत की और उनको मिल रही सुविधाओं के बारे में जाना। विधायक ने बच्चों में चॉकलेट भी वितरित किया। नवीन भवन निर्माण में करीब 50 लाख का व्यय आएगा, जो पूर्वांचल विकास निधि से वहन किया जाएगा। दो मंजिला भवन में छः कमरे बनाए जाएंगे, जहां स्मार्ट पद्धति से बच्चों को पढ़ाया जाएगा। इस स्मार्ट विद्यालय को मिलाकर शहर दक्षिणी विधानसभा में तीन स्मार्ट विद्यालय हो गए हैं। इनमें मछोदरी स्मार्ट स्कूल तथा राजघाट विद्यालय को स्मार्ट स्कूल में विकसित किया गया है। विधायक डॉ. तिवारी ने निर्माण कार्य को तीन माह में पूर्ण करवाने का निर्देश दिया । साथ ही बेसिक शिक्षा अधिकारी को विधानसभा क्षेत्र के सभी परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट बनाने के लिए डीपीआर बनाने को कहा। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी अरविंद पाठक, खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव व शालिनी श्रीवास्तव, कबीरचौरा जूनियर हाईस्कूल की प्रधानाचार्य मधु सिंह, नगर निगम के उपसभापति सुरेश चौरसिया,भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल जी गुप्ता, संदीप चौरसिया, हिन्दू युवा वाहिनी के मंडल अध्यक्ष अंबरीश सिंह भोला, पार्षद संजय केशरी, विवेक जायसवाल, इंद्रेश सिंह, ग्रामीण अभियंत्रण के अधिशासी अभियंता दिलीप शुक्ला आदि भी मौजूद रहे।

बसपा सुप्रीमो मायावती 23 को पार्टी का करेंगी बैठक, संगठन विस्तार पर होगी चर्चा

लखनऊ, (हि.स.)। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बहुजन समाज पार्टी(बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने 23 अगस्त को पार्टी कार्यालय में बैठक बुलाईं हैं। इस बैठक में राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी बड़े पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव-2024 के लिए सभी पार्टियों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं, दूसरी ओर बहुजन समाज पार्टी ने किसी भी पार्टी से गठबंधन न करके अकेले मैदान में उतरने का फैसला किया है। इस चुनाव में बसपा अपने कार्यकताओं के दम पर जीत हासिल करना चाहती है। पार्टी कार्यकताओं में जोश और नए संगठन के विस्तार को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में डेरा डाल दिया है। वह राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, विधायक उमा शंकर सिंह के साथ 23 अगस्त को लखनऊ में होने वाली बैठक में शामिल होंगी। जिसमें संगठन के विस्तार, बूथ गठन, सेक्टर गठन के साथ ही कैडर कैंप की तैयारियों पर चर्चा होगी।

देशवासियों की प्रार्थनाएं लाएंगी परिणाम, चन्द्रयान-3 की होगी सफल लैंडिंग : केशव मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग का भरोसा जताते हुए इसे देश के लिए गर्व की बात कही है। उन्होंने देशवासियों की प्रार्थनाओं का परिणाम बुधवार को सामने आने की बात कही है। केशव मौर्य ने मंगलवार को एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि यह भारत के लिए गर्व की बात है। हमारे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि चंद्रयान-3 लैंडिंग प्रक्रिया के आखिरी चरण में है। पूरा देश उसके सफल लैंडिंग की प्रार्थना कर रहा है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि देशवासियों की प्रार्थनाएं परिणाम दिखाएंगी और चंद्रयान-3 चंद्रमा पर तिरंगा फहराएगा।

इसरो के मुताबिक यदि सबकुछ सामान्य रहा तो 23 अगस्त की शाम 6.04 बजे चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करेगा। चन्द्रयान-3 को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था।

2022 में जन्माष्टमी पर्व पर हुए हादसे को लेकर प्रशासन सर्तक, गोस्वामियों संग की बैठक

मथुरा, (हि.स.)। 2022 में बांके बिहारी मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर वर्ष में एक बार होने वाली मंगला आरती के दौरान हुए हादसे के बाद अधिकारी इस बार जन्माष्टमी पर्व को लेकर सर्तकता बनाए हुए हैं। जिसको लेकर जिले के अधिकारियों ने मंदिर के गोस्वामियों के साथ बैठक कर उनसे सुझाव मांगे। जिला प्रशासन ने बताया कि अधिकारी आगामी समय में एक बार फिर मंदिर के गोस्वामियों के साथ बैठक कर रणनीति बनाएंगे। वृंदावन नगर के श्रीबांके बिहारी मंदिर के मोहन बाग में एसडीएम सदर अजय जैन और सीओ सदर प्रवीण मलिक ने मंगलवार भीड़ नियंत्रण करने के लिए मंदिर के गोस्वामी समाज से चर्चा की। डेढ़ घंटे तक चली बैठक के दौरान अधिकारियों ने 3 बिंदुओं पर चर्चा की। जिसमें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन,लाइव दर्शन और मंदिर परिसर में बने हॉल का प्रयोग किए जाने को लेकर बात की गई। एस-डीएम, सीओ और कोतवाली प्रभारी ने मंदिर के प्रबंधक और पुजारियों के साथ बैठक की। बैठक में कहा गया कि मंगला आरती के जगह जगह स्क्रीन लगा कर लाइव दर्शन कराए जाएं। जिस पर गोस्वामी समाज ने मामला कोर्ट में होने की बात कही। बैठक के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पर भी मंथन हुआ। जिस पर गोस्वामी समाज सहमत नजर आया। लेकिन मंदिर की व्यवस्था मुंसिफ मजिस्ट्रेट के हाथों में होने के कारण निर्णय वहीं से होने की बात कही गई। इसके अलावा अधिकारियों ने मंदिर के 3 नंबर गेट के पास बने हॉल को उपयोग करने को लेकर कहा गया जिस पर गोस्वामी समाज ने अस्वीकार करते हुए दोबारा हॉल का निर्माण करने की बात कही।

डुमरी विस सीट पर उप चुनाव में झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन और अविनाश पांडेय करेंगे प्रचार

–सरकार और इंडिया गठबंधन में शामिल मंत्री और विभिन्न दलों के नेता होंगे स्टार प्रचारक

रांची, (हि.स.)। डुमरी विधानसभा सीट पर उप चुनाव पांच सितंबर को है। सत्ता और विपक्ष पूरी जोर लगा रहे हैं। यह सीट दोनों पक्षों के लिए कई मायनों में खासा महत्व रखता है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चुनाव में फतह के लिए स्व. जगरनाथ महतो के काफी करीबी रहे शिबू सोरेन ने क्षेत्र में उतरने का निर्णय लिया है। पूरे चुनावी अभियान का नेतृत्व खुद शिबू सोरेन करेंगे। इतना ही नहीं नये गठबंधन इंडिया के करीब-करीब सभी दलों के नेता चुनाव अभियान में उतरेंगे। पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची तैयार कर ली है, जिसमें इंडिया गठबंधन दल के कई नेताओं को शामिल किया गया है। कुल 36 नेता इस चुनावी अभियान का मोर्चा विभिन्न क्षेत्रों में संभालेंगे। इसके अतिरिक्त जो नेता स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं हैं, वह भी डुमरी में चुनाव प्रचार करेंगे। सरकार और इंडिया गठबंधन के स्टार प्रचारकों में झामुमो केंद्रीय अध्यक्ष एवं राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री एवं पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष शिबू सोरेन, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, कांग्रेस विधायक दल नेता और मंत्री आलमगीर आलम, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झामुमो के मंत्री चंपई सोरेन, हफीजुल हसन, जोबा मांझी, मिथिलेश ठाकुर, कांग्रेस के डॉ रामेश्वर उरांव, मंत्री बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, राजद नेता और मंत्री सत्यानंद भोक्ता, झामुमो सांसद विजय हांसदा, विधायक स-रफराज अहमद, बसंत सोरेन, सुदिव्य कुमार सोनू, मथुरा प्रसाद महतो, सीता सोरेन, कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव, अंबा प्रसाद, कुमार जयमंगलम, दीपिका सिंह पांडेय, माले विधायक विनोद सिंह आदि शामिल हैं। इनके अलावा विभिन्न दलों के नेताओं में राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय यादव, जदयू प्रदेश एवं राज्यसभा सांसद खीरू महतो, झामुमो नेता विनोद कुमार पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्य, योगेंद्र प्रसाद, अभिषेक प्रसाद पिंटू, कांग्रेस नेता ममता देवी, कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की सहित संजय यादव, निजामुद्दीन अंसारी भी स्टार प्रचारक की लिस्ट में हैं। उल्लेखनीय है कि जगरनाथ महतो के निधन के बाद डुमरी विधानसभा सीट खाली हो गया। इसके बाद हो रहे उप चुनाव में पार्टी ने उनकी पत्नी बेबी देवी को पहले ही मंत्री बनाकर चुनावी मैदान में उतार दिया।

हाई कोर्ट में राज्य सरकार ने अवैध माइनिंग मामले में दाखिल किया स्टेटस रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में पलामू, गढ़वा और लातेहार में अवैध माइनिंग से संबंधित पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका पर राज्य सरकार ने इन जिलों में अवैध माइनिंग की रोकथाम को लेकर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल किया। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मंगलवार को याचिकाकर्ता को कहा कि वह यदि चाहे तो सरकार की रिपोर्ट पर अपना जवाब दायर कर सकते हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने पलामू, गढ़वा और लातेहार के उपायुक्त एवं एसपी को निर्देश दिया था कि वे माइंस जाकर अवैध माइनिंग करने वाले वाहनों की औचक निरीक्षण करें। साथ ही जरूरत पड़े तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें। कोर्ट ने इस संदर्भ में राज्य सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगा था। मामले में राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पैरवी की। यह मामला एक संचालक से माइनिंग चलाने के लिए माइनिंग विभाग के अधिकारी द्वारा 20 लाख रुपये की मांग से जुड़ा है। मामले में डिप्टी डायरेक्टर रैंक के एक अधिकारी की भूमिका बताई गई है लेकिन उनके खिलाफ जो जांच हुई उसे बाद में बंद कर दिया गया था।

डुमरी विस सीट पर उप चुनाव में 50 फीसदी बूथों पर होगी वेबकास्टिंग

बोकारो, (हि.स.)। डुमरी उपचुनाव को लेकर बोकारो जिला प्रशासन ने तैयारियां मुकम्मल करने का काम शुरू कर दिया है। बोकारो के डीसी कुलदीप चौधरी और एसपी प्रियदर्शी आलोक ने मंगलवार को चुनाव की तैयारी को लेकर संयुक्त रूप से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चुनाव के मद्देनजर तैयारी पूरी की जा रही है। मतदान केंद्रों में मतदाताओं को कोई दिक्कत नहीं हो उसके लिए व्यापक तैयारी की जा रही है। सभी संवेदनशील बूथों में भी फोर्स की तैनाती की जाएगी। बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड में 129 और चंद्रपुरा प्रखंड में 45 मतदान केंद्रों में पांच सितंबर को मतदान होगा। चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से कराने के लिए कुल 27 सेक्टर बोकारो जिले में बनाया गया है।इसमें 20 सेक्टर नावाडीह और सात सेक्टर चंद्रपुरा में है। इसके अलावा 17 कलस्टर भी बनाए गए हैं।

कुल 174 मतदान केंद्रों को तीन जोन में बांटा गया है। दो जोन नावाडीह और एक जोन चंद्रपुरा प्रखंड में बनाया गया है। मतदान के दिन 50 फीसदी मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग कराने की तैयारी की जा रही है, जिससे जिला और चुनाव आयोग इसकी मॉनिटरिंग कर सके। बूथों की संवेदनशीलता को देखते हुए फोर्स की तैनाती की जाएगी, ताकि निष्पक्ष रूप से चुनाव हो सके। एसपी ने बताया कि आचार संहिता लगने के बाद कुल 163 लोगों पर 107 की कार्रवाई की गई है जबकि 144 गैर जमानतीय वारंट का निष्पादन किया गया है। आर वेरिफकेशन 17 लोगों का कराकर जमा करा दिया गया है।

नीतीश कैबिनेट ने बगहा में चीनी मिल और सहरसा में मेडिकल कॉलेज सहित 25 एजेंडों पर लगाई मुहर

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न हुई कैबिनेट की बैठक में बगहा में नयी चीनी मिल और सहरसा में नया मेडिकल कॉलेज खोलने की स्वीकृति सहित कुल 25 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। मंत्रिमंडल की बैठक संपन्न होने के बाद कैबिनेट सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि मेसर्स तिरुपति शुगर लिमिटेड बगहा को चीनी मिल की स्थापना की स्वीकृति दी गई है। कुल 8000 टीसीडी क्षमता का चीनी उत्पादन इकाई की स्थापना होगी। इसके लिए 56 करोड़ 83 लाख 14 हजार रुपये के निजी पूंजी निवेश की स्वीकृति दी गई है। यह कंपनी उद्योग विभाग से नहीं, बल्कि गन्ना उद्योग विभाग से अनुदान लेगी। चीनी मिल की स्थापना होने पर बिहार में पूंजी निवेश के साथ कुशल कामगारों को काम मिलेगा। सहरसा में नए राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली शिक्षक भर्ती परीक्षा एवं अन्य परीक्षाओं पर होने वाले खर्च के लिए 35 करोड़ 60 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह राशि बिहार आकस्मिकता निधि से खर्च की जाएगी। राजकीय अभियंत्रण एवं राजकीय पॉलिटेक्निक अनुदेशक संवर्ग नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है। तिरुपति शुगर लि. बगहा पश्चिम चंपारण को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली की आलोक में वित्तीय प्रोत्साहन क्लीयरेंस की स्वीकृति दी गई है। जमुई में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना के लिए 5 एकड़ गैर मजरूआ जमीन को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को निशुल्क हस्तांतरित किया गया है।मुंगेर सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ रोहित निराला को लगातार अनुपस्थित रहने के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया है। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा आयोजित पोस्ट एमबीबीएस एवं पोस्ट डिप्लोमा सीट के लिए राज्य सरकार के अधीन कार्यरत चिकित्सकों को सवैतनिक अनापत्ति प्रदान किया गया है। मधुबनी व्यवहार न्यायालय में 15 कोर्ट भवन निर्माण के लिए 31 करोड़ 94 लख रुपये की राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। शेखपुरा में इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण की पूर्व से स्वीकृत लागत राशि 73 करोड़ 13 लाख को बढ़ाकर 110 करोड़ 3 लाख 52 हजार रुपये की गई है। पटना महा योजना-2031 के अंतर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ, राज्य उच्च पथ एवं न्यूनतम 30 मीटर चौड़ी सड़क से सटे भूखंडों पर पेट्रोल पंप, गैस स्टेशन एवं अन्य सुविधाओं की अनुमति दी गई है। पटना के सैदपुर नाला के जीर्णोद्धार के लिए 259 करोड़ 81 लाख की योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है एवं बुडको को कार्यकारी एजेंसी नामित किया गया है। गया के बेलागंज में अंबेडकर आवासीय विद्यालय के भवन निर्माण के लिए 46 करोड़, सात लाख 97 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है।

बगहा में दंगाइयों के उपद्रव में चार पत्रकार, दो सिपाही सहित एसपी-एसडीएम भी चोटिल

बगहा, (हि.स.)। बगहा नगर थाना क्षेत्र के रत्नमाला में सोमवार को महावीरी जुलूस के दौरान दो द्वारा मीडिया और प्रशासन को निशाना बनाते हुए दंगाइयों ने जहां पत्रकारों की पिटाई करते हुए मोबाईल छीन लिया, वहीं गश्ती कर रहें पेट्रोलिंग प्रशासन पर ईंट और पत्थर बरसाये, जिसमें एसपी और एसडीएम भी चोटिल हूए. हैं। समाचार के मुताबिक स्थानीय प्रशासन में शामिल बगहा एसडीएम डा अनुपमा सिंह, एसडीपीओ कैलाश प्रसाद एवं अन्य रत्नमाला में विवादित स्थल पर पहुंचकर मूर्ति भसान कराने के लिए पहुंचे, पहलकर प्रशासन ने मूर्ति विसर्जन करा दिया। इस दौरान रत्नमाला मोड़ पर कवरेज करने जा रहें मीडिया में शामिल पत्रकार मुरारी शरण तिवारी, पत्रकार मयंक आलोक , पत्रकार इजरायल अंसारी, पत्रकार आदित्य उपाध्याय पर दगाईयों ने घेरकर बाइक गिरा दिया और पिटाई करनी शुरू कर दी और पत्रकार मुरारी शरण तिवारी का मोबाईल छीन लिया। वहीं बगहा एक अंचल अंचलाधिकारी के पेट्रोलिंग गाड़ी पर ईंट और पत्थर बरसाना शुरू कर दिया, जिसमें गाडीं का शीशा डैमेज होने के साथ दो सिपाही इनज्यूरड हो गये, जिसमें जितेंद्र गिरी नामक सिपाही भी शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार बगहा के रामधाम, मलपुरवा, चंडी स्थान जगहों पर दो पक्षों में हिंसक झड़प होने की सूचना है।

बताया जा रहा है कि बगहा एसपी किरण कुमार गोरख जाधव और एसडीएम अनुपमा सिंह पर रत्नमाला मोड़ के पास दंगाइयों ने ईंट पत्थर बरसाया, जिसमें दोनों पदाधिकारी चोटिल हूए हैं। नगर के प्रबुद्ध लोगों का कहना था कि प्रशासन को बगहा में धारा144 लगा देना चाहिए, जिससे स्थिति अब तक नियंत्रण में हो जाती। इस सन्दर्भ में जदयू के विधान पार्षद भीष्म सहनी सहनी से पूछे जाने पर यह कि सरकार और प्रशासन आपकी है, धारा144 क्यों लागू नहीं हो रहा, उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी से बात कर रहा हूं। वहीं बगहा एसपी और एसडीएम से उक्त सन्दर्भ में प्रतिक्रिया लेने के लिए उनके सरकारी मोबाइल पर सम्पर्क करना चाहा गया, तो उनके मोबाइल पर रिंग हुआ पर फोन नहीं उठा।

युवा जदयू जिलाध्यक्ष का मनोनयन सवालों के घेरे में, निवर्तमान अध्यक्ष ने लगाया राजनीतिक हत्या का आरोप

युवा जद (यू)
YUVA JD(U)

बेगूसराय, (हि.स.)। युवा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल ने प्रकोष्ठ का संगठन विस्तार करते हुए सभी जिला में जिलाध्यक्ष मनोनित कर दिया है। नीतीश पटेल द्वारा जारी सूची के अनुसार बेगूसराय के युवा जिलाध्यक्ष के पद पर भगवानपुर के प्रखंड प्रमुख इंद्रजीत कुमार को मनोनीत किया है। लेकिन इस मनोनयन के बाद जदयू नेतृत्व पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। भगवानपुर के पूर्व प्रखंड प्रमुख शत्रुघ्न कुमार ने इंद्रजीत कुमार पर फर्जीवाड़ा करने एवं निर्वाचन आयोग के साथ जालसाजी करने सहित कई मामले का खुलासा किया है। वहीं, युवा जदयू के निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामानुराग सिंह ने पार्टी नेतृत्व पर अपनी राजनीतिक हत्या करने का आरोप लगाया है। भगवानपुर के पूर्व प्रमुख शत्रुघ्न कुमार ने बताया कि इंद्रजीत कुमार ने निर्वाचन आयोग को अंधेरे में रखकर दो जगह वोटर लिस्ट में अलग-अलग नाम दर्ज करवा लिया। इसके बाद चुनाव में दाखिल किए गए हलफनामा में अपने ऊपर गंभीर मामलों की जानकारी नहीं थी। जिसका मामला आगे बढ़ाने के बाद डीएम ने जांच कर बीडीओ को कार्रवाई करने का आदेश दिया जा चुका है। शत्रुघ्न कुमार ने बताया कि इसके अलावा दामोदरपुर में पूर्व में बने सड़क को कागज पर ही बनाकर फरवरी 2023 में पैसा निकासी कर लिया। इस संबंध में लोक शिकायत निवारण कोषांग से उसके खिलाफ आदेश पारित होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर पटना हाई कोर्ट में जनहित दायर की गई है। इसके अलावा भी इंद्रजीत कुमार पर लूट, रंगदारी, नाबालिग लड़की के अपहरण एवं सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित कई मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर निवर्तमान युवा जदयू जिलाध्यक्ष रामानुराग सिंह ने जदयू जिलाध्यक्ष रुदल राय एवं युवा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल पर अपनी राजनीतिक हत्या करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा है कि मैं मध्यमवर्गीय भूमिहार परिवार से आता हूँ। तमाम राजनीतिक विकल्प होने के बावजूद जदयू जैसे पार्टी का दामन इसलिए थामा क्योंकि समाजवादी विचारधारा का व्यक्ति हूं। आज मेरी राजनीतिक हत्या जिलाध्यक्ष रुदल राय एवं युवा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल द्वारा कर दी गई। क्योंकि मैं एक जाति विशेष से आता हूँ और लाखों रुपये इस पद के लिए देने में सक्षम नहीं हूं। मैंने अपने जीवन का सबसे बेशकीमती 15 वर्षों का समय और 80 लाख से लेकर एक करोड़ तक अपना पैसा जदयू के नेता से लेकर कार्यकताओं के ऊपर खर्च किया। जिलाध्यक्ष के डीजल-पेट्रोल के खर्च से लेकर पार्टी ऑफिस का किराया, मोबाइल, टीवी का तोहफा दिया। इसके बावजूद युवा जदयू जिलाध्यक्ष अपराधी व्यक्ति को बना दिया गया। जिस पर भगवानपुर थाना में 64/19, 212/20, 4/23 एवं 20/23 सहित अन्य मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें लूट, सरकारी काम में बाधा, रंगबाजी टैक्स, लड़की अपहरण, पंचायत समिति चुनाव में दायर चुनावी हलफनामा में अपराधिक रिकॉर्ड छुपाने जैसे आपराधिक गतिविधि शामिल है। जिलाध्यक्ष पद के लिए पांच लाख रुपये नहीं देने के कारण मेरा नाम काटा गया। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक समीकरण के हिसाब से भी देखा जाए बेगूसराय जिला भूमिहारों का जिला है। यहां भूमिहारों की आबादी पांच लाख है। फिर किसी 20 से 25 हजार की आबादी वाले चंद्रवंशी को बनाने के पीछे का मतलब सिर्फ और सिर्फ एक ही उद्देश्य है, बेगूसराय जदयू के अस्तित्व को पैसा लेकर समाप्त कर देना और अपना जेब भर के पार्टी को बदनाम करना।

संपादकीय

‘लूना’ से ‘चंद्रयान-3’ तक

चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतरने से पहले ही रूस का ‘लूना-25’ क्रैश हो गया। रूस का एक ऐतिहासिक और महत्वाकांक्षी मिशन नाकाम हो गया। विनष्ट होने से पहले अंतरिक्ष यान ने ‘असामान्य परिस्थिति’ के संकेत दिए थे। वैज्ञानिकों ने उसे दुरुस्त करने की कोशिशें भी कीं। यान को ‘इंपल्स’ (एक किस्म का धक्का) दिया गया, लेकिन ‘लूना-25’ बेकाबू हो गया। प्री लैंडिंग कक्षा में पहुंचने से पहले ही ‘लूना-25’ से संपर्क टूट गया। अंततः रविवार 20 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह से टकरा कर यह ‘रूसी मिशन’ ध्वस्त हो गया। टुकड़े-टुकड़े होकर नष्ट हो गया। इस तरह एक और वैज्ञानिक, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग का प्रयास नाकाम साबित हो गया। यह भी स्थापित हो गया कि चांद पर लैंड करना बेहद जटिल और ‘ट्रिकी’ प्रक्रिया है। यह इसरो के वैज्ञानिकों ने भी माना है। चांद पर जाने और अनुसंधान करने के रूसी अभियान तब शुरू किए गए थे, जब यह देश ‘सोवियत संघ’ होता था। ‘लूना’ ऐतिहासिक अभियानों का नामकरण है, जिसके तहत लूना-9, लूना-16, लूना-13, लूना-11, लूना-5, लूना-7, लूना-6 और लूना-24 अभियानों को चांद पर भेजा गया। यह आगाज 2 सितंबर, 1958 को किया गया और यह सिलसिला 22 अगस्त, 1976 तक जारी रहा। ‘लूना’ नामधारी कई अभियान सफल रहे, लेकिन रूस के अस्तित्व में आने के बाद उसका यह प्रथम और प्रतिष्ठित ‘चंद्रमा मिशन’ था, जिस पर करीब 1700 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रूस ने यूक्रेन के साथ युद्ध के दौरान ही यह ‘मून मिशन’ भेजा था। चांद के दक्षिणी धुरव की सतह पर ‘लैंड’ करने का लक्ष्य तय किया गया था, क्योंकि वहां अभी तक अमरीका और चीन भी उतर नहीं पाए हैं। भारत के ‘चंद्रयान-3’ का लक्ष्य भी दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का है, लिहाजा अब ‘अग्नि-परीक्षा’ हमारे मिशन की है। ‘लूना-25’ के विनष्ट होने के बाद भारतीय ‘विक्रम लैंडर’ का लैंडिंग समय बदल कर सायं 6.04 बजे तय किया गया है। पहले इसे 23 अगस्त को सायं 5.47 बजे उतरना था। इस तारीख का भी अपना महत्व है, क्योंकि चंद्रमा पर जहां ‘विक्रम लैंडर’ को उतरना है, वहां सूर्य की रोशनी होगी और यह प्रकाश पर्याप्त समय तक रहेगा। अलबत्ता दक्षिणी ध्रुव पूरी तरह ‘अंधकारमय’ रहता है और वहां का तापमान -230 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा रहता है। चांद का एक दिन हमारे एक वर्ष के समान होता है, लिहाजा इसरो के वैज्ञानिकों ने उचित गणना की कि कब वहां सूर्य का प्रकाश रहेगा। इस तरह हमारा अभियान ऊर्जा के फालतू संसाधन खर्च करने से बच गया। चूंकि हम भी ‘चंद्रयान-2’ की अंतिम क्षणों में नाकामी झेल चुके हैं, लिहाजा इस बार अतिरिक्त बंदोबस्त किए गए हैं और सावधानियां भी बरती गई हैं। हमारा एकमात्र लक्ष्य है कि ‘चंद्रयान-3’ एक मील-पत्थर साबित हो और हम चांद पर इतिहास लिख सकें। हालांकि ‘लूना-25’ और ‘चंद्रयान-3’ में कई बुनियादी अंतर हैं, लेकिन चांद पर जाने वाले अंतरिक्ष मिशनों का एक ही साझा लक्ष्य है कि चांद पर पानी, मिट्टी, खनिज, जलवायु, गुरुत्वाकर्षण और इनसानी जिंदगी की संभावनाओं का अध्ययन करना। बेशक हमारे मिशन नाकाम रहे, लेकिन हमारे जो भी यान अंतरिक्ष में घूम रहे हैं, वे हमें लगातार फोटो भेजते रहे हैं। अर्थात अनुसंधान और सूचनाएं जारी हैं। अब हमारा ‘विक्रम लैंडर’ चांद की सतह से मात्र 25 किलोमीटर दूर रह गया है। उसकी तमाम कमांड व्यवस्थित रूप से कार्य कर रही हैं। जिस प्रपल्शन मॉड्यूल से लैंडर अलग हुआ था, उसमें अब भी 150 किलोग्राम से ज्यादा ईंधन शेष है, लिहाजा वह 3-6 माह के स्थान पर कई वर्षों तक चांद की कक्षा में सक्रिय रह सकता है। लैंडर के उतरने के अंतिम 15-20 मिनट बेहद नाजुक माने जाते हैं, क्योंकि उसकी स्थिति ‘चक्रव्यूह’ जैसी होती है। हम 23 अगस्त की शाम का इंतजार कर रहे हैं। ‘लूना-25’ जिन कारणों से नष्ट हुआ, वे तकनीकी भी हो सकते हैं, सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी संभव है अथवा कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी उन कारणों की जांच करेगी, लेकिन हमारी टकटकी ‘चंद्रयान-3’ पर है। ईश्वर सब भला करेंगे। इस बार वैज्ञानिकों की कोशिशें हैं कि पिछली वाली गलतियां न दोहराई जाएं, इसलिए इस बार सफलता की उम्मीद ज्यादा है।

‘लूना’ ऐतिहासिक अभियानों का नामकरण है, जिसके तहत लूना-9, लूना-16, लूना-13, लूना-11, लूना-5, लूना-7, लूना-6 और लूना-24 अभियानों को चांद पर भेजा गया। यह आगाज 2 सितंबर, 1958 को किया गया और यह सिलसिला 22 अगस्त, 1976 तक जारी रहा। ‘लूना’ नामधारी कई अभियान सफल रहे, लेकिन रूस के अस्तित्व में आने के बाद उसका यह प्रथम और प्रतिष्ठित ‘चंद्रमा मिशन’ था, जिस पर करीब 1700 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रूस ने यूक्रेन के साथ युद्ध के दौरान ही यह ‘मून मिशन’ भेजा था। चांद के दक्षिणी धुरव की सतह पर ‘लैंड’ करने का लक्ष्य तय किया गया था, क्योंकि वहां अभी तक अमरीका और चीन भी उतर नहीं पाए हैं। भारत के ‘चंद्रयान-3’ का लक्ष्य भी दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का है, लिहाजा अब ‘अग्नि-परीक्षा’ हमारे मिशन की है। ‘लूना-25’ के विनष्ट होने के बाद भारतीय ‘विक्रम लैंडर’ का लैंडिंग समय बदल कर सायं 6.04 बजे तय किया गया है। पहले इसे 23 अगस्त को सायं 5.47 बजे उतरना था। इस तारीख का भी अपना महत्व है, क्योंकि चंद्रमा पर जहां ‘विक्रम लैंडर’ को उतरना है, वहां सूर्य की रोशनी होगी और यह प्रकाश पर्याप्त समय तक रहेगा।

कुछ अलग

केवल शिमला दोषी नहीं

हिमाचल में मौसम की विकरालता ने अस्तित्व के मुहावरे बदल दिए, लेकिन इस आफत में जिंदगी को आजमाने के लिए निगहबानी जरूरी है। हिमाचल आज जहां खड़ा है, वहां पहुंचने का साहस, सामथ्र्य और जज्बा अपने आप में एक बेहतरीन उदाहरण है। हम पर्वतीय राज्यों के अग्रणी बने तो इसलिए कि पहाड़ अपनी वर्जना, पीड़ा और क्षमता के दूसरी ओर आगे बढने का इंकलाब पैदा करता रहा, लेकिन विकास के नाम पर पैदा हुई क्रूर इच्छाएं अब असहाय बनाने लगी हैं। इस दौरान हम सिर्फ मौसम, मौसम के दुष्परिणाम, दरकते पहाड़ और चूर-चूर होते विकास को नहीं देख रहे, बल्कि अवसरवादी सियासत और पूर्वाग्रह से ग्रसित विमर्श भी देख रहे हैं। हिमाचल की तस्वीर का समग्रता से अवलोकन करें, तो कोई भी हिस्सा खुद को निर्दोष साबित नहीं कर सकता, फिर भी बदनामी का ठीकरा सबसे अधिक शिमला के सिर पर फूट रहा है। आबादी और मानवीय गतिविधियों के दबाव में शिमला कहीं तो अपनी अमानत खो रहा है, लेकिन सोचना यह है कि हम इस शहर में किस अहमियत का संरक्षण करें। विडंबना यह है कि न तो हमने शिमला को स्टेट कैपिटल रिजन की तरह से विकसित किया और न ही इसके धरोहर स्वरूप का संरक्षण कर सके। चेतावनियां वक्त ने दीं या एनजीटी ने हिदायतें दीं, लेकिन हम न कोर क्षेत्र, न ग्रीन क्षेत्र और न ही फोरेस्ट क्षेत्र के आधार पर शहर की परिधि को सीमांकित कर पाए। आश्चर्य यह कि जाठिया देवा या वाकनाघाट में शिमला के विस्तार को कोई प्रारूप नहीं मिला और न ही राजधानी की कैरिंग कैपस्टी बढ़ाने के लिए इसका दायरा बढ़ा। दरअसल हिमाचल की सियासत भाईचारे के सौहार्द में कायदे कानूनों की बलि ले रही है। हमने तीन दशक तक शहरीकरण के बढ़ते दबाव की अनदेखी केवल शिमला में नहीं की, बल्कि हर शहर तथा धार्मिक-पर्यटक कस्बों तक की है। नयना देवी या दियोटसिद्ध में झूलती इमारतों के नीचे जमीन की परिस्थिति खतरे माप रही है। डलहौजी, मनाली व मकलोडगंज को औकात से ज्यादा बर्बाद करने की प्रतिस्पर्धा से रू-ब-रू होना पड़ रहा है। हमें यह जान लेना चाहिए कि हिमाचल का एक निश्चित आकार है, जिसे वर्ष में सबसे अधिक मौसम के बदलते आधार से गुजरना पड़ता है। हिमाचल को अपनी पूरी जमीन के मात्र तीस फीसदी हिस्से में तन ढांपना है और आत्मनिर्भरता के विकल्प तराशने हैं। ऐसे में इसकी क्या गारंटी कि गैर वन भूमि ठीक से रहने लायक, बसने के अनुरूप या नागरिक उपयोगिता के मुताबिक है। सही और सुरक्षित जमीनें अगर हमीरपुर, कांगड़ा, ऊना, बिलासपुर या अन्य जिलों में घोषित वन संपदा है, तो मानवीय गतिविधियां हर उपलब्ध गैर वन भूमि पर चलेंगी। हिमाचल अपने जीने की लालसा में दोषी है, क्योंकि इसे वन संरक्षण अधिनियम ने हाशिए से बाहर लाकर खड़ा कर दिया है। आश्चर्य यह कि करीब दो दर्जन बाधों में समाई हिमाचल की जमीन के एवज में भी हमारा विस्थापन, वन भूमि पर पुनर्वास का अधिकार प्राप्त नहीं कर पाया। ऐसे में बढ़ते विस्थापन ने मजबूरीवश शहरीकरण का अव्यवस्थित रूप से दबाव बढ़ा दिया है। प्रदेश को बचाने के लिए कम से कम छह सेटेलाइट टाउनशिप अलग-अलग दिशाओं में बसाने होंगे और इनके लिए वन भूमि का इस्तेमाल लाजिमी है। इसके अलावा प्रशासनिक शहरों के मध्य कर्मचारी नगर बसाने पड़ेंगे।

राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं

सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच का अंतर क्यों नहीं समझ पा रहे राहुल गांधी?

ललित गर्ग

राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोलें, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान सशक्त नेता बनेंगे? राहुल गांधी ने कथित तौर पर लद्दाख की जमीन पर चीन का कब्जा होने का जो दावा किया गया है, वह जल्दीबाजी में बिना सोच के दिया गया गुमराह करने वाला बयान है, उससे यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की।

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने के इरादे से लद्दाख में चारागाह भूमि पर चीनी सेना का कब्जा होने का दावा किया है, निश्चित ही इस तरह के बयान न केवल सेना के मनोबल को कमजोर करते हैं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करते हैं। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोलें, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान सशक्त नेता बनेंगे? राहुल गांधी ने कथित तौर पर लद्दाख की जमीन पर चीन का कब्जा होने का जो दावा किया गया है, वह जल्दीबाजी में बिना सोच के दिया गया गुमराह करने वाला बयान है, उससे यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बेतुके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। यह भूला नहीं जा सकता कि डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है? राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि

आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? राहुल को यह भी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू के समय चीन ने किस तरह पहले तिब्बत को हड़पा और फिर 1962 के युद्ध में ‘हिन्दी चीनी भाई-भाई’ का नारा जप कर भारत माता की 45,000 वर्ग किलोमीटर भूमि चीन को दे दी। आज जब भारत चीन के अतिक्रमणकारी एवं अति महत्वाकांक्षी रवैये के खिलाफ डटकर खड़ा है और उसे उसी की भाषा में जवाब दे रहा है तब राहुल गांधी जानबूझकर प्रधानमंत्री की एक सशक्त एवं विश्व नेता की छवि पर हमला करने के लिए उतावले रहते हैं। वह अंध मोदी विरोध के चलते सारी मर्यादाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं। वह यह बुनियादी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि जब रक्षा और विदेश नीति के मामलों में राजनीतिक वर्ग एक सुर में नहीं बोलता तो इससे राष्ट्रीय हितों को चोट ही पहुंचती है, इससे राष्ट्र कमजोर होता है। चीन एवं पाकिस्तान जैसे दुश्मन राष्ट्र इसी से ऊर्जा पाकर अधिक हमलावर बनते हैं। देश की जनता मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क को महसूस कर रही है। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे हैं जबकि मोदी ने न केवल अपनी सरकार के दौरान भारत में आए बदलावों की सकारात्मक तस्वीरें देशी-विदेशी मंच पर पेश कीं, बल्कि दुनिया की समस्याओं को लेकर भी अपनी समाधानपरक सोच रखी। इसलिये उन्हें विश्व नेता के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। किन्हीं राहुल रूपी गलतबयानी की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी, उनके रणनीतिकारों और विदेशों में कांग्रेस के संचालकों का नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन देश की छवि खराब करने, सरकार को कमजोर बता कर और मोदी जैसे कद्दावर नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है!! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं!!! लगता है राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये पहली बार नहीं है। राहुल गांधी इस तरह का आचरण इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें शासन संचालन, राजनीतिक परिपक्वता के तौर-तरीकों का कोई अनुभव नहीं। उनकी तरह सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कोई जिम्मेदारी लिए बिना पर्दे के पीछे से सब कुछ करने में ही यकीन रखती हैं। कांग्रेस की मजबूरी यह है कि वह गांधी परिवार के बिना चल नहीं सकती। कांग्रेस नेताओं की भी यह विवशता है कि अपने नेता के बयानों को सही एवं जायज ठहराने में सारी हदें लांघ जाते हैं। लेकिन, प्रश्न यह है कि क्या दुश्मन राष्ट्र से जुड़ी स्थितियों पर बोलते हुए वह मात्र भारत के विपक्षी दल के नेता होते हैं? क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भारत का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? यह समस्या मात्र राहुल गांधी की नहीं है। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन उस लकीर को नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। ऐसे बयानों से किस पर और कैसे प्रभाव पड़ता है। सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना भी आवश्यक है। उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हों, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हों, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हों, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके? बनें भी तो कैसे? शरीर कितना ही सुन्दर क्यों न हो, मक्खियों को तो घाव ही अच्छा लगेगा। इसी प्रकार राहुल एवं कांग्रेस को तो अच्छाइयों में भी बुराई का ही दर्शन होगा।

जीएसटी के जरिए सामाजिक बुराई पर चोट

इस समय कुछ क्षेत्रों में निवेश आ रहा है, जिससे कुछ युवाओं को रोजगार मिल सकता है। लेकिन सरकार को उन क्षेत्रों की पहचान करनी होगी, जो युवाओं को रोजगार प्रदान करते हैं, जो वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करके अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था विनिर्माण, निर्माण या सॉफ्टवेयर, विनिर्माण डिजाइन, बैंकिंग, बीमा जैसी सेवाओं, यहां तक कि ड्रोन, एआई और स्वचालन, सभी में मजबूत होती है। कृषि क्षेत्र में कई स्टार्टअप आ रहे हैं, जो हमारे किसानों के जीवन को बेहतर बना रहे हैं, उनकी आय बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। केंद्र सरकार का एक नया प्रयास, ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) भी जोर पकड़ रहा है।

हाल ही में, जीएसटी काउंसिल ने ऑनलाइन रियल मनी गेम्स पर ली जाने वाली पूरी प्रारंभिक राशि पर जीएसटी लगाने का फैसला किया है। पहले, जीएसटी केवल इन ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्मों द्वारा प्राप्त राशि (उनके कमीशन के रूप में) पर लगाया जाता था, जो कुल राशि का केवल एक छोटा सा हिस्सा था। हालांकि, प्रस्तावित जीएसटी अभी लागू नहीं किया जाएगा क्योंकि जीएसटी अधिनियम में इस प्रावधान को प्रभावी करने के बाद ही इस प्रस्ताव को लागू किया जा सकता है। लेकिन, जहां इस बात पर लगभग आम सहमति है कि इन गेम्स की लत असंख्य युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रही है, वहीं इन गेम्स के प्लेटफॉर्म संचालित करने वाली कंपनियों और वेंचर फंडों द्वारा जीएसटी काउंसिल के इस फैसले के खिलाफ जबरदस्त लॉबिंग चल रही है। इन प्लेटफॉर्मों और उन्हें फंड देने वाले वेंचर कैपिटल फंड्स का तर्क यह है कि इस फैसले से इन गेम्स को संचालित करने वाले स्टार्टअप प्लेटफॉर्मों को नुकसान होगा और यहां तक कि उन्हें कारोबार से बाहर होने के लिए भी मजबूर होना पड़ सकता है। इससे इन प्लेटफॉर्मों से जुड़े लोगों का ‘रोजगार’ खत्म हो जाएगा। उनका यह भी कहना है कि इस क्षेत्र में भविष्य के निवेश भी न केवल ऑनलाइन गेम के संदर्भ में प्रभावित होंगे, बल्कि इससे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित हो सकता है। उनका यह भी तर्क है कि इससे आने वाले विदेशी निवेश में भी बाधा आएगी। लेकिन यह एक खुला सत्य है कि ऑनलाइन गेम्स पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय राजस्व के उद्देश्य से नहीं लिया गया था। इसका मुख्य कारण यह है कि देश के लाखों युवा ऑनलाइन खेलों की लत के कारण दिग्भ्रमित हो रहे हैं और कई बार तो इस लत के कारण लगातार हारते हुए कर्ज के तले इस हद तक फंस जाते हैं कि आपराधिक और अन्य अनैतिक गतिविधियों में लग जाते हैं या यहां तक कि आत्महत्या भी कर लेते हैं। इस सामाजिक बुराई से छुटकारा पाने के लिए सरकार ने कराधान का मार्ग अपनाया है। किसी बुरी चीज को हतोत्साहित करने के लिए उस पर ऊंची दर से कर लगाना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी सिगरेट, तम्बाकू आदि पर अधिकतम दर से कर लगाए गए हैं, लेकिन ऐसे निर्णयों पर कभी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की गई, क्योंकि समाज ने यह समझ लिया है कि किसी के सेवन को हतोत्साहित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि का कहना है कि अब तक इन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाई गई रकम (यानी दांव) पर केवल 2 से 3 फीसदी ही जीएसटी लगता था। इसके चलते पिछले साल जीएसटी के रूप में सिर्फ 1700 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। लेकिन अब पूरी प्रारंभिक रकम पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगाने के बाद अब जीएसटी से कुल राजस्व कम से कम दस गुणा तक पहुंचने की उम्मीद है। वैश्वीकरण और नई प्रौद्योगिकी के उद्भव के बाद बहुत सारे नए व्यवसाय आकार ले रहे हैं, जो विदेशों से और देश के भीतर से निवेश आकर्षित कर रहे हैं। ये व्यवसाय सोशल मीडिया ऐप्स और प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स, गेमिंग ऐप्स, कृषि, गतिशीलता, रोजगार संबंधी प्लेटफॉर्म, डिजाइन और अन्य विनिर्माण संबंधी सेवाओं और अन्य से संबंधित प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित हैं। इनमें से अधिकांश व्यवसाय हमारे जीवन को आसान बना रहे हैं और व्यवस्था में दक्षता ला रहे हैं। हालांकि, हम देखते हैं कि कुछ व्यवसाय नए युग की तकनीक का उपयोग करते हुए भी सामाजिक दृष्टि से हानिकारक होते जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, हम देखते हैं कि टिकटॉक जैसे कुछ सोशल मीडिया ऐप्स के कारण युवा अश्लीलता, डेटा उल्लंघन और कई अन्य सामाजिक बुराइयों में संलग्न होकर अपना समय बर्बाद करने का काम करते हैं। चीनी निवेश के साथ टिकटॉक बहुत कम समय में 100 बिलियन डॉलर से अधिक की अमरीकी कंपनी बनकर उभर गयी थी जिसका अधिकांश कारोबार भारत में स्थित था। इस पर प्रतिबंध लगने के बाद पूंजीगत मूल्यन 90 प्रतिशत कम हो गया। इसी तरह, ओटीटी प्लेटफॉर्म हालांकि मनोरंजन उद्योग में नए रास्ते खोल रहे हैं, लेकिन अश्लीलता और कई सामाजिक बुराइयों का कारण भी बन रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग ने युवाओं को लगभग एक नशे की लत की ओर धकेल दिया है और उनकी अधिकांश जवानी अनुत्पादक गतिविधियों या यहां तक कि पैसे खोने में खर्च हो रही है, जिससे वे कर्ज के जाल में फंस रहे हैं। पूरी कहानी का दिलचस्प पहलू यह है कि निवेश घरेलू और विदेशी दोनों स्रोतों से हो रहा है। इन प्लेटफॉर्म को बनाने वाले या इन्हें चलाने वालों में रोजगार भी पैदा हो रहा है। सोचने का विषय यह है कि क्या यह रोजगार वांछनीय है? आजकल क्रिप्टो करेंसी का व्यापार भी हमारे युवाओं को बड़े पैमाने पर आकर्षित कर रहा है। जल्द पैसा कमाने के लालच में युवा क्रिप्टो में खूब पैसा निवेश कर रहे हैं।

देश दुनीया से

प्रदेश में आई आपदा व उससे निपटने के उपाय

संपूर्ण विश्व अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में है और ये प्राकृतिक घटनाएं बहुत जल्दी-जल्दी घट रही हैं। सरकारें और प्रभावित लोग हर बार इसे महज प्राकृतिक घटना समझकर नजरअंदाज कर रहे हैं। वर्षों से ही यह क्रम चला आ रहा है। कुदरत कभी तरस नहीं खाती और जो इसके साथ खिलवाड़ करते हैं, उनको कभी भी माफ नहीं करती। अब प्रश्न उठता है कि सरकारें और लोग इन प्राकृतिक आपदाओं से कुछ सीखेंगे और अपनी की हुई गलतियों में सुधार करेंगे या कुदरत की आपदा समझकर इसको सामान्य ही लेते रहेंगे। पूरे विश्व में अगर नजर दौड़ाई जाए तो सभी जगहों से समाचार आ रहे हैं कि चरम जलवायु परिवर्तन से तरह-तरह की प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं, जैसे भयंकर बारिश और इसके कारण धरती के बहुत से देशों में प्रलयंकारी बाढ़ देखी जा रही है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारत पर भी पड़ता दिख रहा है। हालांकि भारत 3.7 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन ही कर रहा है। भारी बारिश से आई बाढ़ ने भारत में तांडव मचाया हुआ है जिससे बड़ी संख्या में लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना और बेघर होना पड़ रहा है। बादल फटने की घटनाएं तो हिमालयी क्षेत्रों में आम हो गई हैं। आकस्मिक बाढ़ में पिछले 3 वर्षों में 40 प्रतिशत इजाफा हुआ है और आगे भी यह रुझान चलता रहेगा। अगर हिमाचल की बात करें, तो यहां प्राकृतिक आपदाएं जैसे बाढ़, सूखा, ग्लेशियर से बनी झीलें, बादलों का फटना, भीषण तूफान, जमीनों का खिसकना आम बात हो गई है और साल दर साल बढ़ती ही जा रही हैं जो हमें याद दिला रही हैं कि हमने प्रकृति से ज्यादा ही छेड़छाड़ कर दी है। हर साल हम इन भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते हैं और कुदरत का कहर समझ कर भूल जाते हैं। सरकारें भी प्राकृतिक आपदाएं समझ कर इनको सामान्य ढंग से लेकर कोई ठोस नीति इन आपदाओं से निपटने के लिए नहीं बनाती हैं। हिमाचल में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं कुछ वर्षों से बहुत ही बढ़ गई हैं। इसके पीछे मुख्य कारण पर्यावरण का गर्म होना है जो लगातार वृक्षों के काटने से तथा जंगलों में आग लगने से होता है। जंगलों में चोरी छिपे वृक्ष काटे जा रहे हैं। माफिया इतना सक्रिय है कि जो कर्मचारी या अधिकारी कड़ी निगरानी करते हैं उनको माफिया नुकसान पहुंचाने से नहीं डरता। सैंज (कुल्लू) में आई बाढ़ में 3133 स्लीपरों तथा 723 क्यूबिक मीटर बालन की लकड़ी का बहते आना, जिसको वन विभाग ने पकडक़र अपने कब्जे में लिया, इस बात को सिद्ध करता है कि पेड़ों का अवैध कटान किया जा रहा है। फोरलेन को बनाते समय भी सैकड़ों पेड़ों को काटा गया और उनको बचाने की कोशिश भी नहीं की गई जो कि होनी चाहिए थी। इसलिए तो हिमाचल में जगह-जगह भूमि कटाव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश सरकार को विकास और पर्यावरण के बीच में समन्वय स्थापित करना होगा और मौजूदा नीतियों में बदलाव करने की आवश्यकता है। शिमला शहर में भी कोई बड़ी घटना न हो, इससे पहले ही कार्य शुरू कर देना चाहिए और शिमला विकास नियोजन (एसडीपी) को एनजीटी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही लागू करना चाहिए। हिमाचल में फोरलेन प्रोजेक्टों के बारे में दोबारा सोचना चाहिए जो हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पहाड़ों और पेड़ों को बचाए जा सकने में कारगर हो। वर्तमान सरकार को बाढ़ तथा उससे होने वाले नुकसान को रोकने के लिए कुछ उपायों पर विचार करना चाहिए। सभी पन-बिजली परियोजनाओं के डैम प्राधिकारियों को अपने-अपने डैम के अनुप्रवाह क्षेत्र की खड्डों, नदियों का चैनेलाइजेशन तथा सुरक्षा दीवार लगाकर सडक़ तथा साथ लगती बस्तियों को सुरक्षित करने के आदेश देने चाहिए।

सरकारें और लोग इन प्राकृतिक आपदाओं से कुछ सीखेंगे और अपनी की हुई गलतियों में सुधार करेंगे या कुदरत की आपदा समझकर इसको सामान्य ही लेते रहेंगे। पूरे विश्व में अगर नजर दौड़ाई जाए तो सभी जगहों से समाचार आ रहे हैं कि चरम जलवायु परिवर्तन से तरह-तरह की प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं, जैसे भयंकर बारिश और इसके कारण धरती के बहुत से देशों में प्रलयंकारी बाढ़ देखी जा रही है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारत पर भी पड़ता दिख रहा है। हालांकि भारत 3.7 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन ही कर रहा है। भारी बारिश से आई बाढ़ ने भारत में तांडव मचाया हुआ है जिससे बड़ी संख्या में लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना और बेघर होना पड़ रहा है। बादल फटने की घटनाएं तो हिमालयी क्षेत्रों में आम हो गई हैं।

दृष्टिकोण

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: सिंगापुर सिने-इतिहास, शुरुआती रोचक दौर

सिंगापुर का सिने-इतिहास बहुत रोचक है। कई अन्य देशों की भांति ही सिंगापुर में भी सिनेमा अपने अन्वेषण के प्रारंभिक दौर में ही आ गया। यहां के दर्शकों को पहले-पहल चलती-फिरती तस्वीरों को देखने का अवसर 1896 में मिला जब अमेरिकी तकनीकी– काइन्टोस्कोप का प्रयोग डॉक्टर हैर्ले ने किया। यह एक स्टैंडिंग बॉक्स था जिसमें बॉक्स के ऊपर बने पीपहोल से एक बार में एक आदमी ही देख सकता था। यह सीन हुआ करता था डॉन्स का अथवा मुर्गा लड़ाई का। फिल्म चक्र की सहायता से दिखाए जाते थे। यह व्हील बिजली की मोटर से घूमता और तस्वीरें तेजी से आगे बढ़तीं, बिजली की मोटर के साथ एक चमकता हुआ बिजली का बल्ब भी हुआ करता था। दर्शकों को चलती-फिरती तस्वीरें देखने की खुशी मिलती। जल्द ही कई काइन्टोस्कोप बॉक्स आ गए। जुलाई 1896 में कई ऐसे बॉक्स का प्रदर्शन भी हुआ। ठीक एक साल बाद मई 1897 में सिंगापुर में रिपोग्राफ का प्रवेश हुआ। रिपोग्राफ को विशाल सिनेमाटोग्राफ के नाम से भी जाना जाता है। इसे पेरिस से ऑर्डर सलीवान लेकर आए। उन्होंने अपनी मशीन के विज्ञापन में दावा किया कि यह 10,000 डॉलर का उपकरण दुनिया की सबसे बड़ी तस्वीरें दिखाता है। शायद यह उनका व्यापारिक बड़बोलापन था। यह

दिसम्बर 1895 में फ्रांस में लुमियर भाइयों की दर्शकों के लिए पहली प्रदर्शनी के दो साल के भीतर हुआ। इस बीच फिल्म जगत में धड़ाधड़ अन्वेषण हो रहे थे। अमेरिका में थॉमस एडीसन, फ्रांस में लुमियर भाई एवं लिओन बाउली सब लगे हुए थे। लोग सिनेमाटोग्राफ, बायोस्कोप, बायोग्राफ, विस्टाग्राफ, प्रोजेक्टो स्कोप के नाम से परिचित हो रहे थे। एक के बाद एक फिल्म दिखाने की तकनीक में सुधार हो रहा था। हर अगला उपकरण पिछले से बेहतर हो रहा था और ये दुनिया के अन्य देशों की भांति सिंगापुर भी पहुंच रहे थे। 1904 में पेरिस सिनेमाटोग्राफ का प्रदर्शन पॉल पिकार्ड ने विक्टोरिया स्ट्रीट पर मलाया थियेटर में किया। उन्होंने घंटेभर लम्बी फिल्म दिखानी शुरू की, साथ ही मूक फिल्म को आकर्षक बनाने के लिए उनके पास संगीत का भी प्रबंध था। इसके पहले सिंगापुर में टेंट में तस्वीरें दिखाई जा रही थीं। अब तम्बू सिनेमा के लिए यह एक चुनौती बन गया। कुछ लोग रोशनी अर्थात बिजली के बल्ब और पंखा का लालच दे कर दर्शकों को आकर्षित कर रहे थे। कुछ लोग अपने उपकरण एक स्थान पर न रख कर उठाऊ रखते और सुविधानुसार कहीं भी अपना कारोबार कुछ दिन के लिए जमा लेते और फिर नई जगह के लिए चल देते। स्टेज हाल अथवा म्यूजिक हॉल जहां सुविधा मिलती फिल्म दिखाते। अब तम्बू सिनेमा, उठाऊ सिनेमा, थियेटर सिनेमा में प्रतिस्पर्द्धा थी। कोई कहता उसके यहां बैठने की बेहतर सुविधा है, तो कोई कहता उसके यहां रोशनी दूसरों से अच्छी है। दर्शकों को लुभाने का कार्य शुरू हो गया था। सिंगापुर में इस होड़ के फलस्वरूप सिनेमा हाल की संख्या में वृद्धि हो रही थी, नए हाल के साथ पुराने हाल का रिनोवेशन हो रहा था। इम्प्रेस पैलेस का टाउन हाल विक्टोरिया थियेटर और कन्सर्ट हॉल बन गया। होटल मोडिफाई हो कर सिनेमा दिखाने के लिए तैयार किए जा रहे थे। एडेल्फी हॉल एक-से-एक फिल्में जैसे ‘द चार्ज ऑफ लेन्सर्स’, ‘द सर्पेन्टाइन डॉन्स’, ‘ली हन्ग-चान्ग इन पेरिस’ दिखा रहा था जहां दर्शक को सामने की सीट के लिए एक डॉलर और पीछे की सीट के लिए 50 सेंट देने होते थे।

सिर्फ रामास्वामी की रेटिंग बढ़ रही, चिंता में ट्रम्प खेमा : भारतीय मूल के प्रत्याशी ने कहा–राष्ट्रपति के अलावा कोई पद मंजूर नहीं

वॉशिंगटन ।
अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवारों की दौड़ में भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इमर्शन कॉलेज के नए सर्वे के मुताबिक वे फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डी–सेंटिस की बराबरी पर पहुंच गए हैं। रामास्वामी और डी–सेंटिस 10–10प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 56प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर हैं। जून में ट्रम्प 59प्रतिशत, डी–सेंटिस 21प्रतिशत और पेंस 6प्रतिशत पर थे, जबकि रामास्वामी सिर्फ 2प्रतिशत पर थे। तब से अब तक रामास्वामी को 8प्रतिशत का फायदा हुआ। डी–सेंटिस को 11प्रतिशत और ट्रम्प–पेंस को 3–3प्रतिशत का नुकसान हुआ है। रामास्वामी की डी–सेंटिस से बराबरी और ट्रम्प के बीच के अंतर के कम होने से ट्रम्प खेमे में भी चिंता है।दूसरी तरफ, रामास्वामी ने यह कहकर ट्रम्प खेमे की मुसीबत और बढ़ा दी है कि अगर वे 2024 के राष्ट्रपति पद के लिए नॉमिनेशन हासिल करने में नाकाम रहते हैं, तो वो और किसी पद की दौड़ में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि मैं सरकार में 2 या 3 नंबर पर रहने की बजाय प्राइवेट सेक्टर में काम करना पसंद करूंगा। 2007 में हेज फंड कंपनी क्यूवीटी फाइनेंस से जुड़े। 2014 में एडवांस मेडिसिन पर काम करने वाली कंपनी रोइवेंट साइंस बनाई।2015 में रोइवेंट की सब्सिडियरी कंपनी अमेरिकी फार्मा क्षेत्र का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई। प्रोस्टेट कैंसर और ओवरएक्टिव ब्लेडर की कई दवाएं सफल रहीं। 2016 में 40 साल से कम उम्र के एंटरप्रन्योर फोर्ब्स लिस्ट में शामिल। 2020 में वॉल स्ट्रीट जर्नल में लेख लिखने लगे। 2021 में रोइवेंट सीईओ पद छोड़ा और बेस्ट सेलर बुक वोक इंक और नेशन ऑफ विक्टिम लिखीं। विवेक को चुनौती देने वाले लोग पसंद हैं। वे उन लोगों से बात करने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो उनसे असहमत होते हैं। विवेक लोगों को तर्कों से विचार बदलने के लिए मजबूर कर देते हैं। यह उनकी हॉबी है। रामास्वामी अभिव्यक्ति की आजादी, चीन पर निर्भरता घटाने के समर्थक हैं। '10 ट्रूथ' में वे कहते हैं– भगवान सच है। जीवाश्म ईंधन मानव उत्थान के लिए जरूरी है। एकल परिवार मानव जाति के गवर्नेंस का महानतम रूप हैं। रिवर्स रेसिज्म भी रेसिज्म ही है। पूंजीवाद लोगों को गरीबी से बाहर निकालता है। अमेरिकी संविधान आजादी का सबसे बड़ा गारंटर है। रामास्वामी कहते हैं कि वे अमेरिका फर्स्ट को ट्रम्प से आगे ले जाएंगे। प्रचार के लिए 125 करोड़ का बजट रखा है। उनका कहना है कि वे जीते तो शिक्षा विभाग, इंटरनल रेवेन्यू सर्विस को खत्म कर देंगे। यूक्रेन से समर्थन वापस लेंगे। अमेरिका की दक्षिण सीमा पर जवान तैनात करेंगे। मिलवाकी डिबेट में रामास्वामी की मेहनत का असर बुधवार को दिखेगा। रामास्वामी का जन्म 9 अगस्त 1985 को ओहियो के सिनसिनाटी में हुआ। उनके पिता वी जी रामास्वामी इंजीनियर व पेटेंट एटार्नी थे। मां गीता मनोचिकित्सक थीं। अश्वेत स्कूल में 8वीं कक्षा में एक अन्य छात्र ने उन्हें सीढियों से धक्का दिया था, उनकी सर्जरी हुई थी। फिर सेंट जेवियर स्कूल में भेजा, जहां वे एकमात्र भारतीय थे।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में 900 फीट ऊंचाई पर 8 लोग फंसे: केबल कार में 6 स्कूली बच्चे भी मौजूद, हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू की कोशिश जारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में 8 लोग 900 फीट ऊंचाई पर एक केबल कार में फंस गए हैं। इनमें 6 स्कूली बच्चे हैं। ये रोज की तरह स्कूल जा रहे थे। इसके अलावा दो टीचर हैं। नीचे गहरी नदी है, जो बारिश की वजह से उफान पर है। फिलहाल, एक आर्मी हेलिकॉप्टर के जरिए इन लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इसमें कामयाबी नहीं मिली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- घटना अलाई तहसील की है। इस राज्य में 10 साल तक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ की सरकार रही, लेकिन अब तक नदी पर ब्रिज नहीं बन सका है। यहां के दो टीचर और 6 स्टूडेंट स्कूल के लिए निकले। ये लोग रोज इसी केबल कार के जरिए घाटी और नदी पार करके जाते हैं। इस केबल कार को एक प्राइवेट कंपनी ऑपरेट करती है। जैसे ही केबल कार घाटी के बीच में पहुंची तो इसमें लगी केबल्स का एक बार टूटकर मुड़ गया और इसकी वजह से कार रुक गई। फिलहाल, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने फौज की मदद मांगी है। इसके लिए एक हेलिकॉप्टर भेजा गया है। हालांकि कार में बच्चे होने की वजह से रेस्क्यू आसान नहीं लग रहा। केबल कार में मौजूद एक शख्स ने बमुश्किल फोन से संपर्क किया। उसने कहा कि एक नहीं, बल्कि दो वायर टूटे हैं। केबल कार में मौजूद एक और टीचर जफर इकबाल ने कहा- इस इलाके के 150 बच्चे रोज इसी केबल कार के जरिए स्कूल जाते हैं। इस इलाके में न तो सड़कें हैं और न ब्रिज।

लूना-25 क्रैश होने के बाद अस्पताल में भर्ती रूसी साइंटिस्ट: कहा- ये मेरे लिए जिंदगी का सवाल था, इसे झेलना मुश्किल हो रहा है

मास्को। 20 अगस्त को रूस का मून मिशन लूना-25 चांद पर लैंडिंग से पहले ही क्रैश हो गया। इससे मिशन पर काम करने वाले 90 साल के साइंटिस्ट और एस्ट्रोनॉमर मिखाइल मारोव की तबियत बिगड़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें मॉस्को में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूसी मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा- ये मेरे लिए जिंदगी का सवाल था। इसे झेलना मुश्किल हो रहा है। मारोव सिर्फ लूना–25 ही नहीं, बल्कि रूस के पहले किए गए मून मिशन में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने कहा- मेरे लिए ये लूनर प्रोग्राम को फिर से शुरू होते देखने का आखिरी मौका था। इसमें जो भी गड़बड़ हुई उसकी बारीकी जांच की जाएगी। स्पेस एजेंसी रॉस्कॉस्मॉस ने रविवार को लूना–25 के क्रैश होने की जानकारी दी थी। स्पेस एंजेसी ने बताया कि शनिवार शाम 05 : 27 बजे उसका स्पेसक्राफ्ट से संपर्क टूट गया था। प्री–लैंडिंग ऑर्बिट बदलने के दौरान इसमें गड़बड़ी हुई थी। लूना को 21 अगस्त को चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड होना था। स्पेस एजेंसी ने कहा कि शुरुआती एनालिसिस के नतीजों से पता चलता है कि कैलकुलेशन से जो पैरामीटर सेट किए गए थे उन पैरामीटरों से स्पेसक्राफ्ट डेविएट हो गया। कैलकुलेटेड वैल्यू जितनी चाहिए थी ये उससे ज्यादा थी। इससे थ्रस्टर ज्यादा देर के लिए फायर हुए और स्पीड कम होने से स्पेसक्राफ्ट एक ऑफ–डिजाइन ऑर्बिट में चला गया और चांद पर क्रैश हो गया।

पब में बिना लाइसेंस सिक्योरिटी का काम करने पर भारतीय मूल के व्यक्ति पर चलेगा मुकदमा, जुर्माना भी लगाया

लंदन । ब्रिटेन में स्थित एक पब में अवैध लाइसेंस के आधार पर सिक्योरिटी सुपरवाइजर का काम करने पर एक भारतीय मूल के व्यक्ति पर मुकदमा चलेगा। आरोपी की पहचान विक्रमजीत शर्मा के रूप में हुई है जो ब्रिटेन के पश्चिमी मिडलैंड्स के वूरस्टर स्थित पब में काम करता था। विक्रमजीत शर्मा को बीते साल नवंबर एक नियमित जांच के दौरान पकड़ा गया था। विक्रमजीत पर आरोप है कि वह अवैध लाइसेंस के आधार पर पब में नौकरी कर रहा था। अब विक्रमजीत शर्मा पर कोर्ट ने 250 पाउंड का जुर्माना लगाया है। साथ ही विक्रमजीत को पीड़ित सरचार्ज के 100 पाउंड का भी भुगतान करना होगा। अभियोग के खर्च के तौर पर भी विक्रमजीत शर्मा को 1663 पाउंड का जुर्माना लगाया गया है। खबर के अनुसार, विक्रमजीत का लाइसेंस सितंबर 2022 में ही निरस्त कर दिया गया था लेकिन इसके बावजूद विक्रमजीत ने पब में उसी अवैध लाइसेंस के आधार पर काम करना जारी रखा। वहीं जुर्माना लगने के बाद विक्रमजीत अब सिक्योरिटी सुपरवाइजर के तौर पर काम नहीं कर पाएगा क्योंकि अब उसका आपराधिक रिकॉर्ड बन गया है।

जापान 24 अगस्त को छोड़ेगा फुकुशिमा प्लांट का रेडियोएक्टिव पानी

समुद्र में बहाया जाएगा 133 करोड़ लीटर पानी ; चीन–साउथ कोरिया में विरोध

टोक्यो।
जापान अपने खराब हो चुके फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में मौजूद ट्रीटेड रेडियोएक्टिव वॉटर को गुरुवार यानी 24 अगस्त को पैसिफिक ओशन में छोड़ेगा। मंत्रियों के साथ बैठक करने के बाद पीएम फुमियो किशिदा ने इसकी घोषणा की। किशिदा ने कहा- अगर मौसम सही रहा तो हम ये काम शुरू कर देंगे। वहीं इस मामले में चीन की तरफ से भी बयान दिया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने इसे भरोसा तोड़ने वाली बात कहा है। प्रवक्ता वेंग वेनबिन ने कहा– पानी को समुद्र में छोड़े जाना इसका सही सॉल्यूशन नहीं है। इसके असर को बाद में बदला नहीं जा सकेगा। इससे पहले पिछले हफ्ते साउथ अफ्रीका में भी जापान के इस फैसले के विरोध में रैली हुई थी।

चीन सहित कई देशों ने पानी छोड़ने का विरोध किया

इसके लिए इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के चीफ राफेल ग्रौसी ने जापान में न्यूक्लियर प्लांट का दौरा किया था। जापान के इस कदम का कोस्टल एरिया में रह रहे लोगों, चीन और साउथ कोरिया की जनता ने भी विरोध किया है। इससे पहले किशिदा रविवार को प्लांट विजिट करने पहुंचे थे। उन्होंने टोक्यो में जापान की फिशरी इंडस्ट्री के लीडर्स से मुलाकात कर आश्वासन दिया था कि रेडियोएक्टिव वॉटर छोड़े जाने से मछली उद्योग और वहां के कर्मचारियों को नुकसान नहीं होगा। जुलाई में यूएन के न्यूक्लियर वॉचडॉग ने पानी छोड़े जाने के लिए अप्रूवल दिया था। फुकुशिमा और जापान के फिशरी एसोसिएट्स को डर है कि एक बार प्लांट से पानी छोड़ने का काम शुरू हो गया, तो इंटरनेशनल मार्केट में कस्टमर उनकी मछली लेने से इनकार कर देंगे। जापान सरकार के मुताबिक, प्लांट से पूरा पानी छोड़े जाने में करीब 30 साल का समय लगेगा। प्लांट में मौजूद 133 करोड़ लीटर पानी को करीब 1 हजार ब्लू टैंकरों में स्टोर किया गया है। न्यूक्लियर प्लांट को मेंटेन करने वाली कंपनी टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि पानी की क्वांटिटी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि ये 500 ओलंपिक साइज्ड स्विमिंग पूल को भरने के लिए काफी है। इस पानी को वहां से हटाए जाना इसलिए भी जरूरी है ताकि न्यूक्लियर प्लांट को नष्ट किया जा सके। पैसिफिक ओशन में 132 करोड़ लीटर पानी छोड़े जाने को लेकर जापान की फिशिंग इंडस्ट्री और सिविल सोसाइटी ग्रुप्स ने भी चिंता जताई है। दरअसल, मार्च 2011 में आई सुनामी की वजह से फुकुशिमा के न्यूक्लियर प्लांट का कूलिंग और इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम ठप हो गया था। गर्मी की वजह से वहां मौजूद तीनों रिएक्टर्स के कोर पिघल गए थे, जिसके चलते काफी ज्यादा मात्रा में रेडिएशन फैला था।

न्यूक्लियर प्लांट से पानी छोड़े जाने के प्लान की घोषणा 2021 में की गई थी। तब कहा गया था कि ये काम अगले 2 सालों में शुरू हो जाएगा। जापान की रेगुलेटरी बॉडी ने 30 जून को ही अपना इंस्पेक्शन पूरा कर लिया था। यूएन की जांच के बाद प्लांट की देखभाल कर रही कंपनी टेपको को पानी छोड़ने का परमिट मिल गया था। इसे 1 किलोमीटर के पाइप के जरिए छोड़ा जाएगा।

पानी में अब भी मौजूद है रेडियोएक्टिव मैटीरियल ट्रीटियम

जापान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक पानी को महासागर में छोड़ने से पहले साफ कर दिया गया है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें अभी भी ट्रीटियम के कण हैं। ट्राइटियम एक रेडियोएक्टिव मैटीरियल है, जिसे पानी से अलग करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे तो इससे कॉन्टैक्ट में आने पर ज्यादा नुकसान नहीं होता है, लेकिन अगर ये किसी के शरीर में काफी बड़ी मात्रा में चला जाए तो इससे कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। जापान में न्यूक्लियर प्लांट का पानी और वेस्ट मैटिरियल काफी सालों से परेशानी बना हुआ है। पानी को पैसिफिक महासागर में छोड़े जाने का साउथ कोरिया, चीन और ऑस्ट्रेलिया विरोध जता चुके हैं। वहीं जापान लगातार इस बात का आश्वासन देता रहा है कि वो इंटरनेशनल मानकों के आधार पर ट्रीटियम की मात्रा को कम करने के बाद ही पानी को डिस्चार्ज करेगा।

चीन और साउथ कोरिया के डर की वजह जायज

जापान के पैसिफिक सी में इस तरह से न्यूक्लियर पावर प्लांट का पानी छोड़ने से डरने की वजह जायज है। 1940 के दशक में साउथ पैसिफिक में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने एक के बाद एक कई न्यूक्लियर टेस्ट किए थे। इसका खामियाजा वहां के मार्शल आईलैंड पर रहने वाले लोग अब तक भुगत रहे हैं।

हालांकि, न्यूक्लियर टेस्ट करने और न्यूक्लियर रिएक्टर्स को ठंडा रखने के लिए इस्तेमाल किया पानी महासागर में छोड़ने में काफी फर्क है। उसके बावजूद इसके असर को नकारा नहीं जा सकता है। 2011 की सुनामी के बाद साउथ कोरिया जैसे कई देशों ने सुरक्षा के लिहाज से फुकुशिमा से सीफूड और दूसरी खाने की चीजों के इम्पोर्ट पर रोक लगा दी थी।

राष्ट्रपति भवन में सेना बढ़ी, मुनीर के कमांडर बागी हुए

पाक राष्ट्रपति अल्वी हाउस अरेस्ट जैसी हालत में; उनकी जगह ब्रिगेडियर रैंक का अफसर

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहे हैं। आर्मी चीफ आसिम मुनीर अपनी ही बिछाई बिसात में घिरने लगे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के एक पखवाड़े बाद पाक आर्मी के नौ कमांडरों में से चार मुनीर के खिलाफ बागी हो गए हैं।

इन कमांडरों का मानना है कि भले ही इमरान की पार्टी पीटीआई के समर्थक सड़कों पर नहीं उतर रहे हैं, लेकिन लोगों में आर्मी के खिलाफ अंडर करंट है। इस बीच, आर्मी और सीक्रेट एक्ट बिल पर साइन नहीं करने का धमाकेदार बयान देने के बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी हाउस अरेस्ट जैसी हालत में पहुंच गए हैं।

विश्वस्त रक्षा सूत्र ने बताया, अल्वी के सरकारी कामकाज को ब्रिगेडियर रैंक का अफसर संभाल रहा है। अल्वी रविवार को बयान देने के बाद सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। सोमवार को अल्वी ने ट्वीट किया कि उन्होंने अपने सचिव वकार अहमद को हटा दिया है। दूसरी ओर, बताया जाता है कि राष्ट्रपति भवन में आर्मी और बढ़ा दी गई है।

इमरान खान के चुनाव लड़ने के बारे में अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा पाकिस्तान की आर्मी में नौ कमांडर है। इनमें से चार अब मुनीर के खिलाफ बागी तेवर अपनाए हुए हैं। पांच अभी मुनीर के साथ हैं। सूत्रों का कहना है कि इन पांच कमांडरों में से एक आईएमआई के चीफ नदीम अंजुम हैं। यदि नदीम भी मुनीर के खिलाफ हो जाते हैं तो पलड़ा पांच का हो जाएगा। इसके बाद मुनीर का गद्दी पर बैठे रहना मुश्किल हो जाएगा।

मुनीर के दो बड़े दांव जो उलटे पड़े

इमरान का व्यक्तिगत विरोध – इमरान के धुर विरोधी मुनीर का मानना था कि दबाव बढ़ने पर इमरान भी अन्य नेताओं के जैसे ही आर्मी के सामने घुटने टेक देंगे या फिर इमरान खान पाकिस्तानी आर्मी के साथ कोई समझौता कर लेंगे। यह नहीं हुआ।

इमरान की गिरफ्तारी के बाद पीटीआई कार्यकर्ताओं का आर्मी के खिलाफ गुस्सा और बढ़ गया है। लोग चाहे सड़कों पर न उतरें पर आर्मी की छवि आम जनता में गिरी है। चार कमांडर इसलिए मुनीर के खिलाफ हो गए हैं।

काकर को केयरटेकर पीएम बनाना – मुनीर ने सत्तारूढ़ पीएमएलएन और पीपीपी को भरोसा दिलाया था कि किसी तटस्थ को केयरटेकर पीएम बनाया जाएगा, लेकिन मुनीर ने आर्मी के कट्टर समर्थक अनवर काकर को प्रधानमंत्री बना दिया।

अल्वी के खुलासे के बाद किसी भी राजनीतिक दल ने बिल को लेकर आर्मी का समर्थन नहीं किया। काकर के आने के बाद नवाज और भुट्टो की पार्टी सेना द्वारा चुनाव टालने की मंशा का विरोध कर नवंबर में चुनाव चाहती हैं।

मजे में कट रही इमरान खान की जेल की सजा, कोठरी में बनाया गया खास शौचालय

इस्लामाबाद ।
जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कोठरी में नया शौचालय बनाया गया है। पांच फीट ऊंची दीवारों वाले शौचालय में एक दरवाजा भी लगाया गया है। बता दें कि इमरान खान ने अदालत में शिकायत की थी जेल में उनकी निजता का उल्लंघन हो रहा है और उन्हें रहने लायक आधारभूत सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। जिसके बाद सरकार ने पंजाब की अटल जिला जेल में इमरान खान की कोठरी में शौचालय बनवाया है।

इमरान खान ने लगाए थे आरोप

बता दें कि तोशाखाना मामले में इमरान खान को दोषी पाया गया है और उन्हें अदालत ने तीन साल जेल की सजा सुनाई है। इमरान खान ने बीते दिनों अदालत में शिकायत कर बताया था कि उनकी जेल कोठरी के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगा है, जिसकी वजह से उनकी निजता का उल्लंघन हो रहा है। इमरान खान ने जेल में रहने लायक सुविधाएं ना मिलने का भी आरोप लगाया था। इमरान के आरोपों पर अटक जिले के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश शफाकतउल्ला खान ने इमरान खान की जेल कोठरी का मुआयना किया था। मुआयने के दौरान जज ने इमरान खान के आरोपों को सही पाया। इसके बाद पीटीआई चीफ की जेल कोठरी में शौचालय का निर्माण किया गया है। वहीं पंजाब सरकार के जेल विभाग के प्रवक्ता ने बताया है कि इमरान खान को जेल में पाकिस्तान जेल नियम 1978 के नियम 257 और 771 के तहत सभी जरूरी सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इमरान की जेल कोठरी में शौचालय के निर्माण के साथ ही एक पश्चिमी कमोड और वॉश बेसिन भी बनाया गया है। इमरान खान की जेल कोठरी के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने पर जेल विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वह सीसीटीवी कैमरा इमरान खान की जेल के बाहर लगाया गया है और पूरे देश की विभिन्न जेलों में ऐसे 4000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जेल प्रवक्ता ने ये भी कहा कि इमरान खान को नहाने की साबुन, परफ्यूम, एयर फ्रेशनर, तौलिया, टिश्यू पेपर के साथ ही बेड, तकिया, गद्दे, मेज, कुर्सी और एयर कंडिशनर और एक पंखे की भी सुविधा दी गई है।

यूएई के एस्ट्रोनॉट ने अंतरिक्ष में शहद-ब्रेड खाया : सैंडविच जीरो ग्रैविटी में तैरता दिखा, बोतल से निकलकर शहद गोल शेप में हुआ

अबू धाबी।
अंतरिक्ष में जाने के बाद एस्ट्रोनॉट्स क्या और कैसे खाते हैं, इसका एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है। यूएई के एस्ट्रोनॉट सुल्तान अल–नियादी ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनको ब्रेड पर शहद लगाकर खाते देखा जा सकता है। यूएई से स्पेस में जाने वाले शुरुआती 2 एस्ट्रोनॉट्स में शुमार नियादी इस वक्त 6 महीने के स्पेस मिशन पर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हुए हैं। वहीं से उन्होंने यह वीडियो जारी किया है। इसमें वो एक शहद की बोतल खोलकर उससे ब्रेड पर शहद लगाते दिख रहे हैं। इस दौरान वो बोतल को उल्टा करने की बजाय सीधा ही रखते हैं, क्योंकि अंतरिक्ष में ग्रैविटी नहीं होती।

जीरो ग्रैविटी की वजह से नहीं गिरा शहद

इसकी वजह से शहद नीचे गिरने की तरफ ऊपर की ओर निकलता है। ब्रेड पर लगने के बाद शहद एक बॉल का आकार ले लेता है। पूरे वीडियो में वो कई बार ब्रेड या फिर शहद की बोतल को हवा में छोड़ते भी नजर आते हैं, जो उसी क्षेत्र में तैरता रहता है। अल–नियादी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इस पर लगातार कमेंट भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- ये बहुत दिलचस्प है कि कैसे ब्रेड पर लगने के बाद शहद एक बॉल का आकार ले लेता है। एक अन्य यूजर ने कहा- इस वीडियो को देखकर मुझे समझ आया कि मैं अंतरिक्ष में कहीं भी अपने खाने को छोड़ सकता हूं, जो बहुत कूल है। इसके बाद एक यूजर ने लिखा- मुझे अंतरिक्ष में खाना खाने में सालों लग जाएंगे, क्योंकि मैं पूरे समय इससे खेलता ही रहूंगा। इसके अलावा अल–नियादी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से कई वीडियो शेयर किए हैं। इसमें से एक में वो स्पेस फार्मिंग दिखाते और इससे जुड़ी जानकारी देते भी नजर आ रहे हैं।

कड़ी ट्रेनिंग के बाद स्पेस में जाते हैं एस्ट्रोनॉट्स

अंतरिक्ष में जाने से पहले एस्ट्रोनॉट्स की ट्रेनिंग के बारे में बात करते हुए स्पेस ग्रुप ऑफ कंपनीज के फाउंडर और चेयरमैन सचिन भांबा ने बताया कि स्पेस में जाने के बाद गुरुत्वाकर्षण महसूस नहीं होता और बॉडी रोटेट होती रहती है, ऐसे में दिमाग को इस बात के लिए तैयार करना होता है।

दिमाग को सिखाया जाता है कि स्पेस में जाने के बाद वो पेट को ग्रैविटेशनल फोर्स फील नहीं होने का सिग्नल न दें, जिससे उल्टी जैसा फील नहीं होता। इसके लिए एस्ट्रोनॉट्स को कई–कई घंटे मशीनों में गोल–गोल घुमाया जाता है। ये ट्रेनिंग के सबसे अहम हिस्सों में से एक है।

ब्रिटेन में बच्चों को मारने वाली नर्स को उम्रकैद

7 बच्चों की अलग-अलग तरीके से हत्या की थी, वजह अब भी साफ नहीं

लंदन।
ब्रिटेन के मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट ने 7 बच्चों की जान लेने वाली नर्स को उम्रकैद सुनाई है। इस नर्स का नाम लूसी लेटबी है। सोमवार को कोर्ट की कार्यवाही शुरू होने पर जज जस्टिस गॉस ने कहा– लेटबी ने अदालत आने से इनकार कर दिया है। लिहाजा, उसकी गैरमौजूदगी में ही सजा का ऐलान किया गया। लेटबी को काउटेंस ऑफ चेस्टर हॉस्पिटल में 7 बच्चों की हत्या का दोषी पाया गया था। सातों बच्चों को उसने अलग–अलग तरीके से मारा था। इसके अलावा 6 बच्चों को जान से मारने की कोशिश का आरोप भी साबित हुआ। सभी घटनाएं जून 2015 से जून 2016 के बीच अंजाम दी गई। लेटबी के खिलाफ भारतीय मूल के डॉक्टर रवि जयराम भी गवाह थे। इस मामले में हैरानी की बात यह है कि सरकारी वकील 9 महीने चली सुनवाई में पुख्ता तौर पर यह नहीं बता सके कि लूसी ने बच्चों की हत्या क्यों की हालांकि कुछ दावे जरूर किए गए, लेकिन कोर्ट के फैसले में इनका जिक्र नहीं है।

मौत तक जेल में – जस्टिस गॉस ने आदेश दिया है कि लूसी को उन विक्टिम्स के बयानों की कॉपी सौंपी जाएगी, जिन्होंने अदालत के सामने बयान दर्ज कराए हैं और जिनके आधार पर सजा का ऐलान किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक लूसी को उसके जुर्मों की सजा उम्रकैद के तौर पर ही मिलनी थी। जिस तरह के संगीन जुर्म उसने किए हैं, उनकी मिसाल ब्रिटेन की मॉडर्न हिस्ट्री में नहीं मिलती। लूसी ब्रिटेन की सिर्फ तीसरी ऐसी महिला है जिसे बाकी उम्र सलाखों के पीछे गुजारनी होगी। जस्टिस गॉस ने फैसले में 'होल लाइफ ऑर्डर' शब्द का इस्तेमाल किया है। इसके मायने ये हैं कि 33 साल की लूसी की डेड बॉडी ही अब जेल से बाहर आएगी। हालांकि ब्रिटेन के

क्रिमिनल लॉ में ऐसी कई व्यवस्थाएं हैं, जिनके आधार पर दोषी को वक्त से पहले भी रिहाई मिल सकती है। कई मामलों में मेंटल हेल्थ और गंभीर बीमारी के आधार पर कुछ कैदियों को रिहा किया गया है। इसका आधार ह्यूमैनिटी यानी मानवता होता है। अदालत के फैसले में कहा गया- तमाम कत्ल सोची–समझी साजिश के तहत अंजाम दिए गए। लेटबी खुद उस सेक्शन में ड्यूटी करना चाहती थी, जहां जुड़वां या इससे ज्यादा बच्चे रखे जाते थे। इनमें से ज्यादातर गंभीर तौर पर बीमार थे। इसमें कोई शक नहीं कि लूसी ब्रिटेन के इतिहास की सबसे खतरनाक चाइल्ड किलर है। उसके जुर्म बयान करना भी मुश्किल है। इसकी वजह से कई फैमिलीज ताउम्र दर्द में गुजरेंगी। जस्टिस गॉस ने आगे कहा- लूसी ने लोगों के भरोसे को तोड़ा। उसका जुर्म हैवानियत से कम नहीं है। इसने जिन बच्चों की जान ली, उनमें से कुछ तो प्री–मैच्योर थे और उनका जिंदा रहना वैसे ही मुश्किल था। इसके बावजूद तुमने (लूसी) उन्हें मौत की नींद सुला दिया। लेटबी को 7 नवजात बच्चों की हत्या और 6 बच्चों की हत्या करने की कोशिश करने का दोषी पाया गया था। लेटबी पर अक्टूबर 2022 से केस चल रहा था। उस पर जिन बच्चों की हत्या का जुर्म साबित हुआ, उनमें अधिकतर या तो बीमार थे या समय से पहले पैदा हुए थे। लूसी को जुलाई 2018 से नवंबर 2020 के बीच तीन बार गिरफ्तार किया गया। हालांकि दो बार छोड़ा भी गया। नवंबर 2020 में लूसी पर आरोप तय हुए थे। उत्तरी इंग्लैंड में मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट की जूरी 22 दिनों तक चर्चा के बाद फैसले पर पहुंची। सरकारी वकील निक जॉनसन ने कहा- लूसी सहयोगियों को यह यकीन दिला देती थी कि मौत की वजह बीमारी है। वह अपनी तरफ से बच्चों को नहलाने, कपड़े पहनाने और उनकी तस्वीरें लेने की पेशकश करती थी। वह हर बच्चे की मौत के बाद बहुत खुश नजर आती थी। लेटबी के घर से पुलिस को हाथ से लिखा एक नोट भी मिला था। इस पर लिखा था- हां, मैं जालिम हूं। मैंने ही इन घटनाओं को अंजाम दिया।

ऐसा काम करें, जिससे देश का नाम ऊंचा रहे : उपराष्ट्रपति धनखड़

चित्तौड़गढ़(हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को अपने विद्यालय- सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ पहुंचे और वहां छात्रों, पूर्व-छात्रों और शिक्षकों से मिले। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि ऐसा काम करें, जिससे देश का नाम ऊंचा हो। ज्ञात रहे कि धनखड़ ने सन 1962 से 1967 तक अपनी स्कूली शिक्षा यहीं से पूरी की थी। इस अवसर पर भावुक होते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा रि आज मैं जो कुछ हूं, सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ और यहां मिली शिक्षा की बदौलत ही हूं..., इस माटी को मैं सलाम करता हूं! उन्होंने आगे कहा कि यहां के वातावरण में बच्चों के सर्वांगीण विकास का अवसर मिलता है, इसीलिए सैनिक स्कूल का बच्चा जहां भी जाता है, उसकी लीडरशिप क्षमता के कारण एक अलग पहचान बनती है। सैनिक स्कूल के छात्र-छात्राओं से मुलाकात के दौरान उपराष्ट्रपति ने अपने स्कूल के दिनों के कई रोचक संस्मरण सुनाए। उन्होंने बताया कि गांव के प्राइमरी स्कूल में पांचवीं कक्षा तक एबीसीडी नहीं सिखाई जाती थी, इस कारण उन्हें सैनिक स्कूल में शुरुआती दिनों में कठिनाई का सामना करना पड़ा। एक बार प्रिंसिपल ने कक्षा में उनसे अंग्रेजी में कुछ सवाल पूछे तो वे समझ नहीं सके। प्रिंसिपल ने उन्हें शाम को अपने घर पर चाय के समय बुलाया, तब उन्होंने हिम्मत कर प्रिंसिपल से कहा कि सर मैं होशियार लड़का हूं, पर अंग्रेजी नहीं आती। उपराष्ट्रपति ने बताया कि उन प्रिंसिपल ने मुझे मार्गदर्शन दिया और मेरा जीवन बदल गया। मैं आजीवन उनका ऋणी रहूंगा। उन्होंने कहा कि बेहद कम उम्र में सैनिक स्कूल में आने से उनकी मां को बहुत चिंता रहती थी, इसलिए वह रोज एक पोस्टकार्ड अपनी मां के लिए लिख कर भेजा करते थे। उन्होंने कहा कि जब मैं घर जाता था तो मां खाली पोस्टकार्ड का एक पैकेट मुझे दे दिया करती थीं। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि ऐसे समय में जी रहे हैं, जब भारत अभूतपूर्व प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। आज देश में ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया गया है कि आपके पास सिर्फ एक आइडिया होना चाहिए, आपको वित्त और मार्गदर्शन की कमी नहीं रहेगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने आइडिया को अपने दिमाग में न रखें बल्कि उसे हकीकत में उतारने की हर संभव कोशिश करें। छात्रों को अति-प्रतिस्पर्धा में न पड़ने की सलाह देते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैं हमेशा क्लास में फर्स्ट आता था और हमेशा डरा रहता था कि फर्स्ट न आया तो क्या होगा। उस डर के कारण मैंने बहुत कुछ खोया... मैं अधिक दोस्त बना पाता, अधिक हॉबी कर पाता। छात्रों को अपनी रुचि का कैरियर चुनने की सलाह देते हुए धनखड़ ने कहा कि हमारे जमाने में बच्चा पैदा होते ही माता पिता तय कर देते थे कि वो फौजी बनेगा या डॉक्टर बनेगा या इंजीनियर बनेगा... और जिंदगी भर उसे वही बनाने की कोशिश करते थे, भले ही बच्चे की उसमें रुचि हो या नहीं। नदी और नहर का उदाहरण देते हुए उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा की बंधे किनारों वाली नहर ना बनें बल्कि स्वतंत्र नदी बनें, जो अपना रास्ता स्वयं चुनती है। उपराष्ट्रपति ने भारत द्वारा नित रचे जा रहे कीर्तिमानों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। आज भारत अपने औपनिवेशिक शासकों को पीछे छोड़ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि आप 2047 के सिपाही हैं, आप हर प्रयास करें ताकि भारत आजादी की शताब्दी मनाते समय विश्व में शिखर पर पहुंचे। कानून को सर्वोपरि रखने पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कुछ लोग समझते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं और जब कानून का शिकंजा उन पर कसता है तो वे सड़कों पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता अपनाते हैं। धनखड़ ने यह भी कहा किसी को भी राष्ट्र और हमारी संस्थाओं की छवि धूमिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें हमेशा ऐसा काम करना चाहिए, जिससे देश का नाम ऊपर हो। हर हालत में हमें देश को सर्वोपरि रखना होगा। सैनिक स्कूलों में लड़कियों के एडमिशन को एक सकारात्मक और अच्छी शुरुआत बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आने वाले समय में इसके बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। यहाँ उपस्थित सभी बेटियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ पहुंचने से पहले उपराष्ट्रपति पहले अपने शिक्षक हरपाल सिंह राठी से मिलने उनके निवास पर पहुंचे और अपने गुरु के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया।

नूंह के नलहड़ शिव मंदिर पहुंचा पंजाबी बिरादरी महासंगठन

गुरुग्राम (हिंस)। पंजाबी बिरादरी महासंगठन गुरुग्राम के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में एक शिष्टमंडल मंगलवार को दूसरी बार नल्हड़ शिव मंदिर नूंह पहुंचा। वहां के चेयरमैन सरदार गुरचरण सिंह मलिक से मुलाकात की। शिष्टमंडल के पहुंचने पर सरदार गुरचरण सिंह मलिक ने नूंह के कुछ स्थानीय लोगों भी बुला लिया। इस शिष्टमंडल ने बैठकर के वहां की स्थिति की समीक्षा की। लोगों को आश्वासन दिया कि पंजाबी बिरादरी महासंगठन उनके साथ खड़ा है। पंजाबी बिरादरी महा संगठन ने 1 लाख रुपए का राशन का सामान भेजने का संकल्प भी लिया। उनसे आग्रह किया कि भविष्य में भी यदि किसी प्रकार की कोई आवश्यकता है तो बिरादरी इसके लिए सदा तत्पर रहेगी। शिष्टमंडल में बिरादरी के महामंत्री रामलाल ग्रोवर, उपप्रधान रामकिशन गांधी, उपप्रधान धर्मेंद्र बजाज, मंत्री, मंत्री रमेश कामरा, मंत्री ओपी कालरा, मंत्री रवि मनोचा उपस्थित रहे। भगवान शिव के भव्य मंदिर के दर्शन करके वहां के पुरोहित ने उस मंदिर के महत्व में बताया कि किस प्रकार पांडवों के समय से ये मंदिर चला आ रहा है। यह भी आभास हुआ कि जो शिवलिंग वहां पर स्थापित है, वह स्वयंभू है। यानी किसी ने उसको स्थापित नहीं किया, बल्कि स्वयं ही प्रकट हुआ है। शिष्टाचार मंडल ने बैठकर के वहां पर अध्यात्म की चर्चा भी की। लंगर प्रसाद भी ग्रहण किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि नूंह में शांति व्यवस्था बरकरार रहे, इसके लिए प्रशासन पूरी सजगता से काम कर रहा है। भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए चिंतन, मनन करने की आवश्यकता है। सभी से अपील है कि शांति बनाए रखें और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। बिरादरी के प्रधान ने वहां ड्यूटी पर तैनात इंडो तिब्बत बॉर्डर के अधिकारी आलोक सुधांशु से कानून व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने अब कानून व्यवस्था ठीक है। लोग सामान्य जनजीवन की तरफ लौट रहे हैं।

राज्य मानवाधिकार आयोग ने नूंह हिंसा पर मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। नूंह हिंसक घटनाओं का संज्ञान लेते हुए हरियाणा राज्य मानवाधिकार आयोग ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष दीप भाटिया ने बताया कि 31 जुलाई को नूंह हिंसा के बाद आयोग को कई शिकायतें मिली हैं। शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन तथा अन्य पक्षों पर मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। इन शिकायतों के आधार पर आयोग ने नूंह जिला प्रशासन से रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने बताया कि नूंह में हुई हिंसा की जांच पुलिस कर रही है। अपराधिक घटनाओं के संबंध में रिपोर्ट पुलिस देगी। भाटिया के अनुसार आयोग ने नूंह जिला प्रशासन से अब तक के समूचे घटनाक्रम, हिंसा के बाद हुई प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट के बाद अगर जरूरत हुई तो आयोग की टीम नूंह का दौरा करके शिकायकर्ताओं से व्यक्तिगत सुनवाई भी करेगी।

पंजाब सरकार ने बाढ़ पीड़ितों के फसल मुआवजे को जारी किए 186 करोड़ : मंत्री जिम्पा

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बाढ़ प्रभावित जिलों के किसानों की फसल के हुए नुकसान की भरपाई के लिए 186 करोड़ रुपए से भी ज़्यादा की राशि जारी कर दी है। यहा जानकारी पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने मंगलवार को दी है। मंत्री जिम्पा ने बताया कि राज्य के 16 जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को प्राकृतिक आपदा राहत कोष में से फसलों के हुए नुकसान संबंधी राहत देने के लिए फंड जारी किए गए हैं। जिम्पा ने बताया कि जुलाई और अगस्त महीने में राज्य के कई इलाकों में बाढ़ के कारण किसानों की फसल खराब हुई हैं। राज्य के सभी बाढ़ प्रभावित इलाकों में विशेष गिरदावरी करवाई गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बाढ़ पीड़ित लोगों के साथ किया वादा पूरा किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार बाढ़ पीड़ित लोगों को मुआवजा देने के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार के पास इस मनोरथ के लिए फंड्स की कोई कमी नहीं है। जिम्पा ने कहा कि किसानों और अन्य प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। आपदा प्रबंधन मंत्री ने बताया कि बाढ़ के कारण फसलों के हुए नुकसान संबंधी राहत देने के लिए संगरूर जिले को 26 करोड़ 8 लाख 34, 400 रुपए, फिरोजपुर जिले को 22 करोड़ 44 लाख रुपए, तरन तारन को 26 करोड़ 52 लाख रुपए, पटियाला को 59 करोड़ 50 लाख रुपए और मानसा को 12 करोड़ 92 लाख रुपए जारी किए गए हैं। इसी तरह अमृतसर जिले को 3 करोड़ 73 लाख 18, 400 रुपए, फाजिल्का को 8 करोड़ 77 लाख 6, 400 रुपए, गुरदासपुर को 5 करोड़ 84 लाख 80 हजार रुपए, जालंधर को 2 करोड़ 31 लाख 26, 800 रुपए, लुधियाना को 2 करोड़ 31 लाख 26, 800, मोगा को 3 करोड़ 99 लाख 77, 200, रूपनगर को 18 लाख 45, 520, पठानकोट को 64 लाख 60 हजार, एसबीएस नगर को 1 करोड़ 25 लाख 52, 800, फतेहगढ़ साहिब को 1 करोड़ 59 लाख 98, 700 और एसएएस नगर को 1 करोड़ 73 लाख 40 हजार रुपए की राशि दी गई है। जिम्पा ने बताया कि यह कुल राशि 186 करोड़ 12 लाख 63, 020 रुपए बनती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करके जमीनी स्थिति का पता लेते रहे हैं और अब प्रभावित जिलों के लोगों की मदद के लिए पूरी ताकत लगाई जा रही है। जिम्पा ने कहा कि राजस्व विभाग ने राहत संबंधी और लोगों की फीडबैक के बारे जिला स्तर पर उपायुक्तों से समय-समय पर लगातार रिपोर्ट ली जा रही है।

भिवानी में आशा वर्कर्ज का धरना 15वें दिन भी रहा जारी

भिवानी (हिंस)। वर्ष 2018 में सरकार के साथ मांगों पर हुए समझौते को लागू करवाने के मकसद से आशा वर्कर्स लगातार धरना प्रदर्शन कर रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को वर्कर्स का धरना 15वें दिन में प्रवेश कर गया है। इसके साथ ही उन्होंने आगामी आंदोलन की रणनीति अख्तियार कर ली है। उनका कहना था कि जब तक सरकार मांगों का समझौता लागू नहीं करती, तब तक आशाएं पीछे हटने वाली नहीं हैं। बता दें कि 8 अगस्त को अपनी मांगों को लेकर आशा वर्कर्स ने अपना तीन दिवसीय धरना भिवानी लघु सचिवालय के समक्ष शुरू किया था, लेकिन सरकार की तरफ से बातचीत ना होने के कारण उन्होंने इस हड़ताल को बढ़ा दिया था। हड़ताल के बीच उनके द्वारा शहर में प्रदर्शन करते हुए विधायक के आवास का भी घेराव किया गया और ज्ञापन पत्र दिया गया था, लेकिन सुध ना लेने की वजह से उन्होंने अगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने कहा कि वे 28 अगस्त को पंचकूला में रैली करेंगी। इस मौके पर आशा वर्कर्स ने कहा कि वेतनमान में बढोतरी की जाए, वर्कर को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, समय पर वेतन दिया जाए, हर वर्ष ड्रेस उपलब्ध करवाई जाए, 2018 में हुए समझौता लागू हो, इसी तरह की उनकी मांगे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 28 अगस्त को पंचकूला में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। सरकार समय रहते समझौता लागू करे।

फतेहाबाद में नजरबंद किसान नेताओं को प्रशासन ने किया रिहा

फतेहाबाद (हिंस)। जिले में बाढ़ से हुए बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे की मांग को लेकर पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति द्वारा 18 अगस्त से डीसी कार्यालय के बाहर शुरू किया गया पक्का मोर्चा मंगलवार को भी जारी रहा। फतेहाबाद पुलिस द्वारा सोमवार को पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के राज्य प्रधान मनदीप नथवान सहित चार किसान नेताओं को नजरबंद किया गया था। रातभर जहां इन किसान नेताओं को सीआईए स्टाफ के दफ्तर में नजरबंद करके रखा गया वहीं मंगलवार सुबह करीब 11 बजे इन नेताओं की रिहाई की गई। रिहाई के साथ ही सभी किसान नेता पक्का मोर्चा स्थल पर पहुंचे जहां किसानों ने जोरदार तरीके से इनका स्वागत किया। किसान नेताओं ने घोषणा की कि जब तक सरकार किसानों को मुआवजा जारी नहीं करती, तब तक लघु सचिवालय गेट पर उनका पक्का मोर्चा जारी रहेगा। किसान संघर्ष समिति द्वारा गांवों में जाकर कमेटियों का गठन कर किसानों को लामबंद किया जाए और किसानों की सलाह अनुसार जल्द ही बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। बता दें कि बाढ़ पीड़ित किसानों को 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा, खराब ट्यूब्वैलों व मकानों के मुआवजा सहित 21 मांगों को लेकर पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति द्वारा लघु सचिवालय पर पक्का मोर्चा लगाया गया है। एक तरफ जहां फतेहाबाद में किसान पक्का मोर्चे पर डटे हैं वहीं किसान जत्थेबंदियों द्वारा मंगलवार को चंडीगढ़ में प्रदर्शन की घोषणा की गई। इसी प्रदर्शन के मद्देनजर शासन-प्रशासन न सोमवार को किसान नेताओं को नजरबंद करना शुरू कर दिया। फतेहाबाद में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के राज्य प्रधान मनदीप नथवान, रतिया ब्लॉक के प्रधान गुरप्यार बाड़ा, राज्य कमेटी मैंबर सुखदीप रंधावा व जगसीर रतिया को उस समय सीआईए पुलिस ने हिरासत में ले लिया जब ये लोग रतिया से फतेहाबाद में पक्का मोर्चा स्थल पर आ रहे थे। किसान नेताओं को नजरबंद करने की सूचना मिलते ही जिलेभर के किसानों में रोष फैल गया और सैंकड़ों की संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर मोर्चा स्थल पर पहुंचे। मंगलवार दोपहर को नजरबंद किए गए किसान नेताओं को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद पक्का मोर्चा स्थल पर पहुंचे मनदीप नथवान ने कहा कि सरकार किसानों को जेलों में डालकर उनकी आवाज को दबाना चाहती है लेकिन किसान सरकार की ऐसी करतूतों से डरने वाले नहीं है। आंदोलन के दम पर किसानों ने पहले भी कई मोर्चे फतह किए हैं और फतेहाबाद में मुआवजे को लेकर चल रहा पक्का मोर्चा भी फतह के बाद ही हटाया जाएगा। उन्होंने किसानों से एकजुट होकर इस किसान विरोधी सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने की अपील की।

राजस्थान आवासन मंडल सीधी भर्ती परीक्षा 258 पदों के लिए 59 हजार से ज्यादा आवेदन, परीक्षा अगले माह

जयपुर (हिंस)। राजस्थान आवासन मंडल में लगभग 30 सालों बाद होने वाली सीधी भर्ती परीक्षा-2023 की अंतिम तिथि तक 258 विभिन्न पदों के लिए कुल 59 हजार 968 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सितंबर में यह परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से आवंटित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित करवाई जाएगी। आवासन आयुक्त एवं सचिव अल्पा चौधरी ने बताया कि सीधी भर्ती परीक्षा को लेकर 19 जुलाई से लेकर 21 अगस्त की मध्य रात्रि तक 258 पदों पर 1 लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया और 59 हजार 968 लोगों के आवेदन सफलतापूर्वक पंजीकृत हुए। सीधी भर्ती परीक्षा-2023 पूर्णतया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। आवेदक अपनी पढ़ाई और तैयारी पर ध्यान दें। किसी भी तरह के बहकावे या अफवाह पर ध्यान ना दें। उन्होंने बताया कि आवेदन के अंतिम दिन तक सहायक प्रोग्रामर के लिए कुल 1735, (जूनियर) सिविल डिप्लोमा के लिए 6374, सूचना सहायक के लिए 5285, जूनियर अकाउंटेंट के लिए 16422, (जूनियर) सिविल डिग्री के लिए 9523, कनिष्ठ प्रारूपकार के लिए 343, (जूनियर) इलेक्ट्रिक डिग्री के लिए 2553, कनिष्ठ सहायक के लिए 13909, कनिष्ठ विधि अधिकारी के लिए 3440 और वरिष्ठ प्रारूपकार के लिए 384 आवेदकों ने आवेदन किया है। सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक, भारत सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्था) के माध्यम से सीधी भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से जीप में सवार छह की मौत चार गंभीर जयपुर रेफर

दौसा (हिंस)। दौसा के मंडावर में मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में छह लोगों के मौत हो गई और 15 से अधिक घायलों हो गए। चार गंभीर घायलों को जयपुर रेफर किया गया है। मंगलवार दोपहर अलवर-करौली राजमार्ग के उकरुंद गांव के पास स्थित हुडला पेट्रोल पंप और पिलवा मोड के पास यात्रियों से भरी जीप और कोल्ड ड्रिंक से भरे मिनी ट्रक में आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हुई। हादसे में जीप में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से निकाला और पुलिस को सूचना दी। सभी घायलों को एंबुलेंस और पुलिस जीप की सहायता से महुवा के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से कुछ गंभीर लोगों को एसएमएस अस्पताल रेफर करने की भी सूचना है।

प्रदेशवासियों की प्रगति का संकल्प होगा विजन 2030 डॉक्यूमेंट

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को हर क्षेत्र में भारत का सिरमौर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी *राजस्थान मिशन-2030* का शुभारंभ किया। उन्होंने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में मिशन के उद्घाटन समारोह में कहा कि प्रदेश की प्रगति को दस गुना गति देने में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार एक करोड़ लोगों से उनके सपनों के राजस्थान के लिए सलाह और सुझाव लेगी। इन्हीं के आधार पर *विजन-2030 डॉक्यूमेंट* तैयार कर जारी किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि राजस्थान सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तीकरण, रोजगार, आर्थिक विकास, आधारभूत सरंचना विकास, सोलर ऊर्जा, अनाज उत्पादन सहित हर क्षेत्र में देश का मॉडल स्टेट बन गया है। अब हमें वर्ष 2030 के राजस्थान के सपने को विजन-2030 डॉक्यूमेंट के जरिए साकार करना है। उन्होंने कहा कि इसमें युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी ने मिलकर पिछले पांच साल में राजस्थान की प्रगति को चार गुना बढ़ाया है। अब इसे वर्ष 2030 तक 10 गुना तक ले जाना है। इसके लिए आम आवाम से आह्वान है कि वे विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए बहुमूल्य सुझाव-विचार साझा करें। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में पक्ष-विपक्ष, धर्मगुरूओं, पुलिसकर्मियों, चिकित्सकीय समूहों और आमजन ने जिस तरह मिलकर राजस्थान में देश का सर्वश्रेष्ठ कोविड प्रबंधन किया। अब उसी एकजुटता से मिशन-2030 के लिए प्रदेश की प्रगति को गति देनी होगी। उन्होंने कहा कि विजन-2030 डॉक्यूमेंट प्रदेशवासियों की प्रगति का संकल्प बनेगा। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने वादों और इरादों के जरिए प्रदेशवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया है। कुशल वित्तीय प्रबंधन से राज्य की आर्थिक प्रगति को गति दी है, अब इसे तीव्र गति से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट लाने वाला राजस्थान एकमात्र राज्य है। अब राजस्थान एक विकसित राज्य बने, प्रति व्यक्ति आय, हैप्पीनेस इंडेक्स और निवेश अधिक से अधिक बढ़े, यही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विशेषज्ञों, अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और आमजन से संवाद किया।

राजौरी-पुंछ में सर्जिकल स्ट्राइक से सेना ने किया इनकार

जम्मू (हिंस)। भारतीय सेना ने कश्मीर में घुसने की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादियों पर बड़ा हमला करके कई आतंकियों को मार गिराने और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए जाने की पुष्टि की है। सेना ने कहा कि ये सर्जिकल स्ट्राइक तो नहीं, लेकिन हां पाकिस्तान पर एक बड़ा ऑपरेशन जरूर है। जम्मू के रक्षा प्रवक्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राजौरी-पुंछ में सर्जिकल स्ट्राइक किए जाने की खबरें सच नहीं है। उन्होंने कहा कि पुंछ जिले की मेंढर तहसील में नियंत्रण रेखा के साथ सटे बालाकोट सेक्टर में एक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान दो आतंकियों को मार गिराया गया था। उन्होंने कहा कि ये सर्जिकल स्ट्राइक तो नहीं, लेकिन हां पाकिस्तान पर एक बड़ा ऑपरेशन जरूर है। सेना से जुड़े सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई शनिवार रात को की गई। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को एलओसी के पार लांचिंग पैड में पिछले कुछ दिनों से भारतीय क्षेत्र (पुंछ व राजौरी जिलों) में किसी बड़े हमले की योजना तैयार करने की पुख्ता सूचना मिली थी। इन लांचिंग पैड पर पाकिस्तानी सेना, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बैट टीम की हलचल भी बढ़ गई थी। इससे पहले कि दुश्मन अपने नापाक मंसूबे को अंजाम देता, भारतीय सेना ने न केवल पूरे षड्यंत्र को विफल कर दिया बल्कि साफ संदेश भी दे दिया कि भारत अपनी सीमा के पास आतंकी गतिविधियां नहीं पनपने देगा।

ब्राह्मण महासंगम का आयोजन : ब्रह्म ज्योति यात्रा रवाना

जयपुर (हिंस)। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आगामी तीन सितंबर को जयपुर में ब्राह्मण महासंगम का आयोजन किया जा रहा है। ब्राह्मण महासंगम को सफल बनाने के लिए मंगलवार को चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर से सुबह साढे नौ बजे ब्रह्म ज्योति यात्रा को रवाना किया गया, जो कि जयपुर शहर के 500 मंदिरों में जाएगी और वहां मंदिर के पुजारी और संत-महंतों को आमंत्रित किया जायेगा। प्रदेश संगठन मंत्री पंडित श्याम शास्त्री ने बताया कि महासंगम को सफल बनाने के लिए 2 सितंबर तक जयपुर शहर के प्रमुख मंदिरों में ब्रह्म ज्योति निकाली जा रही है। जिसकी शुरुआत मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा, महंत प्रधुम्न मुनी, विप्र कल्याण बोर्ड के चेयरमैन महेश शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक आचार्य राजेश्वर, युवाचार्य अमित शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा और अतिरिक्त निदेशक डीपीआर गोविन्द पारीक ने पूजा अर्चना कर चांदपोल हनुमान मंदिर से रवाना की। उसके बाद जयपुर शहर के प्रमुख मंदिरों परकोटे वाले गणेश मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, रूपजी छोटी चौपड़, रोजगारेश्वर मंदिर, काले हनुमान मंदिर, तारकेश्वर मंदिर, सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर, लाडली मंदिर, सिद्धिविनायक रामगंज बाजार, सूर्य मंदिर गलता गेट, ओंडा महादेव, नहर के गणेशजी, काले हनुमान मंदिर जल महल, खोले के हनुमान मंदिर तक लगभग 50 मंदिरों में गई। जिसमें प्रमुख रूप से शहर की पुरानी बस्ती, ब्रहमपुरी मंदिरों में ब्रह्म ज्योति जा रही है। इसके बाद जयपुर शहर के बाहर अलग-अलग कॉलोनियों में भी जायेगी। ब्रह्म ज्योति में अखंड ज्योति भगवान परशुराम जी का रंगीन चित्र और प्रसाद वितरण हो रहा है। साथ ही ब्राह्मण महासंगम के पर्चे भी वितरित किए जा रहे है। इस ज्योति का स्वागत मंदिर महंतों के अलावा स्थानीय पार्षद भी कर रहे है। इस महासंगम के लिए न केवल जयपुर वरन देश के प्रमुख संत-महंतों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

कनाडा भेजने का झांसा देकर तीस लाख ठगे

जींद (हिंस)। सदर थाना सफीदों पुलिस ने कनाडा भेजने का झांसा देकर 30 लाख रुपए हड़पने पर एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। गांव रोहड निवासी प्रभजोत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2018 मे वह बेरोजगार था। उनकी अहमदाबाद मे टीजी ट्रैवल हब वीजा कंसलटेंट के संचालक गुरदीप से पुरानी जान पहचान रही है। गुरदीप ने बताया कि वह लीगल तरीके से प्रभजोत को कनाडा भेज देगा। इसके अलावा उसके अन्य जानकारों को सैटल करवा देगा। चार मार्च को गुरदीप उनके घर पर आया और पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज अपने साथ ले गया। गुरदीप ने कहा था कि राशि का भुगतान कनाडा जाने के बाद कर देना। उन्होंने दो बार कनाडा एम्बेसी में आवेदन किया। दोनों बार रद्द हो गया। जिसके बाद गुरदीप ने मुंबई के अपने दोस्त के माध्यम से वीजा लगवाने की बात कही।

एलआईसी ने जियो फाइनेंशियल में 6.66 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की लिस्टिंग के दूसरे दिन भी जेएफएसएल के शेयर में 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा

मुंबई।
लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में 6.66प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल कर ली है। सरकारी इंश्योरेंस कंपनी ने इसके बारे में जानकारी दी। एक्सचेंज फाइलिंग में एलआईसी ने बताया कि डी-मर्जर के तहत कंपनी में हिस्सेदारी हासिल की है। जियो फाइनेंशयिल सर्विसेज बीते दिन शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ, जिसके बाद से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 4.99प्रतिशत की गिरावट के साथ 239.20 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यह 5प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 236.45 रुपए पर बंद हुआ।

बीएसई पर 265 और एनएसई पर 262 में लिस्ट हुए थे शेयर - जियो फाइनेंशयिल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 265 रुपए और एनएसई पर 262 रुपए पर लिस्ट हुए थे। इसके बाद बीएसई पर शेयर 5प्रतिशत की लोअर सर्किट के साथ 251.75 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, एनएसई पर भी शेयर 5प्रतिशत का लोअर सर्किट के साथ 248.90 रुपए बंद हुआ था।

रिलायंस के शेयरहोल्डर्स को 1: 1 के रेश्यो में जेएफएसएल के शेयर मिले थे - 19 जुलाई के कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे उन्हें 1: 1 के रेश्यो में जेएफएसएल यानी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर मिले थे। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास आरआईएल के 100 शेयर थे, तो आपको जेएफएसएल के 100 शेयर दिए गए थे।

पिछले महीने आरआईएल से अलग हुई थी कंपनी - रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस पिछले महीने अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुआ था। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था।

10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में है शेयर - जियो फाइनेंशियल सर्विसेज 21 अगस्त से 10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में है। जब तक इस सेगमेंट में स्टॉक रहता है तो उस शेयर की इंट्राडे ट्रेडिंग नहीं हो सकती है। इस सेगमेंट के हर एक को खरीदने के लिए पूरा पेमेंट देकर डिलीवरी लेनी पड़ती है।

कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान - जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था।

न्यूज़ ब्रीफ

अब इंडियन क्रैश टेस्ट तय करेगा कारों की सेफ्टी रेटिंग, गडकरी ने भारत एनकेप को लॉन्च किया, 1 अक्टूबर से शुरू होगी टेस्टिंग

मुंबई। देश में 1 अक्टूबर से कारों को सेफ्टी रेटिंग मिलेगी। इसके लिए दिल्ली में हुए एक इवेंट में केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारतीय एजेंसी को लॉन्च किया। इस एजेंसी का नाम भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम है। ये एजेंसी पुणे के चाकन स्थित सेंटर में भारतीय परिस्थितियों के अनुसार तय नॉर्म्स पर कारों का क्रेश टेस्ट करेगी। इससे पहले विदेशी एजेंसी ग्लोबल एनकैप और लैटिन एनकैप अपने स्टैंडर्ड (मानक) के अनुसार भारतीय कारों का टेस्ट कर उन्हें सेफ्टी रेटिंग देती थीं। इनकी रेटिंग कई मायनों में भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से फिट नहीं होती, इसलिए केंद्र सरकार ने अपने रेटिंग सिस्टम बीएनकेप की शुरुआत की। भारत-एनकेप में जीएनकेप और एलएनकेप की तरह 0 से 5 के बीच सेफ्टी रेटिंग दी जाएगी है। 0 स्टार का मतलब एकदम अनसेफ, यानी दुर्घटना के समय 0 स्टार वाली कार सुरक्षा के मामले में बेहद खराब है। वहीं, 5 स्टार रेटिंग वाली कार हादसे के समय सुरक्षित मानी जाती है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, देश में हर साल 5 लाख से ज्यादा एक्सीडेंट होते हैं। इनमें करीब 1.50 लाख लोग अपनी जान गंवा देते हैं। लोग अब व्हीकल की क्वालिटी और सेफ्टी को लेकर जागरूक हुए हैं। मुझे लगता है कि अगर कोई नया विकल्प है तो लोग उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। गडकरी ने कहा, भारत-एनकेप के तहत भारत में व्हीकल की टेस्टिंग कॉस्ट करीब 60 लाख रुपए होगी, जबकि ग्लोबल लेवल पर यह 2.5 करोड़ रुपए है। भारत-एनकेप के तहत वैल्यूएशन के लिए 30 से अधिक मॉडलों के लिए आवेदन मिल चुके हैं। उन्होंने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के सहयोग के तरीके की सराहना की और कहा, इडस्ट्री के सहयोग से ही मंत्रालय भारत-एनकेप प्रोग्राम शुरू कर पाया है।

किसानों को केंद्र ने दी राहत, इस दर से दो लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदेगी सरकार

नई दिल्ली। महाराष्ट के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि केंद्र सरकार दो लाख टन

प्याज की खरीद करेगी। फडणवीस ने बताया कि यह खरीद 2410 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी जाएंगी। फडणवीस ने कहा कि सरकार के इस कदम से प्याज किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। फडणवीस ने कहा कि नासिक और अहमदनगर में प्याज की खरीद के लिए विशेष खरीद केंद्र बनाए जाएंगे। बता दें कि देवेंद्र फडणवीस का यह एलान ऐसे वक्त आया है, जब प्याज उत्पादक किसान और व्यापारी केंद्र सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें केंद्र सरकार ने प्याज की निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने प्याज की कीमतों को काबू में रखने और स्थानीय बाजार में आपूर्ति को बेहतर करने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि किसानों और व्यापारी सरकार के इस फैसले से खुश नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि सरकार ने किसानों की नाराजगी दूर करने के लिए ही प्याज की इतने बड़े पैमाने पर खरीद करने का फैसला किया है। देवेंद्र फडणवीस इन दिनों जापान के दौरे पर हैं और उन्होंने वहीं से सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद की जानकारी दी। फडणवीस ने बताया कि उन्होंने प्याज के मुद्दे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से बात की थी।

एक्सिस बैंक के नीलकंठ मिश्रा को यूआईडीएआई का पार्ट टाइम चेयरमैन बनाया गया

नई दिल्ली। नीलकंठ मिश्रा को रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्र सरकार ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अंशकालिक अध्यक्ष (पार्ट टाइम चेयरमैन) के रूप में नियुक्त किया है। यूआईडीएआई आधार संख्या जारी करने की प्रभारी नोडल निकाय है। वह एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री और एक्सिस कैपिटल में वैश्विक अनुसंधान के प्रमुख हैं। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह और आईआईटी दिल्ली में कंप्यूटर विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर मौसम को अंशकालिक यूआईडीएआई सदस्य के रूप में नामित किया गया है। ये तीनों नियुक्तियां तीन साल की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो तक के लिए हैं। मिश्रा, जिन्हें कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है ने क्रेडिट सुइस में दो दशक से अधिक समय बिताने के बाद मई 2023 में एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री और वैश्विक अनुसंधान के प्रमुख का पद संभाला था।

दूसरे कारोबारी दिवस शेयर मार्केट के हाल

सपाट कारोबार के बीच बाजार में नया रिकॉर्ड मार्केट कैप 308.33 लाख करोड़ हुआ

निवेशकों को 1 दिन में हुआ 1.38 लाख करोड़ का मुनाफा

सेंसेक्स और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद

नई दिल्ली।
सेंसेक्स और निफ्टी में शामिल कुछ हेवी वेट शेयरों में गिरावट की वजह से घरेलू शेयर बाजार खरीदारी का जोर बनने के बावजूद मंगलवार को सपाट स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप अभी तक के सर्वोच्च स्तर 308.33 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बाजार ने मंगलवार को कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ की थी, लेकिन बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार को कारोबार में पीएसयू बैंक और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स को छोड़ कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। पावर और कैपिटल गुड्स इंडेक्स में मंगलवार को 1 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। इसी तरह एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स में भी 0.50 प्रतिशत की तेजी बनी रही। ब्रॉडर मार्केट में भी खरीदारों का दबदबा बना रहा, जिसके कारण बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे।

मंगलवार को कारोबार में आई तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.38 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़कर 308.33 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 306.95 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 1.38 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त फायदा हुआ।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कुल 3,785 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग होती रही। इनमें से 2,210 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, वहीं 1,444 शेयरों में गिरावट का रुख बना रहा, जबकि 131 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। इसी तरह एनएसई में मंगलवार को कुल 2,040 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,314 शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में और 726 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर मजबूती के साथ हरे निशान में और 22 शेयर कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 56.33 अंक की मजबूती के साथ 65,272.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बन गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल भी अनियमित बनी रही। बाजार में लगातार खरीदारी होने के बावजूद लार्सन ऐंड टुब्रो तथा आईटीसी जैसे हेवीवेट शेयरों में गिरावट का माहौल बना रहा, जिसके कारण बाजार में हो रही खरीदारी का फायदा सेंसेक्स को नहीं मिल सका। ये सूचकांक मंगलवार को 65,362.91 अंक से लेकर 65,165.45 अंक के सीमित दायरे में ऊपर नीचे होता रहा। पूरे दिन की खरीद बिक्री के बाद ये सूचकांक 3.94 अंक की मामूली बढ़त के साथ 65,220.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 23.50 अंक की तेजी के साथ 19,417.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान की स्थिति बन गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव बना रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 19,443.50 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली के दबाव में इसने 19,381.30 अंक तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 2.85 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 19,396.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अडानी इंटरप्राइजेज 2.21 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.71 प्रतिशत, आईटीसी 1.44 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.33 प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बीपीसीएल 1.46 प्रतिशत, सिप्ला 1.04 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.71 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 0.66 प्रतिशत और टीसीएस 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ मंगलवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ ओपन हुआ

24 अगस्त तक कर सकेंगे अप्लाय, 1 सितंबर को एनएसई बीएसई पर लिस्ट होंगे शेयर

मुंबई।
स्टेनलेस स्टील के फ्लेक्सिबल होज बनाने वाली कंपनी एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 351 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 22 अगस्त से 24 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 1 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 130 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 102-108 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 108 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,040 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी 1820 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 1,96,560 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। आईपीओ का 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व कंपनी ने इश्यू के 50प्रतिशत हिस्से को क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। 80 से ज्यादा देशों में अपने प्रोडक्ट एक्सपोर्ट करती है एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज मुंबई की एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड मैटेलिक फ्लैक्सिबल फ्लो सॉल्यूशंस प्रोडक्ड्स बनाती है। कंपनी 80 से ज्यादा देशों में अपने प्रोडक्ट एक्सपोर्ट करती है,जिसमें अमेरिका और यूरोप सहित अन्य देश शामिल हैं। कंपनी का 80प्रतिशत रेवेन्यू एक्सपोर्ट से ही होता है। कंपनी के कस्टमर्स में डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैब्रिकेटर, मेंटेनेंस-रिपेयर करने वालों और ऑपरेशन कंपनी , ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं।

सोना-चांदी के दामों में तेजी

साढ़े 58 हजार के पार निकला सोना, चांदी भी 72 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली।
सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 152 रुपए चढ़कर 58,548 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,630 रुपए हो गई है।

72 हजार के करीब पहुंची चांदी

चांदी की कीमत में बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 1,021 रुपए महंगी होकर 71,856 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को ये 70,835 रुपए पर थी।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है।

इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है। वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है। हमारे देश में हर साल 800 टन सोने की खपत (डिमांड) होती है।

जून में 10 लाख नए लोगों को मिली नौकरी: ईपीएफओ में एक महीने में जुड़े टोटल 18 लाख कर्मचारी, यह पिछले 11 महीनों में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली।
जून में लगातार तीसरे महीने नई फॉर्मल नौकरियों यानी सरकार के रेगुलेशन के तहत चलने वाली संस्थानों की नौकरियों में बढ़ोतरी हुई है। यह नंबर 9 महीनों के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है। एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन ने अपने लेटेस्ट पेरोल डेटा में इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जून 2023 में 10.14 लाख नए लोग ईपीएफओ से जुड़े, यह नंबर अगस्त 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। वहीं, कुल 17.89 लाख लोग ईपीएफओ से जुड़े, यह मई के मुकाबले 9.71प्रतिशत ज्यादा है और पिछले 11 महीने के उच्चतम स्तर पर है। जून में 18 से 28 साल उम्र के करीब 6.88 लाख लोग ईपीएफओ के साथ जुड़े, जो टोटल सब्सक्रिप्शन का करीब 68प्रतिशत है। इसी साल मई में यह नंबर 6.17 लाख (करीब 66प्रतिशत) था। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह डेटा देश के वर्क-फोर्स में यूथ एनरोलमेंट को बताता है। इससे अनुमान

लगाया जा सकता है कि नए जुड़े ज्यादातर लोगों ने पहली बार नौकरी जॉइन की है। जून 2023 में वर्क-फोर्स में शामिल 10.14 लाख नए लोगों में 2.81 लाख महिलाएं शामिल हैं। वहीं टोटल 3.93 लाख नई महिलाओं ने ईपीएफओ में अपना एनरोलमेंट कराया, जो अगस्त 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। नए जॉब देने के मामले में यह राज्य रहे सबसे आगे वहीं अगर राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात और हरियाणा नए जॉब देने के मामले में टॉप राज्य हैं। वर्क-फोर्स में शामिल नए लोगों में इन 5 राज्यों की हिस्सेदारी 60.40प्रतिशत है, जिसमें केवल महाराष्ट्र से 20.54प्रतिशत नए लोग शामिल हैं। ट्रेडिंग-कमर्शियल, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में सबसे ज्यादा नई नौकरियां इंडस्ट्री के लेवल पर देखें तो ट्रेडिंग-कमर्शियल सेक्टर में सबसे ज्यादा लोग जुड़े। इसके बाद बिल्डिंग-कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और जनरल इंजीनियरिंग प्रोडक्ट बनाने वाले सेक्टर्स में सबसे ज्यादा नए लोग जुड़े। इसके अलावा स्कूल, हॉस्पिटल, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, टेक्सटाइल्स जैसे सेक्टर में भी ज्यादा संख्या में जुड़े हैं। इसका मतलब यह है कि इन सेक्टरों ने जून 2023 के दौरान सबसे ज्यादा नई नौकरियां दी हैं। 12.65 लाख लोगों ने रिजॉइन किया ईपीएफओ पेरोल डेटा के अनुसार, ईपीएफओ से बाहर निकल गए 12.65 लाख लोगों ने फिर से इसे जॉइन किया है। यानी इतने लोगों ने जॉब स्विच, रिजॉइनिंग जैसे कारणों से अपना अकाउंट फंक्शनल नहीं रखा था।

खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव अस्थाई, वित्त मंत्रालय बोला-

एहतियाती कदमों और फसलों की नई आवक से मिलेगी राहत

नई दिल्ली।
वित्त मंत्रालय ने देश में खाद्य पदार्थों की महंगाई को अस्थायी बताया है। मंत्रालय ने कहा कि खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अस्थायी रह सकती है क्योंकि सरकार के एहतियाती उपायों और नयी फसलों के आने से कीमतों में नरमी आएगी। हालांकि मंत्रालय ने यह भी कहा कि वैश्विक अनिश्चितता और घरेलू व्यवधानों से आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति का दबाव बना रह सकता है। जुलाई की मासिक आर्थिक समीक्षा में मंत्रालय ने कहा कि आने वाले समय में घरेलू खपत और निवेश मांग से वृद्धि को गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन चालू वित्त वर्ष में सरकार की ओर से पूंजीगत व्यय के लिए प्रावधान बढ़ाए जाने से अब निजी निवेश में तेजी आ रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई 2023 में बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई। हालांकि कोर मुद्रास्फीति 39 महीने के निचले स्तर 4.9 प्रतिशत पर रही। अनाज, दालों और सब्जियों की वृद्धि दर जुलाई में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में दहाई अंक में रही। घरेलू उत्पादन में व्यवधान ने भी मुद्रास्फीति पर दवाब बढ़ा दिया। कर्नाटक के कोलार जिले में सफेद मक्खी रोग के कारण टमाटर की आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और उत्तरी भारत में मानसून के तेजी से आगमन के कारण टमाटर की कीमतों में उछाल आया। मंत्रालय ने कहा कि खरीफ सत्र 2022-23 में कम उत्पादन के कारण तुअर दाल की कीमत भी बढ़ी है।

महंगाई पर सरकार और आरबीआई की ओर से अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत - मंत्रालय ने कहा, सरकार ने खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए पहले ही एहतियाती कदम उठाए हैं, जिससे ताजा स्टॉक के आने के साथ ही बाजार में कीमतों का दबाव जल्द कम होने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितता और घरेलू व्यवधान आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकते हैं, जिस पर सरकार और आरबीआई की ओर से अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत होगी। हालांकि जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति 2014 में नई सीपीआई श्रृंखला शुरू होने के बाद से शायद तीसरी सबसे अधिक रीडिंग पर है। केवल 48 प्रतिशत खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से अधिक है, और इसमें दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति के साथ 14 खाद्य पदार्थ शामिल हैं। टमाटर, हरी मिर्च,

अदरक और लहसुन जैसी वस्तुओं की महंगाई दर 50 प्रतिशत से अधिक रही। कुछ विशिष्ट वस्तुओं की कीमतों में असामान्य वृद्धि के कारण जुलाई 2023 में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की स्थिति बनी। मंत्रालय के अनुसार अगस्त के अंत या सितंबर की शुरुआत में ताजा स्टॉक आने से टमाटर की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, अरहर दाल के आयात में वृद्धि से दालों की मुद्रास्फीति में कमी आने की उम्मीद है। हाल के सरकारी प्रयासों के साथ ये कारक जल्द ही आने वाले महीनों में खाद्य मुद्रास्फीति में कमी ला सकते हैं। प्रमुख गेहूं उत्पादक क्षेत्रों में शुष्क परिस्थितियों के साथ-साथ रूस की ओर से काला सागर अनाज सौदे को समाप्त करना फैसला भी मूल्य वृद्धि का कारण बना। जबकि सफेद मक्खी रोग और असमान मानसून वितरण जैसे घरेलू कारकों ने भारत में सब्जियों की कीमतों पर दबाव डाला।

एमपीसी ने आने वाले महीनों में सब्जियों के कीमतों में सुधार की उम्मीद जताई - रिजर्व बैंक की ब्याज दर निर्धारण समिति ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था। एमपीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए समायोजन को वापस लेने पर ध्यान केंद्रित किया था कि मुद्रास्फीति विकास का समर्थन करते हुए लक्ष्य के साथ उत्तरोत्तर संरेखित हो। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आने वाले महीनों में सब्जियों की कीमतों में सुधार की उम्मीद जताई है, लेकिन अचानक मौसम की घटनाओं अगस्त और उसके बाद नीनो की स्थिति और वैश्विक खाद्य कीमतों में मजबूती के कारण घरेलू खाद्य मूल्य दृष्टिकोण पर अनिश्चितताओं की उपस्थिति को चिह्नित किया। इस संदर्भ में एमपीसी ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को 5.1 प्रतिशत से संशोधित कर 5.4 प्रतिशत कर दिया। इस साल के दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन के दौरान 18 अगस्त 2023 तक संचयी वर्षा लंबी अवधि के औसत की तुलना में लगभग छह प्रतिशत कम रही है। 18 अगस्त 2023 तक, किसानों ने 102.3 मिलियन हेक्टेयर में बुवाई की है, जो पिछले साल की इसी अवधि के स्तर के समान है और पिछले पांच वर्षों के औसत से 1.1 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की मासिक रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि मानसून और खरीफ बुवाई में महत्वपूर्ण प्रगति के साथ कृषि क्षेत्र गति पकड़ रहा है। गेहूं और चावल की खरीद अच्छी तरह से चल रही है, जिससे देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्यान्नों के बफर स्टॉक के स्तर में वृद्धि हुई है।

पूंजीगत व्यय पर जोर देने से आने वाले वर्षों में विकास को मिलेगी गति - निवेश के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार के पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर देने से आने वाले वर्षों में वृद्धि को गति मिलने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2024 के बजट में केंद्र सरकार ने पूंजीगत परिव्यय में 33.3 प्रतिशत की वृद्धि की, जिससे कुल व्यय में पूंजीगत व्यय का हिस्सा 2017-18 में 12.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 (बजट अनुमान) में 22.4 प्रतिशत हो गया।

अक्षय ने अपनी ही फिल्म के लिए की थी मेरे नाम की सिफारिश : पंकज

- ओएमजी 2 की सफलता का ले रहे हैं आनंद

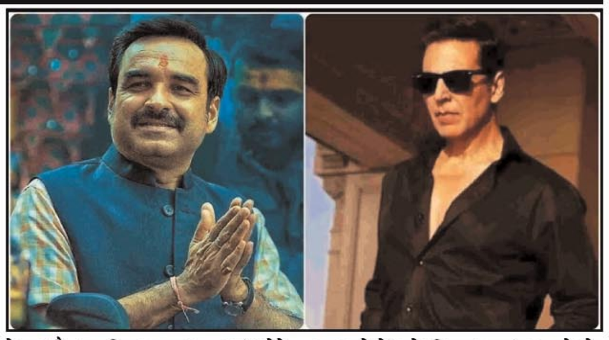

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने कहा कि अक्षय ने ही फिल्म के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी। पंकज आजकल ओएमजी 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म में अपने सह-अभिनेता अक्षय कुमार के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की। ओएमजी 2 में दूसरी बार पंकज और अक्षय एक साथ देखा गया है। दोनों ने इससे पहले बच्चन पांडे में काम किया था, जो 2022 में रिलीज हुई थी। पंकज ने कहा, ॢउनके साथ दूसरी बार काम करना बहुत अच्छा रहा। फिल्म में मेरे नाम की सिफारिश उन्होंने ही की थी। उन्होंने कहा, उनके साथ उनका रिश्ता मजबूत है और वह बहुत मेहनती अभिनेता हैं। उन्होंने फिल्म में बहुत ही खूबसूरती से काम किया है। मैंने देखा है, इसलिए कह रहा हूं। मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। मैं उन पर विश्वास करता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट किया, स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी छलांग के बाद ओएमजी 2 लगातार दिल जीत रही है और पैसा कमा रही है, यह वीकेंड 2 में सेंचुरी लगाएगी। अक्षय ने ट्विटर पर लोगों को फिल्म पसंद करने के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि ओएमजी 2 11 अगस्त को सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत गदर 2 के साथ रिलीज हुई थी। रिलीज होने पर फिल्म ने पहले दिन 10.26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। हालांकि फिल्म अब 100 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है।

मुख्य भूमिका हासिल करना मेरी मां का सपना था : अलीशा

-विरासत की मशाल संभालने के लिए खुद को भाग्यशाली मानती है एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस अलीशा परवीन ने शो उड़ारियां को लेकर कहा है कि शो में मुख्य भूमिका हासिल करना हमेशा उनसे ज्यादा उनकी मां का सपना था। अपने किरदारों के प्रति सच्चे रहते हुए और अटूट समर्पण के साथ अपनी भूमिकाओं को निभाते हुए नए कलाकार आलिया के रूप में अलीशा, अरमान गिल के रूप में अनुराज चहल और आसमां ढिल्लों के रूप में अदिति भगत दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उड़ारियां में लीप के बाद प्यार और आकांक्षाओं की रोमांचक कहानी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती रहती है। अलीशा एक अभिनेत्री के रूप में अपनी यात्रा के पीछे अपनी मां को प्रेरक शक्ति मानती हैं। अपनी मां के सपने के बारे में बात करते हुए अलीशा ने कहा, 10 साल की उम्र में मेरी मां ने मेरे अंदर थिएटर के प्रति प्यार पैदा किया। उन्होंने मेरे अभिनय कौशल को आकार देने में वर्षों का निवेश किया और उनके निरंतर समर्थन और समर्पण ने मेरे अभिनय करियर की नींव रखी और कुछ ही समय में मैं दिल्ली से सपनों से भरा बैग लेकर मुंबई आ गया। उसने कहा, मेरी मां हमेशा चाहती थीं कि मुझे मुख्य भूमिका मिले, और उड़ारियां में आलिया की मेरी भूमिका के बारे में जानकर उनके खुशी के आंसू उनके अपार प्यार का परिणाम थे। यह सफलता उनके निस्वार्थ प्रेम और आशीर्वाद के कारण ही मिल सकी।दूसरी ओर, हरलीन की जैविक बेटी, आसमा, कनाडा में पली-बढ़ी एक स्वप्नद्रष्टा है, लेकिन उसके दिल में भारत के लिए गहरा प्यार है। जैसा कि भाग्य को मंजूर था, आलिया, अरमान और आसमां की जिंदगी अप्रत्याशित तरीके से आपस में जुड़ जाती है। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है। आलिया नेहमत (ट्विंकल अरोड़ा द्वारा अभिनीत) और एकम (हितेश भारद्वाज द्वारा अभिनीत) की प्यारी बेटी है, जो एक विद्रोही आत्मा है। वह नेहमत को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मानती है। उसका मानना है कि नेहमत ने उसकी मां को भगा दिया और स्वार्थवश हरलीन को उसकी असली मां बताने की कोशिश की। अरमान 25 साल का एक उत्साही लड़का है, जो आलिया के दिल में विशेष स्थान रखता है और मानता है कि ऐसी कोई चीज नहीं है जिसे जुगाड़ से ठीक नहीं किया जा सकता।

300 करोड़ का कारोबार किया रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

-करण जौहर को भी नहीं थी इतनी उम्मीद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निर्देशक करण जौहर को स्वयं उम्मीद नहीं थी कि उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बॉक्स ऑफिस पर इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करेगी। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक 141 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल रही इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 300 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। इस बात की जानकारी स्वयं करण जौहर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके दी है। सबसे बड़ी बात यह है कि सनी देओल की गदर-2 और अक्षय कुमार की ओएमजी-2 की रिलीज के बाद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई है। हालांकि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रफ्तार जरूर कम हो गई है। करण जौहर ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, हमारी प्रेम कहानी दुनिया के हर कोने और दिलों तक पहुँच चुकी है। विनम्र और आभारी महसूस कर रहा हूँ और खासकर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को दिए प्यार के लिए। थैंक्यू। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कारोबार कर रही है। फिल्म जल्द ही 150 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 73.33 करोड़, दूसरे सप्ताह में 47.45 करोड़ और 3रे सप्ताह 19.24 करोड़ का कारोबार किया है। फिल्म ने सफलतापूर्वक 4थे सप्ताह में प्रवेश कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म इस सप्ताह 150 करोड़ के आंकड़े को पार करने में सफल हो जाएगी। सफलतापूर्वक 4थे सारोबार किया ह हूहर कोने आरचारित नहीं किया गया

अनुपम खेर ने किया गदर-2 की तारीफ

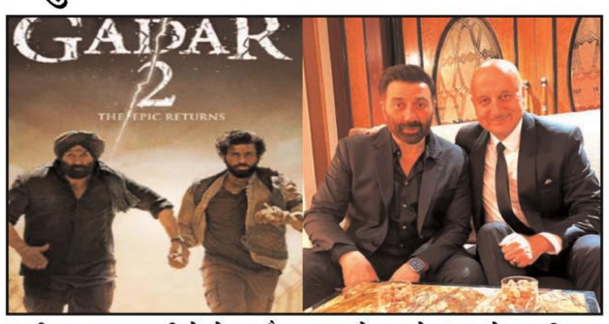

बालीवुड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल की गदर 2 मूवी लगातार धूम मचा रही है। फिल्म को लेकर बालीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर की रिएक्शन सामने आई है। अनुपम ने हाल ही में सिंगल स्क्रीन पर गदर 2 देखी। इसके बाद उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए एक लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर की है। ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अनुपम ने ट्विटर हैंडल पर थिएटर से एक वीडियो और फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, अभी बांद्रा के गेइटी गैलेक्सी थिएटर में #गदर-2 देखी। पिछली बार मैं इस सिंगल स्क्रीन थिएटर में अपनी फिल्म #हम के प्रीमियर के लिए गया था। #गदर-2 न केवल स्क्रीन पर कलाकारों द्वारा बल्कि थिएटर में दर्शकों द्वारा भी महसूस की गई भावनाओं की सुनामी है। दरअसल अनुपम ने 32 साल बाद मुंबई के गेइ-टी गैलेक्सी थिएटर में जाके फिल्म देखी और रिव्यू भी दिया।

सनी देओल के बचाव में उतरीं कंगना, वायरस का बताया खतरा

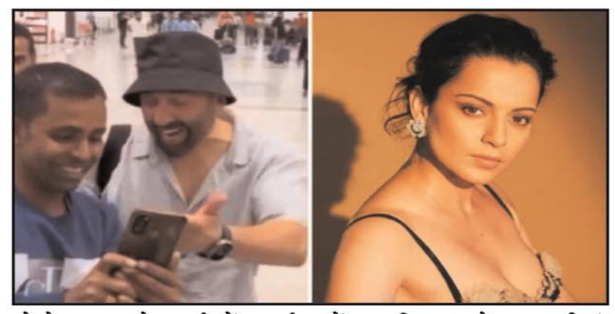

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर सनी देओल के बचाव में आई कंगना रनौत ने सैल्फी कल्चर को खतरनाक बताया है। कंगना ने कहा कि लोग इतने करीब आना चाहते हैं और हम वायरस की चपेट में आ जाते हैं। बता दें कि इन दिनों सनी देओल अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म गदर 2 को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में एक्टर के तारा सिंह के किर-दार को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, रियल लाइफ में भी सनी देओल को लेकर लोगों में खूब क्रेज देखने को मिल रहा है। इसी बीच, बीते दिनों एयरपोर्ट से सनी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक फैन उनके साथ सेल्फी लेने का प्रयास कर रहा था और एक्टर भड़क उठे थे। यह वीडियो वायरल होने के बाद उनकी खूब आलोचना हुई थी। वहीं, अब एक्ट्रेस कंगना रनौत इस वीडियो को लेकर एक्टर के समर्थन में आ गई हैं और साथ ही सेल्फी कल्चर पर अपना बयान दिया है।

दरअसल, ट्विटर पर एक यूजर ने सनी देओल को ट्रोल करते हुए लिखा था-पहली पीढ़ी के सितारों को ऐसा व्यवहार करते कभी नहीं देखा। हमेशा प्रसिद्धि और विशेषाधिकार के साथ बड़े हुए स्टार किड्स ही होते हैं, जो इस प्यार को हल्के में लेते हैं। चाहे वो शाहरुख हों या अमिताभ। हमेशा आभारी हूं। इस टिप्पणी पर कंगना रनौत ने सनी देओल का बचाव करते हुए लिखा, ऐसी कोई भी घटना कभी भी किसी के इरादों या व्यवहार का संकेत नहीं हो सकती और सेल्फी कल्चर भयानक है। लोग हमारे बहुत करीब आते हैं। हम सभी प्रकार के वायरल और वायरस के अधीन हो जाते हैं। प्यार की कई भाषाएं होती हैं, केवल सेल्फी और गले मिलना नहीं।

रजनीकांत ने आखिर क्यों छुए सीएम योगी के पैर? सुपरस्टार ने बताई वजह

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत फिल्म 'जेलर' के कारण सुर्खियों में हैं। जेलर फिल्म को देश में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। रजनीकांत शनिवार 18 अगस्त को उत्तर प्रदेश के दौरे पर थे। रजनीकांत ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान रजनीकांत ने योगी आदित्यनाथ के पैर छुए। इसे लेकर रजनीकांत को ट्रोल किया जा रहा था। इस पर रजनीकांत ने सफाई दी है। शनिवार को रजनीकांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पहुंचे। उस वक्त रजनीकांत के स्वागत के लिए योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। कार से बाहर निकलने के बाद रजनीकांत ने सबसे पहले योगी आदित्यनाथ के पैर छुए। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इसके बाद रजनीकांत के फैंस ने नाराजगी जाहिर की। चेन्नई एयरपोर्ट पर रजनीकांत से इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'आशीर्वाद लेना मेरी आदत है। चाहे कोई योगी हो या संन्यासी, भले ही वे मुझसे छोटे हों, उनके पैर छूना और आशीर्वाद लेना मेरी आदत है। मैंने यही किया।' वहीं, 11वें दिन फिल्म 'जेलर' ने 18 करोड़ रुपये की कमाई की। 'जेलर' ने देशभर में 280 करोड़ कमाए तो वर्ल्डवाइड 550 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। रजनीकांत की फिल्म जेलर को देश-दुनिया में फैंस से खूब रिस्पॉन्स मिल रहा है।

25 सितंबर को राघव संग सात फेरे लेंगी परिणति

मोस्ट लविंग कपल परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की वेडिंग डेट अब सामने आ गई है। ये खूबसूरत जोड़ी 25 सितंबर को सात फेरे लेने जा रही है। इस खबर के बाद फैंस और भी एक्साइटड हो गए हैं। कहा जा रहा है कि शादी राजस्थान में होगी। इसके बाद गुरुग्राम में रिसेप्शन रखा जाएगा। हालांकि, आधिकारिक तौर पर शादी की तारीख को लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया है। बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 13 मई 2023 में दिल्ली में कपूरथला हाउस में सगाई की थी। कपल की इंगेजमेंट की फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि परिणीति चोपड़ा अपनी शादी की तैयारी सितंबर के पहले हफ्ते में शुरू करेंगी और 25 सितंबर को राघव चड्ढ़ा का हमेशा के लिए हाथ थामेंगी।

सलमान की पूर्व गर्लफ्रेंड सोमी अली ने की कंगना की तारीफ

कंगना ने सोमी के वीडियो शेयर कर लिखा, मेरे पास उन लोगों के पंख और आत्मा हैं जो मेरे सामने चुपचाप सहते रहे, मेरे पास तुम्हारी आवाज है जो कभी नहीं उठी, मेरे पास तुम्हारी सच्चाई है जो कभी नहीं बताई गई।

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत अपने काम के अलावा बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। वह गलत बात पर किसी से भी पंगा लेने से कभी पीछे नहीं हटतीं। अपने विवादित बयानों को लेकर वह कई बार लोगों के निशाने पर भी आ जाती हैं, तब कइयों को कंगना का यह बिदास अंदाज काफी पसंद भी आता है। हाल ही में सलमान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली ने कंगना रनौत की तारीफ की, जिसका वीडियो क्वीन ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। कंगना ने सोमी के वीडियो शेयर कर लिखा, मेरे पास उन लोगों के पंख और आत्मा हैं जो मेरे सामने चुपचाप सहते रहे, मेरे पास तुम्हारी आवाज है जो कभी नहीं उठी, मेरे पास तुम्हारी सच्चाई है जो कभी नहीं बताई गई। वीडियो में सोमी कंगना की तारीफ कर कहती हैं कि मैं आपके आगे अपना सिर झुकाती हूं। कंगना एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो कभी चुप नहीं रहती हैं, वह हमेशा सच बोलती हैं और सच को सच ही बोलती हैं। जो भी उनके साथ ना इंसाफी होती है, वे कैमरे पर बोलती हैं। कभी भी हिचकिचाती नहीं हैं। हमेशा सच बोलती हैं। मैंने कंगना का एक इंटरव्यू देखा था जिसमें उन्होंने अपने आप को इतनी अच्छी तरह कैरी किया था, जिस तरह से उन्होंने बोला, सच बोला। सब खरा का खरा कर दिया था। जो इंडस्ट्री वाले हैं, वहां साफ बोल देती हैं। मैं इस बात से उनकी बहुत इज्जत करती हूं। सच बोलने वालों को इंडस्ट्री वाले पसंद नहीं करते हैं। बता दें, सोमी अली कई बार सलमान खान पर आरोप लगा चुकी हैं। इससे पहले कुछ इंटरव्यूज में सोमी ने दावा किया था कि वहां सलमान खान के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन सलमान ने उन्हें धोखा दिया। सोमी ये भी बता चुकी हैं कि वह भारत सिर्फ सलमान से शादी करने के लिए आई थीं, लेकिन सलमान से ब्रेकअप के बाद वह 1999 में यूएस चली गई थीं।

आदिल खान के आरोपों पर राखी सावंत का आया रिएक्शन

ड्रामा क्वीन राखी सावंत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके पति आदिल खान दुरानी छह महीने बाद जेल से बाहर आ गए हैं। जमानत पर जेल से छूटे आदिल ने अपने वकील के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने राखी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आदिल ने कहा कि राखी ने उनके न्यूड वीडियो बनाए, उन्हें ड्रग्स दिया। इन सभी आरोपों पर राखी ने प्रतिक्रिया दी है। आदिल खान ने दावा किया कि राखी ने अपने पहले पति को तलाक दिए बिना उससे शादी की। कुछ महीने पहले जब दोनों के बीच बहस हुई थी तो राखी ने कहा था कि उनका गर्भपात हो गया है। आदिल खान ने कहा है कि उनका गर्भाशय सर्जरी से हटा दिया गया है, इसलिए वह मां नहीं बन सकतीं।

आदिल के तमाम आरोपों पर राखी का रिएक्शन सामने आया है। मीडिया से बात करते हुए राखी सावंत ने कहा, 'आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं तुम्हारे सामने आऊंगी। मैं अभी थोड़ा व्यस्त हूं। लेकिन मैं सारे सबूत मीडिया के सामने लाऊंगी और इसे उजागर करूंगी। मैं जल्द ही कुछ वीडियो जारी करूंगी और सबकुछ बताऊंगी। मैं इस आदमी को बेनकाब कर दूंगी। उनके वीडियो पूरे देश को चौंका देंगे।' इसी बीच फरवरी में राखी ने अपने पति आदिल खान पर मारपीट और धोखा देने का आरोप लगाया था। इसके बाद आदिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

उन पर मैसूर में एक युवती ने छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया था। दोनों मामलों में आदिल पिछले छह माह से जेल में था। अब जमानत मिलने के बाद वह राखी के उस वक्त लगाए गए आरोपों के जवाब में नए-नए खुलासे कर रहे हैं।

ड्रीम गर्ल 2 में नजर आने वाली है अनन्या पांडे

बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अब आयुष्मान खुराना के साथ ड्रीम गर्ल 2 में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस को फिल्म की प्रमोशन के दौरान मीडिया से इंटरेक्ट करने का मौका मिला जिस-के चलते एक्ट्रेस ने एक स्टार किड होने पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि लोग अक्सर उन्हे एक स्टार किड होने के लिए ट्रोल करते हैं। लोग शायद भूल जाते हैं कि एक्टर्स भी इंसान ही है। आपको बता दे कि अनन्या, चंकी पांडे की बेटी हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वैसे तो वे इन सभी बातों पर ध्यान नहीं देती हैं, मगर इतनी मेहनत के बाद भी लोग ये सोचें कि आप सिर्फ एक स्टारकिड होने के कारण आगे बढ़ रहें हैं तो यह काफी तकलीफ देता है। बता दें कि साल 2019 में रिलीज हुई स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली अनन्या पांडे ने अब तक के सफर में ज्यादा फिल्मों में काम नहीं किया है, लेकिन आप इसे एक्ट्रेस की मेहनत कहो या उनका लक की अनन्या की अब तक की सभी फिल्में हिट रहीं हैं।

सूडोकु नवताल- 6530

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6529 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्दजाल- 7277

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं
य	म	र्जु	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रू
इं	र	ब	न	म	वा	स	क	त	ज	प
प	दा	ह	प्या	दा	तो	हो	दे	गो	र	त
ह	स	क	प	स	स	व	व	ण	गो	व
द	र	न	न	ट्रे	रू	ह	र	गो	विं	द
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'सिखो' के 10 गुरुओं के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

नानक देव, अंगद देव, अमरदास, रामदास, अर्जुनदास, हरगोविंद, हरराय, हरिकिशन, तेग बहादुर, गोविन्द सिंह

शब्दजाल - 7276 का हल

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	त्र	वे	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ट
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	ज	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6230

1	6	7			2	
6	31		28	3	30	1
5		3	4			7
	27	4	26		39	
2			1	6		4
	34	6	35		40	
3	7			5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6229 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	23	1	26	6	40	6
5	7	2	4	1	6	3
4	38	4	24	4	29	4
3	7	6	1	2	4	5
6	47	7	35	7	26	2
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रगनानंद चेस वर्ल्ड कप के फाइनल में : दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी फैबियानो को हराया ; ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय

बाकू।
भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद चेस के एफआईडीई वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारूआना को टाई-ब्रेक में 3.5-2.5 से हराया। यह टूर्नामेंट अजरबैजान के बाकू में खेला जा रहा है। प्रगनानंद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले विश्वनाथन आनंद के नाम यह रिकॉर्ड था। आनंद ने साल 2002 में इस वर्ल्ड कप को जीता था। फाइनल में अब प्रगनानंद क सामना दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से होगा। अगर प्रगनानंद ये जीत जाते हैं तो उन्हें 91 लाख रुपए मिलेंगे। टाई ब्रेकर में खिलाड़ी के पिछले मुकाबलों के स्कोर के आधार पर एक टाई ब्रेक स्कोर बनता है। इसमें बेहतर स्कोर वाले को विजेता घोषित किया जाता है।

7 महीने बाद कार्लसन से भिड़ेंगे - आर प्रगनानंद और मैग्नस कार्लसन के बीच हमेशा कांटे की टक्कर होती है। हेड टु हेड में मैग्नस कार्लसन आगे हैं। दोनों खिलाडियों के बीच अब तक 19 मुकाबले हुए हैं। इसमें से कार्लसन ने 8 और प्रगनानंद ने 5 मुकाबले जीते हैं। 6 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। आखिरी बार इस साल के जनवरी में उन्होंने कार्लसन से टाटा स्टील चैस चैंपियनशिप में ड्रॉ खेला था।

विश्वनाथन आनंद ने किया ट्वीट - चेस के लीजेंड विश्वनाथन आनंद ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स, जो पहले ट्विटर था, पर पोस्ट किया कि, प्रगनानंद फाइनल में पहुंच गया। उन्होंने टाईब्रेक में फैबियानो कारूआना को हराया और अब मैग्नस कार्लसन से उनका मुकाबला होगा। बहुत खूब।

भारत के ही खिलाड़ी को हरा कर सेमीफाइनल में बनाई थी जगह - प्रगनानंद ने सडन डेथ टाईब्रेक में भारत के ही अर्जुन एरिगैसी को 5-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की थी। प्रगनानंद ने पहले ही अगले साल के कैंडिडेट्स इवेंट में जगह पक्की कर ली है। टाईब्रेकर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा को हराने के बाद प्रगनानंद ने चेस विश्व कप के सबसे बड़े उलटफेर में से एक की शुरुआत की थी।

मुझे कार्लसन के खिलाफ खेलने की उम्मीद नहीं थी - प्रगनानंद - फाइनल में जगह पक्की करने के बाद प्रगनानंद ने कहा कि, मुझे इस टूर्नामेंट में मैग्नस के खिलाफ से खेलने की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, क्योंकि मैं उनके खिलाफ केवल फाइनल में ही खेल सकता था। मुझे फाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं थी।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम एशिया कप में सबसे उम्रदराजः हमारे 7 खिलाड़ी 30 साल से ऊपर, औसत उम्र 29; पाकिस्तान से 3 साल ज्यादा

मुंबई। एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो चुका है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज है।

भारतीय खिलाड़ियों की औसम उम्र 29 साल है। कप्तान रोहित शर्मा (36 साल 113 दिन) भारतीय टीम के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने अन्य टीमों में भी रोहित से ज्यादा उम्रदराज सिर्फ बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन (36 साल 141 दिन) हैं। नेपाल के गुलशन झा 16वें एशिया कप के सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। 22 साल की औसत उम्र के साथ उनकी टीम भी टूर्नामेंट की सबसे युवा टीम है। इस स्टोरी में हम एशिया कप में के लिए घोषित हो चुकी 4 टीमों की एज एनालिसिस पढ़ेंगे। यानी सभी टीमों में शामिल खिलाड़ियों की उम्र का लेखा-जोखा। श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमें घोषित नहीं हुई थी। लिहाजा उनके आकड़े इस स्टोरी में शामिल नहीं है। टीम इंडिया के 7 खिलाड़ी 30 साल की उम्र पार कर चुके हैं। रोहित के अलावा, विराट कोहली (34 साल), रवींद्र जडेजा 34 (साल), सूर्यकुमार यादव (32 साल) , मोहम्मद शमी (32 साल), केएल राहुल (31 साल) और शार्दूल ठाकुर (31 साल) 30 से ज्यादा बसंत देख चुके खिलाड़ी हैं। टीम में सबसे युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा हैं। वे अभी महज 20 साल के हैं। टीम की बैटिंग, बॉलिंग और ऑलराउंड तीनों यूनिट में 30 से ज्यादा उम्र के खिलाड़ी हैं।

एशेज सीरीज के दौरान चोटिल थे स्टीव स्मिथः खुलासे में बताया - लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान कलाई में सूजन थी, सीरीज में पेनकिलर इंजेक्शन लिए

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बैटर स्टीव स्मिथ ने खुलासा किया कि वह एशेज सीरीज के दौरान चोट

से जूझ रहे थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उनकी कलाई में चोट लग गई थी। सीरीज के लॉर्ड्स में हुए दूसरे टेस्ट में स्मिथ ने पहली पारी में 110 रन की शतकीय पारी खेली थी। स्मिथ ने बताया कि, इस पारी के दौरान 34 वर्षीय खिलाड़ी की बाईं कलाई की हड्डी में चोट लग गई थी। स्मिथ ने फॉक्स क्रिकेट को बताया कि, मैंने लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करने के बाद कलाई में परेशानी महसूस की। जब मैंने देखा तो मेरी कलाई में सूजन थी, तब मैंने सीराज के दौरान पेनकिलर इंजेक्शन लिए। सीरीज के बाद वापस ऑस्ट्रेलिया आने के बाद मैंने सोचा कि, मैं अभी ठीक नहीं हूं। अभी भी दिक्कतें आ रही है। मेरा स्कैन हुआ। इसमें मेरे हाथ के एक टिशू में घाव है। स्मिथ और मिचेल स्टार्क ने पिछले शुक्रवार को साउथ अफ्रीका दौरे से आखिरी समय में अपना नाम वापस लिया था। एशेज सीरीज के बाद स्टार्क की कमर में कुछ दर्द रह गया है और उन्हें ठीक होने के लिए ज्यादा समय चाहिए। ओवल में आखिरी एशेज टेस्ट में मैदान गिरने के कारण पैट कमिंस की बाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया था। कमिंस साउथ अफ्रीका में वनडे और टी-20 सीरीज में नहीं खेलेंगे लेकिन सेंचुरियन में चौथे वनडे से टीम के साथ शामिल होंगे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में स्टीव स्मिथ की जगह मार्नस लाबुशेन को मौका मिला है।

अगरकर ने बताया चहल को एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने का कारण, कुलदीप उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे

नई दिल्ली । लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को एशिया कप के लिए चयचिन 17 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल

नहीं किये जाने पर कई सवाल उठे हैं। चहल ने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया था। फिर भी उनकी अनदेखी हो रही है। इसी को लेकर अब चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर सामने आये हैं। अगरकर ने चहल को टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के गेंदबाजी लाइनअप में छह तेज गेंदबाजों के अलावा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा जैसे तीन स्पिनर शामिल किये गये हैं। अगरकर ने कहा कि टीम में दो कलाई के स्पिनरों के जरुरत नहीं रहती है। वहीं कुलदीप को इसलिए उनपर वरीयता दी गयी है क्योंकि वह कई मामलों में चहल से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चहल एक अच्छे खिलाड़ी हैं पर टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए ही हमें फैसला लेना होता है। अक्षर पटेल को इसलिए जगह मिली क्योंकि वह बल्लेबाज भी कर लेते हैं। इससे टीम को निचले स्तर पर एक बल्लेबाज का विकल्प भी मिल जाता है। कुलदीप ने हाल के दिनों में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है। कुलदीप अच्छी फॉर्म में भी हैं, उन्होंने 2022 की शुरुआत से 19 एकदिवसीय मैचों में 34 विकेट लिए हैं जबकि चहल ने इस साल केवल दो एकदिवसीय मैच में तीन विकेट लिए हैं।

एशिया कप की टीम इंडिया में 4 बड़ी खामियां

एक भी लेफ्ट आर्म पेसर, लेग स्पिनर और ऑफ -स्पिनर मौजूद नहीं ; नंबर 4 पर तीन खिलाड़ी

मुंबई।
एशिया कप के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में 17 सदस्यीय स्क्वॉड चुना गया है। संजू सैमसन बैकअप विकेटकीपर बनकर श्रीलंका जाएंगे, क्योंकि टीम में शामिल केएल राहुल अब भी इंजरी से पूरी तरह उबरे नहीं हैं। अगर राहुल टूर्नामेंट से बाहर हो गए तो उनकी जगह सैमसन को स्क्वॉड में शामिल कर लिया जाएगा। राहुल अगर पूरी तरह फिट नहीं हैं तो उन्हें टीम में चुनने का रिस्क क्यों लिया गया नंबर-4 पोजिशन पर बैटिंग करने वाले श्रेयस अय्यर अगर फिट हैं तो उनकी पोजिशन पर 2-2 खिलाड़ी क्यों हैं श्रीलंका में ज्यादातर पिचें स्पिनर्स के लिए मददगार हैं, बावजूद इसके टीम में एक भी लेग स्पिनर और ऑफ स्पिनर नहीं है। टीम में 6 पेसर भी रखे गए, लेकिन इनमें एक भी लेफ्ट आर्म पेसर नहीं है।

पॉसिबल प्लेइंग-11
रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल/ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव।

बेंच- सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, मोहम्मद शमी, प्रसिद्ध कृष्णा, अक्षर पटेल।

रिजर्व- संजू सैमसन।

राहुल शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे तो सैमसन बैकअप में क्यों - चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा कि केएल राहुल पूरी तरह फिट नहीं हैं और वह एशिया कप के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। वह वनडे में नंबर-5 पर बैटिंग करते हैं, अगर राहुल नहीं खेले तो उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलेगा। ईशान किशन ने पिछली 3 पारियों में 3 फिफ्टी लगाई, उनके नाम एक दोहरा शतक भी है। हालांकि ये स्कोर उन्होंने ओपनिंग करते हुए बनाए, जबकि राहुल अगर नहीं खेले तो ईशान को नंबर-5 पर आना पड़ेगा, जहां उन्होंने अब तक वनडे में बैटिंग नहीं की। नंबर-4 पर उन्होंने 6 पारियां जरूर खेलीं, लेकिन 21.20 की औसत

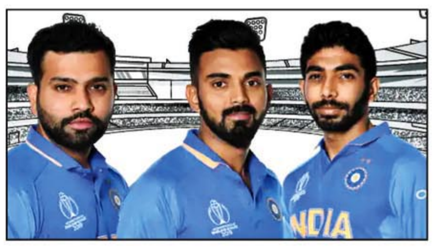

से 106 रन ही बना सके। यानी वह मिडिल ऑर्डर पोजिशन पर कमजोर हैं। संजू सैमसन बैकअप विकेटकीपर हैं, जो भारत के लिए 13 वनडे में से 10 बार नंबर-4 से नंबर-6 पर ही उतरे। इनमें उन्होंने 67 की औसत से 335 रन बनाए, जिनमें 3 फिफ्टी शामिल हैं। जबकि 2 बार नंबर-3 पर बैटिंग करते हुए वह 27.50 की औसत से 55 रन ही बना सके। यानी, सैमसन मिडिल-ऑर्डर में नंबर-4 से नंबर-6 की पोजिशन पर मजबूत हैं। केएल राहुल नहीं खेले तो टीम ईशान को प्लेइंग-11 में शामिल करेगी। अगर टीम उनसे ओपनिंग कराती है तो शुभमन, रोहित, विराट और श्रेयस को अपनी पोजिशन बदलनी होगी। ईशान अगर नंबर-5 पर उतरेंगे तो मिडिल-ऑर्डर कमजोर होगा, क्योंकि इस पोजिशन पर वह ज्यादा रन नहीं बना सके हैं, लेकिन सैमसन अगर टीम में रहते तो वह नंबर-5 पर ही आते और टीम को परेशानी नहीं होती। यानी, सैमसन प्लेइंग-11 में ईशान के मुकाबले ज्यादा संतुलन देते।

नंबर-4 पोजिशन पर श्रेयस फिट तो सूर्यकुमार और तिलक दोनों को मौका क्यों - टीम सिलेक्शन से पहले नंबर-4 की पोजिशन पर बैटिंग करने वाले प्लेयर का मुद्दा सबसे गर्म था क्योंकि श्रेयस अय्यर फिट नहीं थे। इसीलिए टीम ने सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को मौके दिए। श्रेयस अय्यर नंबर-4 की पोजिशन पर भारत के लिए 20 पारियों में 47.35 की औसत से 805 रन बना चुके हैं। कप्तान रोहित भी कह चुके हैं कि श्रेयस ही नंबर-4 पर टीम की पहली पसंद हैं। अब श्रेयस पूरी तरह फिट हैं तो नंबर-4 की पोजिशन पर बैटिंग करने के लिए टीम में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा दोनों ही क्यों चुने गए हैं सूर्यकुमार यादव टी-20 के शानदार बैटर हैं, लेकिन वनडे में उनकी परफॉर्मेंस निराशाजनक रही। नंबर-4 की पोजिशन पर वह 5 पारियों में 6 की औसत से 30 ही रन बना सके। उन्होंने मिडिल ऑर्डर में नंबर-7 तक की पोजिशन पर भी बैटिंग की, लेकिन वह 22 पारियों में 22.90 की औसत से 458 रन ही बना सके। टीम मैनेजमेंट और सूर्यकुमार खुद इस बात को मान चुके हैं कि वह वनडे फॉर्मेट में ढले नहीं हैं। इसके बावजूद उन्हें चुना गया, वो भी तब जब सैमसन के रूप में मिडिल ऑर्डर पर बैटिंग करने के लिए टीम के पास बेहतर ऑप्शन उपलब्ध था। तिलक वर्मा के सिलेक्शन को लेकर अगरकर ने कहा कि वह टीम में लेफ्ट हैंड बैटर को ट्राई करना चाहते हैं। तिलक ने अब तक वनडे डेब्यू नहीं किया है, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने टी-20 में अपनी क्षमता दिखा दी। तिलक ऑफ स्पिन बॉलिंग भी कर लेते हैं, ऐसे में उनका सिलेक्शन तो लॉजिकल है, लेकिन श्रेयस के होने पर टीम उन्हें प्लेइंग-11 में कैसे रखेगी और अगर तिलक प्लेइंग-11 में आ भी गए तो वह किस पोजिशन पर बैटिंग करेंगे और वह किसकी जगह लेंगे

ऑफ स्पिनर और लेग स्पिनर को जगह क्यों नहीं - एशिया कप श्रीलंका और पाकिस्तान में होगा। भारत को सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं, जहां आम तौर पर स्पिनर्स को मददगार पिचें मिलती हैं। 17 सदस्यीय भारतीय स्क्वॉड में 3 ही स्पिनर्स हैं। तीनों ही बाएं हाथ से बॉलिंग करते हैं। रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स बॉलर हैं, जबकि कुलदीप यादव लेफ्ट आर्म रिस्ट स्पिन फेंकते हैं। टीम में रविचंद्रन अश्विन की तरह ऑफ स्पिनर और युजवेंद्र चहल की तरह लेग स्पिनर को जगह नहीं मिली। पाकिस्तान की एशिया कप टीम में 5 लेफ्ट हैंड बैटर्स हैं, इनमें भी 2 तो टॉप-3 पोजिशन में ही बैटिंग करते हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश में भी लगभग इतने लेफ्ट हैंड बैटर्स हैं। बाएं हाथ के बैटर्स को ऑफ स्पिनर्स के खिलाफ परेशानी होती है, ये बैटर्स जडेजा-अक्षर जैसे स्पिनर्स को आसानी से खेल लेते हैं। बावजूद इसके टीम इंडिया में एक भी फुल टाइम ऑफ स्पिनर नहीं है।

शिफ्त कौर समरा ने दिलाया ओलिंपिक-2024 का छठा शूटिंग कोटा

आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रही, चैंपियनशिप में 12 इवेंट के 48 कोटा दांव पर

बाकू।
भारत की निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में विमेंस 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन इवेंट में पांचवें स्थान पर रहकर भारत को छठा पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। इसमें 5 राइफल इवेंट और 1 शॉटगन इवेंट शामिल है। समरा ने क्वालीफिकेशन राउंड के अंत में 589 पॉइंट्स हासिल कर पांचवें स्थान पर आने के लिए कड़ा संघर्ष किया। उनका नीलिंग में स्कोर 192 था और उन्होंने प्रोन और स्टैंडिंग में शानदार 199 और 198 पॉइंट्स हासिल किए। फाइनल में समरा शुरुआत में नीलिंग में आठवें पोजीशन पर खिसक गईं, लेकिन प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में अच्छा प्रदर्शन पर समरा पांचवें स्थान पर पहुंच गई। चीन के झांग कियोनग्यू (465.3) ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि उनके ही देश के हान जियाये (463.5) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। अमेरिका की सेगेन मैडालेना 451.9 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भारतीय शूटर अखिल श्योराण ने भारत को 11वां ओलिंपिक कोटा दिलाया था। उन्होंने बाकू में चल रही वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप के मेंस 50 मीटर 3 पोजिशन इवेंट में ब्रॉन्ज जीता था। इतना ही नहीं, वे मेंस 50 मीटर 3 पोजिशन राइफल टीम इवेंट की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे। श्योराण ने शूटिंग में भारत को 5वां ओलिंपिक कोटा दिलाया। इससे पहले, इस इवेंट में स्वप्निल कुसले ने पिछले साल क्रोएशिया वर्ल्ड कप में पहला कोटा दिलाया था। 21 साल की खिलाड़ी ने इस महीने की शुरुआत में चीन के चेंगदू में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में विमेंस 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन इवेंट में गोल्ड जीता था। कौर ने फाइनल में 429.1 का स्कोर किया था। समरा ने इंटरनेशनल लेवल पर पहला इंडिविजुअल मेडल इस साल मार्च में भोपाल में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में जीता था।

लुसैल स्टेडियम में खेला जाएगा एएफसी एशियाई कप का फाइनल, इसी मैदान पर मेसी की टीम बनी थी चैंपियन

नई दिल्ली ।
पिछले साल विश्व कप फाइनल की मेजबानी करने वाला ऐतिहासिक लुसैल स्टेडियम एएफसी एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले और फाइनल मैच की मेजबानी करेगा। स्थानीय आयोजन समिति ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जनवरी को गत चैंपियन कतर और लेबनान के बीच ग्रुप ए के मैच के साथ होगी। फाइनल 10 फरवरी को खेला जाएगा। इसी मैदान पर लियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना की टीम विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को हराकर पिछले साल चैंपियन बनी थी। भारतीय टीम को 2015 के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान और सीरिया के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। कतर में 2022 फीफा विश्व कप के लिए उपयोग किए जाने वाले छह स्थानों पर मैच आयोजित किए जाएंगे। इनमें अल बायत, अल जनौब, अल थुमामा, अहमद बिन अली, एजुकेशन सिटी और खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम है। इसके अतिरिक्त जसीम बिन हमद और अब्दुल्ला बिन खलीफा भी मैचों की मेजबानी करेंगे।

आयोजन समिति को धमाकेदार टूर्नामेंट की उम्मीद

एएफसी एशियन कप कतर 2023 स्थानीय आयोजन समिति के सीईओ जसीम अल जसीम ने कहा, मैच शेड्यूल में एशिया की सबसे बड़ी टीमों के

बीच कुछ रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। एक बार फिर हमारे स्टेडियम जोश और उत्साह से जीवंत हो उठेंगे, क्योंकि पूरे महाद्वीप से दर्शक एशियाई कप के लिए कतर पहुंचेंगे। हम तीसरी बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करके रोमांचित हैं और हमें विश्वास है कि यह टूर्नामेंट का अब तक का सबसे अच्छा संस्करण होगा।

कतर दो बार कर चुका है एएफसी एशियाई कप की मेजबानी

कतर ने पहले 1988 और 2011 में टूर्नामेंट की मेजबानी की है और 2019 संस्करण जीतकर गत चैंपियन है। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें और चार सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमें 16 के राउंड में आगे बढ़ेंगी।

बैडमिंटन बीएफडब्लू वर्ल्ड चैंपियनशिप : एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन अगले राउंड में पहुंचे, किदांबी श्रीकांत बाहर

कोपेनहेगन।
स्टार भारतीय शटलर एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन डेनमार्क के कोपेनहेगन में चल रही वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स इवेंट के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं, वहीं किदांबी श्रीकांत पहले ही दौर से बाहर हो गए हैं। मेंस सिंगल्स इवेंट में प्रणय ने फिनलैंड के कैले कोलजोनेन को 24-22, 21-10 से हराया, जबकि सेन ने मॉरीशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल को 21-12, 21-7 से सीधे गेम में हराया। अब उनका सामना इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो से होगा।

कोलजोनेन से लगातार तीसरी बार जीते प्रणय - वर्ल्ड नंबर-9 प्रणय ने लगातार तीसरी बार फिनिश खिलाड़ी कोलजोनेन को हराया। प्रणय और कोलजोनेन के बीच मैच शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच शुरू होने के बाद फिनिश खिलाड़ी ने 8-4 की बढ़त बना ली, लेकिन प्रणय ने लगातार 7 अंक लेकर 11-8 की बढ़त हासिल कर ली। प्रणय ने गेम जारी रखा और जीत हासिल की। दूसरे गेम की शुरुआत बराबरी पर हुई, तब प्रणय 6-5 की मामूली बढ़त पर थे। इसके बाद भारतीय ने जल्द ही ब्रेक पर सीधे स्मैश के साथ 6 अंकों अर्जित किए और बढ़त का

लक्ष्य सेन

फासला बढ़ाया। आगे भारतीय स्टार ने अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी करने का मौका नहीं दिया।

25 मिनट में जीते सेन - सेन को अपने प्रतिद्वंद्वी पॉल को आसानी से हराया। उन्होंने पहले गेम में 11-3 की बढ़त हासिल की, हालांकि पॉल इसे 8-12 करने में सफल रहे, पर भारतीय शटलर ने जल्द ही शानदार प्रदर्शन कर गेम अपने नाम कर लिया। सेन ने दूसरे गेम में एकतरफा 13-2 की बढ़त हासिल कर ली। आखिर में सेन ने 21-7 से मैच अपने नाम कर लिया।

रोहन और रेड्डी बाहर - 33वीं रैंकिंग वाले रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने 59 मिनट तक चले मैच में स्कॉटलैंड के एडम हॉल और जूली मैकफेरसन से 14-21, 22-20, 18-21 से हार गई।

आयरलैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम . आवेश , जितेश और मुकेश को मिल सकता है अवसर

डबलिन ।
भारत और आयरलैंड की टीमें बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 में उतरेंगी। भारतीय टीम ने पहले दोनो ही मैच जीते हैं। ऐसे में उसे 2-0 की बढ़त मिली हई है। अब भारतीय टीम इस तीसरे मैच को जीतकर 3-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेगी। पहले दोनो ही मैच में भारतीय टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में विरोधी टीम पर हावी रही है। ऐसे में इस मैच में उन रिजर्व खिलाड़ियों आवेश खान, जितेश शर्मा और शाहबाज अहमद को अवसर मिल सकता है जो अवसर मिल सकता है। जो अभी तक बाहर रहे हैं। वहीं कप्तान जसप्रीत बुमराह ने इस सीरीज से अच्छी वापसी की है पर आगामी विश्वकप को देखते हुए उन्हें इस मैच में गेंदबाजी के अपने कार्यभार और टीम की 'बेंच स्ट्रैंथ के साथ तालमेल बनाना होगा। बुमराह ने पहले दोनों मैचों में आठ ओवर किए जिनमें वह

सहज नजर आए। बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने भी वापसी के बाद से ही अब तक अच्छी गेंदबाजी की है। इस सीरीज से भारतीय खिलाड़ियों को एशिया कप के पहले भी लय हासिल करने का अवसर मिला है। बुमराह और कार्यवाहक कोच सितांशु कोटक के पास इस दौरे पर गए रिजर्व खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए इस मैच में अच्छा अवसर है क्योंकि सीरीज पहले ही भारतीय टीम के कब्जे में आ गयी है।

तेज गेंदबाज आवेश को इससे पहले वेस्टइंडीज सीरीज में भी अवसर नहीं मिला था। वह लगातार सात मैचों से बैंच पर हैं। ऐसे में अगर उन्हें बाहर रखा जाता है तो उनका मनोबल टूटेगा। इसी प्रकार इस मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की जगह पर जितेश शर्मा को अवसर मिलने की भी संभावना है।

जितेश भी काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अपना दावा पेश कर रहे हैं। वह विकेटकीपर होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को लगातार मौके मिले हैं, इसलिए इस मैच में उन्हें आराम देकर उनकी जगह पर आवेश या मुकेश कुमार को अवसर दिया जा सकता है।

रिंकू सिंह ने दूसरे मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में वह एक फिनिशर की भूमिका निभा सकते है। रिंकू के अलावा यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड भी अच्छा प्रदर्शन जारी रख भारतीय टी20 टीम में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। वहीं दूसरी ओर मेजबान आयरलैंड इस मैच को जीत कर अपनी प्रतिष्ठा बचाना चाहेगी हालांकि ये इतना आसान नहीं है। वह भारतीय टीम के सामने अब तक किसी भी क्षेत्र में नहीं टिक पायी है। जीत के लिए उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं।

भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई

आयरलैंड : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, लोर्कन टकर (विकेटकीपर), हैरी टेक्टर, कर्टिस कैम्फर, जॉर्ज डॉकरेल, मार्क अडायर, बैरी मैक्कार्थी, क्रेग यंग, जोशुआ लिटिल, बेंजामिन व्हाइट

विकलांगता भी बाधा नहीं...

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले, अंधा देखे, लंगड़ा चल कर पहुंचे काशी रे।

अर्थात् हे प्रभु जब तेरी दया का द्वार खुलता है तो गूंगा भी पंचम स्वर में बोलने या गाने लगता है, अंधा देखने लगता है और एक लंगड़ा व्यक्ति भी चलकर काशी जा पहुंचता है। कहने का तात्पर्य ये है कि जब प्रभु की दया का द्वार खुलता है तो असंभव भी संभव हो जाता है। कैसे खुलता है उस प्रभु की दया का द्वार? कहां है हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर? हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर वास्तव में हमारे अंदर ही विराजमान है। वह हमारी इच्छाशक्ति से ही जाग्रत होता है। उसकी कृपा का द्वार हमारी इच्छाशक्ति की खटखटाहट से ही खुलता है। सगुण-साकार अथवा निर्गुण-निराकार प्रभु की प्रार्थना करके हम अपनी असीमित सुप्त मानसिक शक्तियों को ही जगाते हैं। यह अपने विश्वास को पुष्ट करने का ही एक मार्ग है। वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न सात्त्विक इच्छाओं का चयन करके हम अपने जीवन में हर खुशी प्राप्त कर सकते हैं। उत्कृष्ट इच्छाशक्ति द्वारा हम असंभव से लगने वाले कार्यों को करने में सक्षम हो जाते हैं। कुछ ऐसी ही उत्कृष्ट इच्छाशक्ति थी विल्मा रुडोल्फ नामक एक पोलियोग्रस्त बालिका में जो विश्व पटल पर तेज धाविका के रूप में अपना नाम अंकित करवाना चाहती थी। वर्ष 1960 में इटली की राजधानी रोम में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सारे विश्व की निगाहें टिकी हुई थीं क्योंकि इन ओलम्पिक खेलों में विल्मा रुडोल्फ भी भाग ले रही थी।

बच्चे को ऐसे बनाएं स्मार्ट...

आप अपने बच्चे को स्मार्ट बनाना चाहती हैं? तो यह काम अब मजाक-मजाक में ही हो जाएगा। हाल की स्टडी में यह बात सामने आई है कि बच्चों से दोस्ताना व्यवहार उनके दिमागी विकास में काफी कारगर है। आपका रोजाना का हंसी मजाक आपके बच्चे को तेज दिमाग बना सकता है। स्टडी में यह पता चला कि बच्चों से हंसी-मजाक करने से बच्चे को दिमाग विकसित होता है वो धीरे-धीरे मजाक और डांट में फर्क समझने लग जाते हैं। एक बार फर्क समझ आने के बाद वो पैरेंट्स के बिहेवियर में फर्क को भी समझना शुरू कर देते हैं। बच्चों के लिए खेल बहुत जरूरी होता है। खेल बच्चे के दिमागी विकास में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। जो पैरेंट्स बच्चों के साथ नाटक और जोक करते हैं वो अपने बच्चों के दिमाग में जल्द विकास देखते हैं। क्योंकि वो बच्चे मजाक और सच्चाई में फर्क समझने में सक्षम हो जाते हैं। इन सबके साथ यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह के जोक अपने बच्चे से करते हैं। थोड़ा अलग और क्रिएटिव पैरेंट बनिए और अपने बच्चे को इंटेलिजेंट बनाइए। मजाक-मजाक में अपने बच्चों को वो चीजें सिखाइए जो वो सीखने से कतराता हो।

लाड़ली को सिखाएं ये बातें...

पैरेंट्स होने के नाते बच्चों को बेहतर इंसान बनाना आपका फर्ज है। इस समय में बच्चों को खुद की सुरक्षा के प्रति सजग रहना सिखाना सबसे जरूरी है। खासकर लड़कियों के मामले में। अपनी मासूम बेटी को बढ़ती उम्र में उसकी जिंदगी और बाहर की दुनिया के बारे में जरूरी सीख देना बेहतर पेरेंटिंग का हिस्सा है। आजकल लड़कियों के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं इस बारे में उससे खुल कर बात करें और जरूरी लगे तो उसे सेल्फ प्रोटेक्शन के लिए ट्रेनिंग भी दिलवाएं। अपनी बेटी को स्वाभिमानी बनाएं। उसे यह बताना बहुत जरूरी है कि वह जैसी है सबसे बेहतर है। स्वाभिमान उसमें आत्मविश्वास जगाएगा। बेटी को यह जरूर सीखाएं की अपने काम किसी और पर न थोंपे। जितना हो सके खुद अपने आप पर निर्भर बने। उसे अपने पैरों पर खड़े होने की अहमियत समझाए ताकि आगे चलकर उसे किसी तरह की परेशानी न हो।

...तो बच्चा बनेगा जीनियस

अगर आपका बच्चा मुश्किल से स्कूल से कोई सबक याद कर पाता है तो चिंता की बात नहीं है, आप अपने बच्चे को टोस्ट, कॉफी और स्वादिष्ट रोल में दालचीनी खिला कर उसके सीखने की क्षमता में सुधार कर सकती हैं। भारतीय मूल के एक शोधकर्ता के नेतृत्व में चूहों पर हुए एक अध्ययन के अनुसार, दालचीनी के सेवन से कमजोर स्मृति वाले चूहों में बेहतर और सामान्य स्मृति वाले चूहों में अच्छे स्मृति स्तर देखने को मिले। अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कालीपद पहान के मुताबिक कमजोर छात्रों को बेहतर छात्र बनाने के लिए यह सबसे सुरक्षित और आसान तरीका हो सकता है।

एक वक्त था, जब लोग सिर्फ सफेद बालों को छुपाने के लिए बालों को रंगते थे, लेकिन आजकल बालों को अलग-अलग रंग कराना फैशन बन गया है। हर कोई अपने लुक को बदलने के लिए अलग-अलग तरह के कलर करवा रहे हैं। कुछ लोग महंगे सलून में जाकर हेयर कलर करवाते हैं, कुछ लोग घर पर ही कलर करते हैं, लेकिन आपने कभी सोचा है कि गलत तरीके से बालों को कलर करना बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

हेयर कलर कराते समय न करें गलतियां...

बालों में कलर करने का चलन पिछले कुछ सालों में तेजी के साथ बढ़ा है। एक आंकड़े के मुताबिक करीब 75 फीसदी महिलाएं अपने बालों में रंग कराती हैं। आजकल बालों को कलर करने के लिए बाजार में बहुत सारे शेड मिलते हैं, जैसे, सेमी परमानेंट और परमानेंट हेयर कलर। सेमी परमानेंट कलर कुछ समय बाद बालों को शैंपू करने से निकल जाता है। वहीं दूसरी तरफ परमानेंट हेयर कलर कुछ हफ्तों तक आराम से चलता है। आप वहीं कलर चुनें जो आपकी स्किन टोन पर सही लगता हो। कितनी महिलाएं हैं जो अपने बालों को कलर करवाती हैं। कई को यह पता ही नहीं होता कि कौन-सा कलर उन पर जमेगा, बाल कलर करने के लिए क्या करना चाहिए, बाल कलर कराने के क्या-क्या फायदे-नुकसान हैं, किन बातों का ध्यान रखें इत्यादि।

बालों को कलर कराना आज का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। आज महिलाएं बालों पर नए-नए प्रयोग करने से भी नहीं चूकतीं, लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। जरा-सी लापरवाही से आप अपने अच्छे बालों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बालों को कलर करवाने से पहले आपको एलर्जी का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि कई बार कुछ कलर या डाई बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में यदि आपको अमोनियायुक्त डाई सूट न करें तो आप प्रोटीनयुक्त डाई का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके लिए आप हेयर एक्सपर्ट या ब्यूटी पार्लर में जाकर परामर्श ले सकती हैं।

व्यक्तित्व का ध्यान रखें

हेयर कलर करवाने वालों को बाद में त्वचा संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे बालों की कोमलता जाने का डर, बाल जल्दी सफेद होना इत्यादि। हेयर कलर में मिला अधिक अमोनिया बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हेयर कलर कई तरह के हो सकते हैं जैसे बरगंडी, डार्क ब्राउन, रेड कलर, नेचुरल, गोल्ड, चॉकलेट, चेरी ब्राउन, रेड इत्यादि। कलर का चयन करते समय आप अपने व्यक्तित्व का ध्यान जरूर रखें। बालों को घर पर ही कलर कर रही हैं तो हाथों में दस्तानों का प्रयोग जरूर करें और आंखों का खासतौर पर ध्यान रखें। डाई के किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव से बचने के लिए आपको पहली बार किसी अनुभवी व्यक्ति से ही बाल कलर करवाना चाहिए। बालों को कलर करने से पहले उन्हें पहले धोकर सुखा लें और बालों को कंघी के एक सिरे से उठाते हुए कलर करें। यदि आप खुद बालों को कलर करती हैं तो उसके बाद बालों में शैंपू और कंडीसनर करना न भूलें। हेयर स्पा और सीरम ट्रीटमेंट तो किसी अनुभवी व्यक्ति से ही करवाना चाहिए। यदि आप पहली बार घर पर ही बालों को कलर कर रही हैं तो बालों को डाई करने वाले पैकेट पर लिखे दिशा-निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें।

क्वॉलिटी पर दें ध्यान

आमतौर पर हेयर कलर बालों में चमक लाने, नया लुक पाने, सफेद बालों की परेशानी को दूर करने, बालों को पहले से बेहतर बनाने और बालों में जान डालने के लिए किया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हेयर कलर हमेशा अच्छी क्वॉलिटी का ही प्रयोग करें। यदि आप घुंघराले बालों को स्ट्रेट कराना चाहती हैं तो कलर करवाने के 15-20 दिनों के बाद ही ऐसा करवाएं। एक साथ दोनों काम कराने पर बालों पर केमिकल का दबाव अधिक पड़ता है। इससे बाल खराब हो सकते हैं। यदि आप व्यस्त दिनचर्या वाली हैं तो आपको हल्के हेयर कलर का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचने देगा। बालों पर कलर करवाने के लिए विश्वस्त तथा गुणवत्तापूर्ण पार्लर को ही चुनें। यदि आपको किसी तरह की एलर्जी, डैंड्रफ या अन्य तकलीफ है, तो कलर करवाने से बचें। सोच-समझकर डाई करवाएं क्योंकि एक बार रंग चढ़ने के बाद उसे उतारने में बालों को नुकसान होता है। इससे बाल टूटते और झड़ते भी हैं।

दो मुंहे बाल

कलर करवाने से पहले दो मुंहे बाल चेक करें, और इन्हें ट्रिम करवा लें। हेयर कलर करने से दो मुंहे बाल रूखे दिखाई देते हैं। कलर करवाने से पहले अपने बालों को एक रात पहले ही धो लें। ज्यादा साफ और गंदे बाल, दोनों ही चीजें हेयर कलर का सही शेड छुपा सकते हैं।

हैड मसाज

कलर करवाने से 3 दिन पहले बालों में गुनगुने तेल से मालिश करें, इससे कलर अच्छी तरह से चढ़ेगा। अगर आप घर पर ही अपने बालों को रंगने वाली हैं तो अमोनिया, कोलतार और लेड जैसे कैमिकल वाले कलर से बालों को डाई न करें क्योंकि इससे बाल खराब हो सकते हैं।

बाद में क्या करें

कलर करवाने के बाद बालों को 48 घंटों तक शैम्पू से न धोएं, जिससे कलर अच्छी तरह से बालों में समा जाए। जब भी बाल धोएं तो ऐसे शैंपू का इस्तेमाल करें जो कलर वाले बालों के लिए बनाया गया हो। बालों को धूप की किरणें काफी नुकसान करती हैं इसीलिए धूप में जाते वक्त बालों को ढ़क कर रखें।

कैसे पानी से धोएं बाल

बालों को धोने के लिए हल्के गरम या ठंडे पानी का ही प्रयोग करें क्योंकि बहुत ज्यादा गरम पानी बालों का रंग उड़ा सकता है। कलर करवाने के हर 2 हफ्ते बाद बालों को प्रोफेशनल हेयर स्पा ट्रीटमेंट दें। इससे बालों में नमी बरकरार रहेगी और कलर भी वैसे का वैसा ही बना रहेगा।

कुछ समय धूप से बचाएं

जब बालों को कलर करवाया हो तो कुछ समय तक सिर पर कपड़ा रख कर चले। कलर बालों को कुछ समय तक धूप से बचाने के लिए बाहर जाते समय सर पर कपड़ा रख कर चले।

कैसे पहचाने रिएक्शन को

हेयर डाई से होने वाला एलर्जिक रिएक्शन मामूली असर वाला या फिर गंभीर दोनों हो सकता है। बालों में कलर करने के बाद यदि आपको सिर की त्वचा में मामूली जलन या सनसनाहट महसूस होती है तो यह एलर्जी की शुरुआत होती है। यदि कलर करने के बाद आपके माथे, कान, गर्दन के पीछे सूजन और आंखों में जलन की शिकायत होती है तो यह एलर्जी का गंभीर मामला होता है। आप को तुरंत डाक्टर को दिखाना चाहिए।

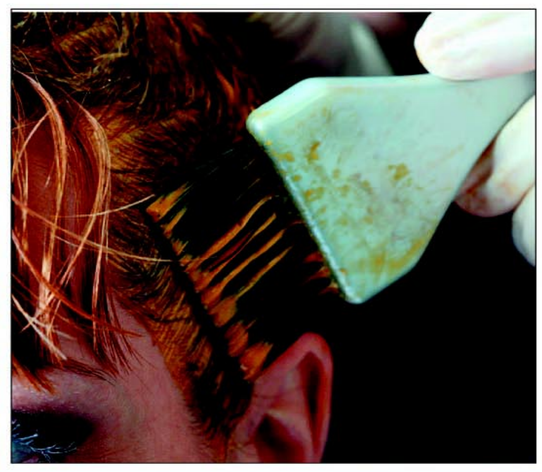

ऐसे बचें एलर्जी से

कुछ सावधानी बरत कर हेयर डाई से हो सकने वाले नुकसान से बच सकते हैं। ऐसा करने से आपके सिर के बाल ज्यादा समय तक ठीक रहेंगे। जब भी आप किसी नए ब्रांड को इस्तेमाल करें तो पहले उसके बारे में अच्छे से जानकारी कर लें। ऐसा देखा गया है कि कई बार कुछ लोग कलर बदलने से एलर्जी का शिकार हुए हैं। कोशिश करें कि आप लगातार एक ही अच्छा ब्रांड उपयोग करें। एलर्जिक अटैक से बचने के लिए पैच टेस्ट अच्छा उपाय है। पैच टेस्ट, किसी प्रोडक्ट के प्रति आपकी त्वचा की संवेदनशीलता को दर्शाता है। इसके साथ ही आपको एलर्जिक रिएक्शन से भी बचाता है। हेयर डाई का मिश्रण बनाते समय लेबल पर दिए गए निर्देशों को पढ़ लें। कान के पीछे का हिस्सा सबसे ज्यादा संवेदनशील होता है। यह किसी भी प्रकार के एलर्जिक रिएक्शन के लक्षणों को तुरंत दिखाता है। आप रुई के टुकड़े को हेयर डाई के मिश्रण में डुबाकर कान के पीछे लगा लें। इसे 10 घंटे तक लगाकर रखने से आप एलर्जी के प्रकोप से बचे रहेंगे।यदि आप हेयर डाई को निर्धारित समय से ज्यादा लगाकर रखते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकती है। यदि आपको एलर्जिक रिएक्शन होने का खतरा लगता है तो किसी भी परेशानी से बचने के लिए पानी की धार से अपने बालों को धो लें। इससे हेयर कलर आपके बालों से साफ हो जाएगा।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- महिलाएं कई बार आप फैशन में आकर बालों को कलर तो करवा लेती हैं, लेकिन बाद में उनका कलर बड़ी जल्दी फेड हो जाता है। उन्हें लगता है कि यह ब्यूटीशियन की गलती है। इसलिए कलर करवाने से पहले आप कुछ बातों को जान लें।
- बालों में लंबे समय तक कलर को बनाएं रखने के लिए आप कलर प्रोटेक्टिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते समय शैंपू या कंडीशनर का इस्तेमाल करना बंद करना पड़ेगा।

- 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर में आधा कप पानी मिला लें और बालों को धो लें। इससे आपके बालों में लगा कलर और भी अधिक गहरा हो जाएगा।
- बालों को बार-बार ना धोएं, ऐसा करने से बालों का कलर निकल जाता है। बालों के रंग को लंबे समय तक टिकाने के लिए आप कम से कम शैम्पू करें।
- बालों की माह में एक बार डीप कंडीशनिंग करें और प्रत्येक शैम्पू के बाद कंडीशनर का उपयोग करें।
- बालों को कलर करवाने के लिए जरूरी है कि आप 4-5 महीने पहले बालों में मेहंदी न लगाएं।
- कलरिंग के बाद डैंड्रफ शैंपू के प्रयोग से परहेज करें। दरअसल, डैंड्रफ शैंपू में मौजूद केमिकल्स बालों से कलर उड़ा सकते हैं।
- हफ्ते में एक बार बालों में तेल लगाएं। बाल सुखाने के लिए ड्रायर का प्रयोग नहीं करें।
- हेयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर चेक कर लें, नहीं तो बालों पर इसके दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

पैरों की सेहत का रखें ध्यान

पैर हमारे लिए क्या कुछ नहीं सहते। ऐसे में पैरों की सही देखभाल करना हमारा दायित्व बनता है। जानिए कैसे हम अपने पैरों की सही तरीके से देखभाल कर सकते हैं। हमारे हाथों की तुलना में पैरों की त्वचा अधिक मोटी होती है जिसकी रोजाना देखभाल नहीं करने से यह समय के साथ गंदी हो जाती है। अनेक लोगों को फटी एड़ियों की समस्या का सामना करना पड़ता है जो लम्बे वक्त में पैरों के स्वास्थ्य पर ध्यान न देने के कारण होती है।

माइश्चराईजिंग: हमारे पैरों की डेड त्वचा सेल्स को एक्सफॉलिएटेड करने की जरूरत होती है और नियमित माइश्चराईजिंग त्वचा को सूखने से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण है अन्यथा पैरों में बिवाईयां फट सकती हैं जिनमें खून भी आ सकता है। आपके पैरों की माइश्चराईजिंग चेहरे की देखभाल जैसी महत्वपूर्ण है। हर बार स्नान के वक्त पैरों को अच्छी तरह धोने या स्क्रब करने की आदत डालें। इससे आपके पैरों की केयर आसान हो जाती है।

चलने का स्टाइल: पैरों की त्वचा के साथ फ्रिक्शन की संभावना ज्यादा होती है जिसके लिये सही तरीके से फिट न होने वाले जूते या चलने का गलत स्टाईल जिम्मेदार होता है। पैर के तलुवे पर एक ही बिन्दु पर लगातार दबाव पड़ने से कॉर्न और कॉलस विकसित हो जाते हैं त्वचा कड़ी हो जाती है और बाद में इसमें दर्द हो सकता है।

प्यूमिस स्टोन से स्क्रब: झांवा पत्थर यानी प्युमिस स्टोन से पैरों की स्क्रबिंग करना डेड सेल्स को हटा सकता है और पैरों में समस्याएं उत्पन्न होने की रोकथाम में मदद करता है। प्युमिस स्टोन या फुट स्क्रब से स्क्रबिंग करके कार्न्स और कॉलसेज से बचाव करें यह डेड त्वचा को हटाने में मददगार है जो बाद में कड़ी और मोटी होना शुरू हो जाती है और चलने-फिरने के समय दर्द उत्पन्न करती है।

तलुवों की देखभाल

पैरों के तलुवों को मुलायम रखने के लिये इनमें कोई ऑयल ग्लैंड्स नहीं होतीं इसलिए किसी क्रीम को नियमित लगाने का रूटीन बनाना जरूरी है। यदि आपके पैर अत्यंत सूखे हैं और त्वचा कटी-फटी है तो रात में सोने जाने के वक्त किसी हैवी ड्यूटी मॉइश्चराईजर या पेट्रोलियम जेली का अच्छी तरह प्रयोग करें और बेहतर अवशोषण के लिये इसे कॉटन सॉक्स से कवर करें।

जूते हों सही

सही तरह से फिट आने वाले जूते पहनें क्योंकि ढीला या ज्यादा कसा जूता आपके पैरों को सही तरह से सहारा न देकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। नये जूतों की खरीदारी दोपहर के काफी बाद या शाम के वक्त करें क्योंकि कुछ एक्सपर्ट मानते हैं कि दिन के दौरान हमारे पैरों में कुछ सूजन आ जाती है।

हाइजीन का ध्यान

हमारे पैरों में फंगल इंफेक्शन होने की आशंका ज्यादा होती है और इससे बचाव के लिए हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पैरों को कभी भी गीला नहीं रखना चाहिए इन्हें अच्छी तरह से खासकर अंगूठों के बीच की जगह को सुखा लेना चाहिए। पैरों के नाखून नेल कटर की सहायता से सही तरह से काटने चाहिये। पैर दर्द करते हैं तो आप इन्हें सी सॉल्ट मिले गुनगुने पानी में डुबो सकते हैं। इससे दर्द से राहत मिलती है। अपने पैरों को रिलैक्स करने के लिये आप हाथों से हल्के गूंधते हुए तलुवों की मसाज कर सकते हैं। हल्के से हाथों को घुमाने और सॉफ्ट मसाज से आपके पैरों को रिलैक्स होने में मदद मिलती है।

सक्सैस के लिए परफेक्शन-पैशन जरुरी

तेजी से बदलते जमाने और टेक्नोलॉजी के इस दौर में अपनी जगह व पहचान बनाने के लिए अपनी पसंद के क्षेत्र में पैशन होना बेहद जरूरी है, तभी आप परफेक्शन के साथ अपने टास्क पूरे करते हुए कामयाबी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। जानिए अपनी रुचि के क्षेत्र में पैशन होना क्यों है जरूरी है...

अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे पैशन बनाकर आगे बढ़ने वाले कभी भी भटकाव या दुविधा के शिकार नहीं होते। दरअसल, अपनी रुचि के क्षेत्र में पूरी तरह डूबकर ही वे अपनी मंजिल को आसान बना पाते हैं। जो दूसरों को देखकर उनकी राह का अनुकरण करने का प्रयास करते हैं, वे अपने भीतर छिपे गुणों को देख नहीं पाते। यही कारण है कि वे अपने मन की राह पर चलने की बजाय भटकाव के चौराहे पर पहुंच जाते हैं। जहां पहुंच कर उन्हें यह सूझता ही नहीं कि अब किस राह पर वे आगे बढ़ें।

सेल्फ एनालिसिस

दूसरों की तरफ देखने की बजाय सबसे पहले तो आप यह देखें कि आपको क्या अच्छा लगता है, आपकी रुचियां किस तरह की हैं, किस तरह के काम करने में आपको मजा आता है और क्या करना अच्छा नहीं लगता? इस प्रक्रिया में आपको अपनी रुचि का क्षेत्र जानने-समझने में सहायता मिल सकती है। एक बार अपने मन का क्षेत्र चुन लेने के बाद आप उस पर कदम आगे बढ़ाएं। इसके लिए जरूरी कोर्स करें या ट्रेनिंग हासिल करें। थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पर भी जोर दें। सिर्फ किताबी बातों की बजाय आज के समय की व्यावहारिक बातों और इंडस्ट्री में प्रचलित तकनीकों को जानें-समझें। जो कुछ भी सीखें, उसमें पूरी तरह डूबें। लापरवाही या आधे-अधूरे मन से आप कभी कुछ नहीं सीख सकते। अगर अपने को परफेक्ट बनाना चाहते हैं, तो सीखने में जी-जान लगा दें। इसके बाद आप खुद देखेंगे कि कोई चीज सीख लेने के बाद आपका कॉन्फिडेंस कितना बढ़ता है। इस तरह से आगे बढ़ने पर आपको कभी काम नहीं ढूंढ़ना पड़ेगा, बल्कि इसके उलट काम आपके पीछे-पीछे चलेगा। हुनर के पारखी लोग आपको बुलाकर नौकरी देंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**